THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

'हमारे पास छिपाने को कुछ नहीं'

कोझिकोड, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के संस्कृति मंत्री साजी चेरियन ने शनिवार को बताया कि राज्य सरकार हेमा समिति की सिफारिशों को लागू कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हेमा समिति की रिपोर्ट में छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। बता दें कि हेमा समिति की रिपोर्ट में मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले चौंकाने वाले उत्पीड़न और यौन शोषण को उजागर किया गया था।

मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने अदालत के निर्देशों का सख्ती से पालन किया है। केवल उन हिस्सों को छोड़ दिया गया है, जिन्हें राज्य सूचना आयोग ने जारी न करने की सिफारिश की थी। राज्य मंत्री साजी चेरियन ने कहा, यह मामला फिलहाल हाईकोरिट के सामने है।

वर्ष-29 अंक : 256 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष शु.7 2081 रविवार, 8 दिसंबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर * **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

टीबी से लड़ने में भारत मजबूत : पीएम

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बताया कि निक्षय मित्र और कम समय में प्रभावी उपचार जैसी पहलों से टीबी के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। मरीजों के ठीक होने की दर में सुधार हुआ है और टीबी से लड़ने में भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता मजबूत हुई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण जेपी नड्डा की ओर से एक्स पर की गई पोस्ट का जवाब देते हुए एक पोस्ट की।

(फाइल फोटो)

पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने विस्तार से बताया कि कैसे भारत के टीबी उन्मूलन प्रयासों में निक्षय पोषण योजना के माध्यम से पोषण संबंधी सहायता से परिवर्तनकारी प्रगति देखी गई है। निक्षय मित्र और कम समय में प्रभावी उपचार जैसी पहलों ने टीबी के मामलों में उल्लेखनीय कमी लाई है, मरीजों के ठीक होने की दर में सुधार हुआ है और टीबी से लड़ने में भारत की वैश्विक (ग्लोबल) नेतृत्व क्षमता को मजबूत किया है। जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लेख को पोस्ट करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत टीबी के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। भारत में टीबी की रोकथाम के लिए कई पहल की जा रही हैं।

इनमें उच्च-भार वाले जिलों में 100-दिवसीय अभियान, निक्षय पोषण योजना के माध्यम से पोषण सहायता में वृद्धि, लागत प्रभावी निदान उपकरण जैसी पहल देश के प्रयासों को गति दे रही हैं। इन कदमों से उपचार कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और टीबी के मामलों में कमी आई है। जनभागीदारी पर जोर ने समुदायों को एकजुट किया है, जिससे समय पर निदान और उपचार सुनिश्चित हुआ है। भारत का अभिनव दृष्टिकोण वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है और देश को 'टीबी मुक्त भारत' के करीब ले जा रहा है। बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा आज हरियाणा के दौरे पर हैं। उन्होंने पंचकूला में टीबी मुक्त भारत अभियान (100 दिन का अभियान) का शुभारंभ किया है।

प्रधानमंत्री को जान से मारने की धमकी

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी दी गई। मुंबई पुलिस को शनिवार को व्हाट्सएप पर यह मैसेज मिला। मैसेज मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि पीएम को जान से मारने की धमकी देने वाला मैसेज राजस्थान के अजमेर से भेजा गया था। मैसेज भेजने वाले संदिग्ध की तलाश में पुलिस टीम को अजमेर भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि मुंबई ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन के व्हाट्सएप नंबर पर कुछ घंटे पहले यह संदेश भेजा गया।

इसमें कहा गया कि दो आईएसआई एजेंटों और पीएम मोदी को निशाना बनाने के लिए बम ब्लास्ट करने की साजिश की जा रही है। जांचकर्ताओं को संदेह है कि संदेश भेजने वाला मानसिक रूप से परेशान व्यक्ति है या शराब के नशे में उसने संदेश भेजा है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है।

एमवीए को झटका : सपा ने गठबंधन छोड़ा

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में चुनावी नतीजों में महायुति को जबरदस्त जीत मिलने के बाद विपक्षी गठबंधन में दरारें पड़नी शुरू हो गई हैं। महा विकास अघाड़ी में शामिल समाजवादी पार्टी ने अब गठबंधन छोड़ने का फैसला कर लिया है। महाराष्ट्र सपा प्रमुख अबु आजमी ने शनिवार को कहा कि शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे के बाबरी मस्जिद विध्वंस को लेकर रुख के चलते उनकी पार्टी ने एमवीए को छोड़ने का निर्णय किया है।

अबु आजमी ने एमवीए छोड़ने की क्या वजह बताई ?

सपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख अबु आजमी ने एमवीए छोड़ने के फैसले पर कहा, शिवसेना-यूबीटी की तरफ से अखबार में एक विज्ञापन दिया गया था जिसमें बाबरी मस्जिद के विध्वंस में शामिल लोगों को बधाई दी गई थी। उनके (उद्धव ठाकरे के) करीबियों ने इसे एक्स पर भी पोस्ट किया और मस्जिद के गिराए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, इसलिए हम महा विकास अघाड़ी छोड़ रहे हैं। मैं सपा प्रमुख अखिलेश यादव से बात कर रहा हूं। बता दें कि शिवसेना-यूबीटी के नेता मिलिंद नार्वेकर ने हाल ही में अपने एक्स अकाउंट पर बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़ी एक तस्वीर पोस्ट की थी। इसमें बाल ठाकरे का वक्तव्य- 'जिन्होंने ये किया मुझे उन पर गर्व है' भी शामिल था। शिवसेना सचिव ने इसके साथ ही उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और अपनी तस्वीर भी इस पोस्ट में इस्तेमाल की थी। इस पर अबु आजमी ने कहा कि अगर महा विकास अघाड़ी में कोई इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करता है तो उनमें और भाजपा में क्या फर्क रह जाता है? आखिर हम उनके साथ क्यों रहें? महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने एमवीए के स्थापित दलों की मौजूदगी के बावजूद चुनाव लड़ा और दो सीटों- भिवंडी ईस्ट और मानखुर्द शिवाजी नगर सीट पर जीत हासिल की। भिवंडी ईस्ट से सपा के रईस कसम शेख जीते। वहीं, मानखुर्द शिवाजी नगर से महाराष्ट्र सपा के प्रमुख अबु आजमी ने जीत का परचम लहराया।

चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद दिखने लगीं दरारें

बता दें कि महाराष्ट्र में चुनावी नतीजों में महायुति को जबरदस्त जीत हासिल हुई। राज्य की 288 सीटों वाली विधानसभा में महायुति को 230 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी सिर्फ 46 सीटें ही हासिल कर पाई।

एमवीए में शिवसेना-यूबीटी 20 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 16 सीटों पर जीत मिली। वहीं, राकांपा (एसपी) को महज 10 सीट पर ही जीत हासिल हुई।

पूजा स्थल विशेष प्रावधान अधिनियम के कुछ प्रावधानों को दी गई 'सुप्रीम' चुनौती, याचिकाओं पर 12 को सुनवाई

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट 12 दिसंबर को पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। याचिकाओं में किसी पूजा स्थल को फिर से पाने या 15 अगस्त 1947 को प्रचलित स्वरूप में परिवर्तन की मांग करने के लिए मुकदमा दायर करने पर रोक लगाने वाले प्रावधानों को चुनौती दी गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार और केवी विश्वनाथन की विशेष पीठ दोपहर 3.30 बजे मामले की सुनवाई करेगी।

इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस दावे कि मस्जिदों के नीचे मंदिर हैं को लेकर आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी का हर 'वाहिनी, परिषद और सेना' के पीछे एक अदृश्य हाथ है।

उन्होंने कहा कि भारत के लोगों को ऐसे इतिहास को लेकर लड़ाई में धकेला जा रहा है, जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं था। कोई भी देश महाशक्ति नहीं बन सकता, अगर उसकी 14 प्रतिशत आबादी इस तरह के लगातार दबाव का सामना करे। हर 'वाहिनी, परिषद, सेना' आदि के पीछे सत्तारूढ़ पार्टी का अदृश्य हाथ है। ऐसे में लोगों का कर्तव्य है कि वे पूजा स्थल अधिनियम की रक्षा करें और इन झूठे विवादों को खत्म करें।

अजित पवार की 1,000 करोड़ की जब्त संपत्ति रिलीज होगी

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम पद की छठी बार शपथ लेने के 2 दिन बाद अजित पवार की जब्त बेनामी संपत्ति रिलीज करने का आदेश आ गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली के आयकर विभाग ट्रिब्यूनल ने पवार की 1 हजार करोड़ से ज्यादा की संपत्ति को फ्री कर दिया है। 7 अक्टूबर 2021 में छापेमारी के दौरान आईटी डिपार्टमेंट ने इन संपत्तियों को जब्त किया था। इसमें अजित की पत्नी सुनेत्रा पवार और बेटे पार्थ पवार की भी संपत्तियां हैं। ट्रिब्यूनल ने संपत्तियां मुक्त करने का आदेश सुनाते हुए कहा, संपत्तियों को लेकर कोई गैरकानूनी हेरफेर होने का सबूत आईटी डिपार्टमेंट पेश नहीं कर पाया है।

'चुनाव आयोग या कोर्ट जाएं, आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं'

> *ईवीएम मुद्दे पर ठाकरे के बयान पर अजित पवार का पलटवार*

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के ईवीएम पर उठाए गए सवाल पर एनसीपी चीफ अजित पवार ने पलटवार किया है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि ईवीएम को लेकर अगर विपक्ष को परेशानी या चिंता है तो उन्हें कोर्ट या चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाना चाहिए। ऐसे आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं है।

अजित पवार ने कहा कि यहां ऐसे आरोप लगाने से कोई मतलब नहीं है। उन्हें (विपक्ष) चुनाव आयोग जाना चाहिए और अगर उन्हें वहां न्याय नहीं मिलता है तो उन्हें कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। अजित पवार का यह बयान शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे द्वारा यह घोषणा करने के बाद आया है कि पार्टी के विधायक शनिवार को महाराष्ट्र

विधानसभा के चल रहे विशेष सत्र के दौरान पद की शपथ नहीं लेंगे। ठाकरे ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की वैधता पर संदेह जताया। आदित्य ठाकरे ने कहा कि आज हमने फैसला किया है कि हमारे (शिवसेना यूबीटी) जीतने वाले विधायक शपथ नहीं लेंगे। अगर यह लोगों का जनादेश होता, तो लोग खुश होते और जश्न मनाते। हालांकि, लोगों की ओर से ऐसा कोई जश्न या उत्साह नहीं था। हमें ईवीएम पर संदेह है। शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विधान भवन परिसर में शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि भी दी। इससे पहले शिवसेना नेता उदय सामंत ने कहा कि आज की प्राथमिकता 288 विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह और महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर का चुनाव कराना है। उसके बाद हमारे 3 नेता सीएम फडणवीस और दो उप-सीएम एकनाथ शिंदे और अजीत पवार मिलकर तय करेंगे कि कैबिनेट विस्तार कब करना है और हमें कौन से विभाग मिलेंगे। हमारे नेता एकनाथ शिंदे हैं। हमने उन्हें सभी राजनीतिक निर्णय लेने का अधिकार दिया है।

अमित शाह का दावा-2014 के बाद गरीबी से बाहर आए 25 करोड़ लोग

> *पीएम ने लक्ष्य को हकीकत में बदला*

अहमदाबाद, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि 2014 से पहले की सरकारें कल्याणकारी राज्य के संविधानिक मकसद को हासिल करने के लिए टुकड़ों में काम करती थीं। लेकिन इस अवधारणा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हकीकत में बदल दिया। उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने इस बात को समझा कि भारत की साठ करोड़ आबादी जब तक गरीब रहेगी, तब तक देश का विकास संभव नहीं है। उन्होंने बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला।

अहमदाबाद में गुजरात लोक सेवा ट्रस्ट के वार्षिक कार्यक्रम में कहा, एक सरकार अकेले इतना बड़ा काम नहीं कर सकती अगर ट्रस्ट, व्यक्ति और सेवा संगठनों को साथ लाया जाए, तो हम जल्दी ही इस समस्या से बाहर निकल सकते हैं। उन्होंने बताया कि संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने यह निष्कर्ष निकाला था कि कल्याणकारी राज्य की स्थापना ही संविधान का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। इसके तहत हर व्यक्ति का कल्याण, समान विकास और हर परिवार का सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना था।

65 करोड़ लोगों को हर महीने मुफ्त अनाज वितरित किया :

शाह ने कहा, 2014 से पहले की सरकारें अपने-अपने समय में जितना कर सकती थीं, उन्होंने किया। लेकिन सांख्यिकी (स्टैटिक्स) के छात्र के रूप में मेरी राय है कि पहले सभी सरकारों ने इस लक्ष्य को टुकड़ों-टुकड़ों में पूरा करने की कोशिश की। गृह मंत्री ने कहा, 2014 में जनता की ओर से चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प लिया कि कोई भी घर बिना शौचालय के नहीं रहेगा। कोई भी व्यक्ति बिना घर और गैस सिलेंडर के नहीं रहेगा। मोदी ने यह भी सुनिश्चित किया कि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए और हर महीने 65 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज मुफ्त वितरित किया गया। दुनिया में कहीं भी ऐसा उदाहरण नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि मोदी ने कल्याणकारी राज्य के लक्ष्य को हकीकत में बदलने का काम किया और 2014 से 60 करोड़ लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के बाद 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल आए।

केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को 944 करोड़ की मदद भेजी

फेंगल तूफान के भरपाई के लिए सीएम स्टालिन ने केंद्र से 2,000 करोड़ मांगे थे

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) में से 944 करोड़ रुपये की सहायता की मंजूरी दी। तमिलनाडु में 30 नवंबर को आए तूफान फेंगल ने राज्य को बहुत प्रभावित किया। केंद्र सरकार ने इंटर मिनिस्ट्रियल सेंट्रल टीम को भी तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में फेंगल से हुई तबाही का जायजा लेने के लिए भेजा था। गृह मंत्रालय ने कहा, आईएमसीटी की रिपोर्ट्स मिलने के बाद आपदा प्रभावित राज्यों को राष्ट्रीय आपदा राहत कोष में से अतिरिक्त वित्तीय सहायता राशि दी जाएगी।

तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने 2 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखकर राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) से 2 हजार करोड़ रुपये की अंतरिम सहायता मांगी थी। केंद्र सरकार ने 2024 में 28 राज्यों को 21718.716 करोड़ रुपये की सहायता दी है, इसमें से 26 राज्यों को राज्य आपदा राहत कोष में से 14878.40 करोड़ रुपये और 18 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा राहत कोष में से 4808.32 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसके अलावा 11 राज्यों को राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष में से 1385.45 करोड़ रुपये और 7 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष में से 646.546 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। वित्तीय सहायता के अलावा केंद्र सरकार ने बाढ़ और चक्रवात से प्रभावित राज्यों में एनडीआरएफ, सेना और वायु सेना की तैनाती कर सभी रसद सहायता भी दी है।

जीएसटी बढ़ाने की तैयारी में सरकार?

गरीब और मध्यम वर्ग की मेहनत की कमाई को लूटा जा रहा : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार जीएसटी स्लैब बढ़ाने की तैयारी कर रही है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुछ ऐसे ही संकेत देकर सरकार पर हमला बोला। एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ कॉरपोरेट टैक्स के मुकाबले इनकम टैक्स लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज्यादा वसूली की तैयारी कर रही है।

उन्होंने लिखा कि सुनने में आ रहा है कि जीएसटी से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है। इसके जरिये आपकी जरूरत की चीजों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है। शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच 1500 रुपये से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने जा रही है।

यह घोर अन्याय है। अरबपतियों को टैक्स में छूट देने और उनके बड़े से बड़े कर्ज माफ करने के लिए गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई को टैक्स से लूटा जा रहा है।

राहुल गांधी ने लिखा कि हमारी लड़ाई इसी अन्याय के खिलाफ है। आम लोगों पर पड़ रही टैक्स की मार के खिलाफ हम मजबूती से आवाज उठाएंगे और इस लूट को रोकने के लिए सरकार पर दबाव बनाएंगे। राहुल गांधी के इस पोस्ट के बाद एक बार फिर जीएसटी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

क्या ममता संभालेंगी इंडिया गठबंधन की कमान

> *बंगाल से लेकर दिल्ली तक सियासी बयानबाजी शुरू*

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन इंडिया में फिलहाल सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। ये तब सामने आया जब विपक्षी गठबंधन की वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने विपक्षी "इंडिया' गठबंधन के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया और मौका मिलने पर इसकी कमान संभालने के अपने इरादे जताए।

ममता बनर्जी के बयान के बाद बंगाल से लेकर दिल्ली तक सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। एक ओर जहां उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना उनसे वार्ता की बात कह रही है। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि वे सिर्फ मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। इसके अलावा, एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि अगर वे अधिक जिम्मेदारी लेना चाहें तो हम उनके साथ हैं।

वहीं, कई राज्यों में सत्ता पर आसीन भाजपा ने ममता के बयान को आधार बनाकर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। भगवा दल का कहना है कि राहुल को हम नहीं विपक्षी गठबंधन बालक बुद्धि कहता है।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के 'भारत गठबंधन का नेतृत्व करने को इच्छुक' वाले कथित बयान पर कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने सिर्फ मीडिया के एक सवाल का जवाब दिया। इसका मतलब यह नहीं है कि इस बारे में भारत गुट में बातचीत हुई थी। अगर वह इस बारे में इंडिया ब्लॉक के नेताओं के साथ बात करती हैं तो वे मिलकर इसका समाधान ढूंढेंगे।

उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा हम सब यह भी चाहते हैं कि वह इंडिया गठबंधन की एक प्रमुख भागीदार बनी रहें। चाहे ममता बनर्जी हों, अरविंद केजरीवाल हों या शिवसेना (यूबीटी), हम सब एक साथ हैं। हम जल्द ही कोलकाता में ममता बनर्जी से बात करने जाएंगे।

वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर सपा नेता उदयवीर सिंह ने कहा कि वह एक वरिष्ठ नेता हैं, उनके पास बहुत अनुभव है। वह सक्षम हैं। हमारी पार्टी के उनके साथ संबंध अच्छे हैं और हमें उनके नेतृत्व पर भरोसा है। इंडिया ब्लॉक के नेताओं को मिलकर तय करना होगा कि क्या किया जाना चाहिए। अगर ऐसा कोई निर्णय लिया जाता है, तो हम इसका समर्थन करेंगे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन ने कहा कि ममता बनर्जी कभी भी गठबंधन के साथ नहीं चली हैं। हमेशा उनके बीच में गतिरोध रहा है। जो अति महत्वाकांक्षा वाले लोग हैं या अराजकता वाले लोग हैं वो एक साथ कैसे चल सकते हैं?

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे के नेतृत्व के साथ दोहरी जिम्मेदारी संभालने में सक्षम होंगी। उन्होंने एक बंगाली समाचार चैनल के साथ इंटरव्यू में कहा, 'मैंने "इंडिया' गठबंधन का गठन किया था। अब इसे प्रबंधित करना मोर्चे का नेतृत्व करने वालों पर निर्भर है। अगर वे यह नहीं कर सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं बस यही कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत है।'

पूर्व अधिकारी से रात भर पूछताछ करना भयावह : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाई है। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा से पूरी रात पूछताछ करने और सुबह 4 बजे गिरफ्तारी दिखाने पर सर्वोच्च अदालत ने सवाल उठाए और इसकी कड़ी निंदा की है। कोर्ट ने जांचकर्ताओं के व्यवहार को भयानक बताया। जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि एजेंसी के अधिकारियों का अनुचित व्यवहार गिरफ्तारी को रद्द करने का आधार नहीं होगा। हालांकि, उन्होंने चिंता जताते हुए इसे परेशान करने वाला बताया।सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एक्स आईएएस अनिल टुटेजा को गिरफ्तारी के खिलाफ अपनी याचिका वापस लेने और निचली अदालत में जमानत मांगने की अनुमति दी है। 20 अप्रैल, 2024 को दोपहर लगभग 4:30 बजे याचिकाकर्ता रायपुर में एसीबी कार्यालय में बैठे थे। पहले उन्हें दोपहर 12 बजे ईडी के सामने पेश होने का समन दिया गया।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने वित्तमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार शाम को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नॉर्थ ब्लॉक स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की। यह मुलाकात आरबीआई गवर्नर के रूप में दास के मौजूदा कार्यकाल के समाप्त होने के कुछ ही दिन पहले और मौद्रिक नीति बैठक के एक दिन बाद हुई है। शक्तिदास दास छह साल से आरबीआई के गवर्नर हैं और उनका कार्यकाल 10 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि दास और सीतारमण के बीच करीब आधे घंटे तक बैठक चली। 10 दिसंबर के बाद कोई संभावित विस्तार (चाहे वह हो या नहीं) अभी तक इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। शक्तिकांत दास को यदि विस्तार दिया जाता है, तो दास बेनेगल रामा राव के बाद सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले आरबीआई गवर्नर बन जाएंगे, जिन्होंने 1949 से 1957 तक 7.5 साल तक इस पद पर कार्य किया था। दास ने 12 दिसंबर, 2018 को आरबीआई के 25वें गवर्नर के रूप में पदभार संभाला था, उनका कार्यकाल 2021 में बढ़ा दिया गया था। आरबीआई गवर्नर के रूप में अपनी भूमिका से पहले, दास 15वें वित्त आयोग के सदस्य थे और भारत के जी-20 शेरपा के रूप में कार्य कर चुके हैं।

'मैंने इसके बारे में नहीं सुना मुझे नहीं पता'

हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर बोले फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद हिंदुओं पर अत्याचार बहुत बढ़ गया हैं। जब से कमान अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने संभाली है तब से हालात और बदतर हो गए हैं। इस मामले को लेकर पूरे भारत में गुस्सा है और कोलकाता में लगातार विरोध प्रदर्शन देखने को भी मिल रहा है। इसी बीच अब जेकेएनसी के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में आपको प्रधानमंत्री मोदी से पूछना चाहिए।

जेकेएनसी के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा, मैंने इसके बारे में नहीं सुना है, मुझे नहीं पता, इसलिए मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। आपको इस बारे में प्रधानमंत्री से पूछना चाहिए। इससे पहले बसपा चीफ मायावती ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदू बड़ी संख्या में अपराध का शिकार हो रहे हैं। इनमें से ज्यादातर दलित और कमजोर तबके के लोग है। कांग्रेस पार्टी चुप है और अब सिर्फ मुस्लिम वोटों के लिए 'सावधान रहो' चिल्ला रही है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले को लेकर असम के कई जिलों में होटलों ने बांग्लादेशियों की एंट्री पर बैन लगा दिया है। इसमें कछार, श्रीभूमि और हैलाकांडी का नाम शामिल है।

हरियाणा कांग्रेस प्रभारी ने टिकट वितरण में गलती कबूली

10-15 सीटों पर गड़बड़ी हुई, दलाल ने कहा- 2025 में बीजेपी सरकार गिरेगी, कांग्रेस आएगी

चंडीगढ़, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी ने शनिवार को दिल्ली में तीसरी बार मंथन किया। मीटिंग में हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया भी शामिल हुए। उनका कहना है कि बीमारी के कारण मैं पिछली मीटिंगों में शामिल नहीं हो पाया था। बाबरिया ने आगे बताया कि चुनाव में 10 से 15 सीटों पर टिकट वितरण गलत हुआ है।

अगर सब मेरा दोष मान रहे हैं, तो मैं अपनी जिम्मेदारी छोड़ सकता हूं। मैंने तो अपना इस्तीफा भी भेज दिया था। काउंटिंग के दिन मुझे सुबह ही मैसेज आए थे कि कुछ सीटों पर धांधली हो रही है। वो मैसेज मैंने प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को भेज दिए थे। वहीं, मीटिंग से पहले कांग्रेस सह प्रभारी जितेंद्र बघेल ने कहा कि कांग्रेस के संगठन और नेताओं में अनबन की गलत खबर फैलाई जाती हैं।

दलाल बोले-2025 पार नहीं कर पाएगी भाजपा

हार के कारण जानने के लिए बनाई गई कमेटी के चेयरमैन करण सिंह दलाल ने कहा कि मीटिंग में हमारे हाथ कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज

लगे हैं। अब हमें यकीन है कि हम जो कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं, उसमें जीत हमारी होगी। उन्होंने दावा किया कि ये सरकार 2025 का साल पार नहीं कर पाएगी। ये लोगों की नहीं ईवीएम की सरकार है। चुनाव में जिन अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। 2025 में फिर से कांग्रेस की सरकार आएगी।

भाटिया बोले-4 मुद्दों पर चर्चा हुई

हार के कारणों को रिव्यू करने के लिए बनी कमेटी के कन्वीनर केसी भाटिया भी दिल्ली पहुंचे। उन्होंने बताया कि आज की मीटिंग में लीगल तरीके से जो हमने कोर्ट में 16 याचिकाएं डाली हैं, उनको लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा मीटिंग में बातचीत में मुख्य मुद्दे, धर्म के नाम पर वोट, बटोगे तो कटोगे, जरूरत से ज्यादा इलेक्शन में पैसा खर्च करना, ईवीएम में 99% बैटरी हैं।

सीडब्ल्यूसी मीटिंग में भी हो चुकी हरियाणा हार पर चर्चा

इससे पहले दिल्ली में 29 नवंबर को कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई थी। इसमें हरियाणा में पार्टी की हार को लेकर भी मंथन हुआ। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया था कि आपसी एकता की कमी और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हमें काफी नुकसान पहुंचाती है।

उन्होंने संगठन की मजबूती, अनुशासन और एकता के फॉर्मूले पर काम करने के लिए कहा। इस मीटिंग में राहुल गांधी के साथ सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा, रोहतक से सांसद दीपेंद्र हुड्डा और राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला समेत अन्य नेता शामिल हुए थे।

परिवार को धमकाते कैमरे में कैद हुआ फर्जी ईडी अफसर

› आरोपियों ने ही रिकॉर्डिंग की थी, अब वायरल, 12 गिरफ्तार

गांधीधाम, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के गांधीधाम में फर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने ज्वेलर की दुकान और घर पर छापेमारी की। इस दौरान 22.25 लाख रुपए नकद और आभूषण चुरा लिए। इस घटना का वीडियो शनिवार(7 दिसंबर) को सामने आया है। इसमें नकली अधिकारी ज्वेलर के परिवार को नकली कार्ड दिखाकर धमका रहा है।

पुलिस ने इस मामले में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।इन्हें 11 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। यह घटना 2 दिसंबर की है। आरोपियों ने शहर की ज्वेलरी शॉप राधिका ज्वैलर्स पर छापामारी की। इन्होंने खुद को ईडी की टीम बताया था। इस दौरान नकदी और जेवर चुरा लिए। ज्वेलर ने बाद में पुलिस को जानकारी दी तो पुलिस ने जांच की। पता चला कि ईडी ने कोई छापामारी नहीं की है। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई। इसके बाद भरत मोरवाडिया, देवायत खाचर, अब्दुलसत्तार मंजोथी, हितेश ठक्कर, विनोद चूडासमा, यूजीन डेविड, आशीष मिश्रा, चंद्रराज नायर, अजय दुबे, अमित मेहता, उनकी पत्नी निशा मेहता और शैलेंद्र देसाई को गिरफ्तार किया गया। इनसे 22.27 लाख रुपए के सोने के आभूषण और तीन कारें जब्त की गई हैं। साजिश में शामिल विपिन शर्मा को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। गांधीधाम निवासी भरत को राधिका ज्वैलर्स पर इस तरह की छापेमारी करने का आइडिया आया। उसने अपने सहयोगी खाचर को बताया कि आयकर विभाग ने करीब छह साल पहले इस ज्वैलर्स पर छापा मारा था और बड़ी मात्रा में नकदी और आभूषण जब्त किए थे। राधिका ज्वैलर्स के मालिकों के पास अभी भी 100 करोड़ रुपए की संपत्ति है। इसके बाद साजिश में मंजोथी, हितेश ठक्कर और विनोद चूडासमा को इसमें शामिल किया गया।

खबरें जरा हटके

ट्रैवलिंग का था शौक, घर बेचकर दुनिया देखने निकली महिला

घूमने का शौक किसे नहीं होता, पर लोग कई बार अपनी जिंदगी की जिम्मेदारियों में ऐसे उलझ जाते हैं कि घूमना-फिरना साइड में रखकर अपनी जरूरतों को पूरा करते हैं. हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनके लिए ट्रैवलिंग सिर्फ शौक नहीं, उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा होता है. ऐसे लोग जिम्मेदारियों से मुक्त होना जानते हैं. इंग्लैंड की एक सीनियर सिटीजन महिला को भी घूमना इतना पसंद था कि उसने अपनी सबसे बड़ी जिम्मेदारी, यानी अपने घर को बेच दिया और जुटाए हुए पैसों से दुनिया देखने चली गई. उसने इतने देश घूम लिए कि आप सोच भी नहीं सकते!

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार 61 साल की लिन स्टेफिनसन नॉटिंघमशायर के कार्लटन की रहने वाली हैं. उन्हें घूमना इतना पसंद था कि जब महामारी का दौर था, तब उन्होंने खुद से वादा किया कि लॉकडाउन हटने के बाद वो पूरी दुनिया घूमने जाएंगी. इस यात्रा से पहले ही वो कुछ और देश जा चुकी थीं. पर जब उन्होंने यात्रा शुरू की, तो रुकने का नाम ही नहीं लिया और कुल 167 देश घूम लिए. 26 नवंबर को साउथ पैसिफिक के नाउरू देश जाने के बाद उनके 167 देश पूरे हो चुके हैं. लिन ने अपने घर को 2 साल पहले ही बेच दिया था. उन्होंने बताया कि दुनिया घूमने की सबसे खास बात ये है कि आपको पता चलता है कि इस दुनिया में बहुत उदार लोग भी रहते हैं. उन्होंने बताया कि अपने वर्ल्ड टूर का पहला राउंड उन्होंने 1992 में पूरा किया. वहां से उनकी ट्रैवल जर्नी शुरू हुई और तब से वो बीच-बीच में घूमती-फिरती रहती हैं. जब दो साल पहले उन्होंने दुनिया घूमने का मन बनाया, तब उन्हें लगा कि घर बेचकर उन पैसों को घूमने पर खर्च करना ही समझदारी है. अब लिन इंस्टाग्राम पर भी अपनी यात्राओं से जुड़ी फोटोज और वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं.

5 बीवियों का 1 पति, एक ही छत के नीचे रहते हैं साथ, खुश करने के लिए क्रिसमस पर देगा 31 लाख का गिफ्ट!

आपने एक कहावत तो जरूर सुनी होगी, शादी के लड्डू जो खाए वो पछताए, जो न खाए वो भी पछताए. पर कुछ लोगों को तो शायद ये लड्डू इतने पसंद आ जाते हैं कि वो एक से ज्यादा बार इसे खाने को तैयार हो जाते हैं. ऐसा ही एक ब्राजीलियन शख्स के साथ भी है. उसे शादी के लड्डू इतने पसंद आए कि उसने 1-2 बार नहीं, कुल 9 बार इसे चखा है. इस आदमी की 9 बीवियां थीं, और वो सभी उसके साथ ही रहती थीं. पर अब उसकी 5 ही बीवियां साथ हैं, बाकी ने तलाक ले लिया. शख्स ने हाल ही में बताया कि क्रिसमस के मौके पर उसकी जेब ढीली होने वाली है क्योंकि वो अपनी पांचों बीवियों को 31 लाख रुपये तक का गिफ्ट देने वाला है.

आर्थर ओ उर्सो एक मॉडल है जो 2021 में अचानक तब चर्चा में आया जब उसने एक बार में 9 लड़कियों से शादी रचा ली. कई लोगों ने उन्हें सोशल मीडिया पर तब ट्रोल भी किया था. साओ पाउलो में रहने वाले आर्थर ने कड़ी मेहनत से अपना 28 किलो वजन कम किया था. उसके बाद उन्हें 9 लड़कियों से प्यार हो गया और उन सबसे आर्थर ने एक साथ शादी कर ली थी. पर अब 37 साल के आर्थर की 5 ही बीवियां बची हैं. बाकी ने तलाक ले लिया. आर्थर अपनी सारी बीवियों के साथ ही रहती हैं. कुछ दिनों पहले वो फिर चर्चा में थे जब उन्होंने बताया कि सभी के साथ सोने के लिए उन्होंने एक बहुत बड़े. साइज का बिस्तर बनवाया था. द सन की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार आर्थर ने अपनी बीवियों को क्रिसमस पर तोहफा देने का प्लान बनाया है. इसके लिए उन्होंने सभी बीवियों के लिए एक अमाउंट सेट किया है. इन पैसों में बीवियां गहनों से लेकर तकनीक से जुड़ी कोई भी चीज ले सकती हैं. इसके अलावा वो अपने लिए कोई शॉर्ट ट्रिप भी प्लान कर सकती हैं. कुल मिलाकर आर्थर अपनी बीवियों पर 31 लाख रुपये तक खर्च करना चाहते हैं.

मां ने दिया एक गिफ्ट, उसी की मदद से हर महीने 16 लाख कमाता है लड़का

17 साल की उम्र में बना करोड़पति!

हर व्यक्ति चाहता है कि ज्यादा पैसा कमाए और अपनी तमाम जरूरतों को पूरा करे मगर आज के वक्त में पैसा कमाना काफी चुनौतीपूर्ण है. नहीं, ये काम मुश्किल बिल्कुल नहीं है, बस उसके लिए काफी तिकड़म लगाना पड़ता है. जिसने तिकड़म लगाना सीख लिया, उसकी किस्मत रातोंरात चमक सकती है. हाल ही में इंग्लैंड के शख्स के खूब चर्चे हैं जो सिर्फ 17 साल का है पर हर महीने 16 लाख रुपये कमाता है. वो ये कमाई उस गिफ्ट से करता है, जो उसकी मां ने उसे 2 साल पहले क्रिसमस के मौके पर दिया था. न्यूयॉर्क पोस्ट वेबसाइट के मुताबिक 17 साल का कैलेन मैकडॉनल्ड इंग्लैंड के लैंकशायर में रहता है. दो साल पहले क्रिसमस के मौके पर उसकी मां कैरेन न्यूशैम ने उसे एक सर्किट जॉय भेंट किया था जो एक डिजिटल ड्रॉइंग, कटिंग और प्रिंटिंग मशीन होती है. ये मशीन 16 हजार रुपये के करीब थी. उस मशीन की मदद से बच्चे ने ऐसा दिमाग लगाया कि धीरे-धीरे उसने स्टिकर का बिजनेस शुरू कर दिया. वही स्टिकर जो बच्चे और कई बार बड़े भी अलमारी, किताबों, सामानों, आदि पर चिपकाते हैं. ये डेकोरेशन के भी काम आते हैं. जब उसने फेसबुक पर इसे शेयर किया तो लोगों ने उसे पर्सनलाइज्ड आइटम बनाने के लिए संपर्क करना शुरू कर दिया. 2024 की शुरुआत तक वो एक महीने में करीब 200 पर्सनलाइज्ड चीजें बेच रहा था.

सीआईएसएफ देश के हवाई अड्डों की निगरानी बढ़ाएगा, बनाई स्पेशल यूनिट

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने देश के सभी 68 नागरिक हवाई अड्डों पर तैनात विमानन सुरक्षा समूह (एएसजी) के लिए एक आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण इकाई (आईक्यूसीयू) बनाई है। इस इकाई का मकसद विश्व स्तरीय सुरक्षा प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। सीआईएसएफ के अनुसार, आईक्यूसीयू विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र (एएससीसी) के अंतर्गत कार्य करेगा। एएससीसी को भी हाल ही में शुरू किया गया है। इसका उद्घाटन 22 जुलाई, 2023 को गृह मंत्री अमित शाह ने किया था।

एएससीसी मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए आईक्यूसीयू के साथ मिलकर काम करेगा और घटना प्रबंधन केंद्र, विमानन अनुसंधान और डेटा केंद्र, केंद्रीकृत संचार नियंत्रण केंद्र के साथ भारतीय हवाई अड्डों की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। यह प्रणाली क्षेत्रीय संपर्क योजना (उड़ान) के तहत हवाई अड्डों को भी कवर करेगी। आईक्यूसीयू का नेतृत्व वरिष्ठ सीआईएसएफ अधिकारी करेंगे और इसमें प्रमाणित विमानन सुरक्षा (एवीएसईसी) प्रशिक्षक, राष्ट्रीय लेखा परीक्षक और इसके कर्मचारी शामिल होंगे। वे मानकीकृत प्रशिक्षण और मूल्यांकन विधियों, फील्ड ट्रायल और अंतरराष्ट्रीय नई तकनीकों को अपनाने के माध्यम से हवाई अड्डों पर सुरक्षा प्रक्रियाओं में एकरूपता सुनिश्चित करेंगे।

आईक्यूसीयू सुरक्षा कार्यों का मूल्यांकन करने और सुधारात्मक उपायों को लागू करने के लिए विभिन्न दिशानिर्देशों के आधार पर आंतरिक निरीक्षण और ऑडिट करेगा। जिससे हवाई अड्डों की खामियों को दूर कर उसे सुधारने में मदद मिलेगी। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन के मानकों को ध्यान में रख सभी जगह से फीडबैक ले उसका विश्लेषण किया जाएगा।

पंचकूला में नड्डा बोले-100 दिन महत्वपूर्ण

'पीएम टीबी मुक्त देश' अभियान शुरू, सीएम सैनी ने कहा-18 हजार पंचायतें टीबी मुक्त होंगी

चंडीगढ़, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा हरियाणा दौरे पर पंचकूला पहुंचे। उन्होंने पंचकूला में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत भारत में तपेदिक (टीबी) की पहचान और मृत्यु दर की चुनौतियों से निपटने के उद्देश्य से एक व्यापक 100 दिवसीय अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने निश्चय मित्रों, टीबी चैम्पियन को सम्मानित किया।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, आज हम टीबी मुक्त अभियान की शुरुआत कर रहे हैं। मैं ये कहूंगा, एक तरीके से इस अभियान से एक नई गति मिलेगी। ये 100 दिन का कार्यक्रम है, इसके तहत 347 जिलों, जहां टीबी का प्रकोप ज्यादा है, वहां पर फोकस किया जाएगा। टेस्ट, ट्रीटमेंट के साथ अन्य जरूरी चीजों को इस अभियान के तहत किया जाएगा। टीबी मुक्त अभियान के ये 100 दिन मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, आज पूरे देश में इस टीबी मुक्त भारत का 100 दिन का अभियान शुरू होने जा रहा है। मुझे खुशी है कि आज हम देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए एक विशेष अभियान के साक्षी बन रहे हैं। यह भी खुशी की बात है कि देश व्यापी इस अभियान की शुरुआत हरियाणा से हो रही है। हरियाणा निश्चय ही इस अभियान को सफल बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्क्रीनिंग करके हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी व्यक्ति संक्रमित है या नहीं। हरियाणा में करीब सात लाख लोगों का टीबी संक्रमण का परीक्षण किया जा चुका है, जिनमें 40 प्रतिशत लोगों में टीबी का संक्रमण मिला था। देश के अन्य राज्यों के साथ हरियाणा में टीबी बड़ी चुनौती है। सरकार इस चुनौती को पूरा करने के लिए पूरा प्रयास करेगी।

हरियाणा में टीबी के लिए बनी नई रणनीति

हरियाणा में कोई भी टीबी मरीज छूटे नहीं, इसके लिए नई रणनीति पर हरियाणा सरकार काम कर रही है। टीबी मरीज को ट्रैक करने के लिए उसका डाटा पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। हर नए मरीज का डाटा इस पोर्टल पर डाला जाएगा।

इस पोर्टल का बड़ा महत्व है। इसी के जरिए मरीजों को उनकी बीमारी से संबंधित जानकारी भी दी जाती है। अब तक साढ़े तीन लाख मरीजों को करोड़ों रुपए सरकार दे चुकी है। सरकार मरीजों को और भी आधुनिक चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करा रही है। हरियाणा में 18 हजार पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य सरकार ने रखा है।

अपने बयान से पलटे कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार

› सत्ता साझाकरण पर कोई समझौता नहीं हुआ

बेंगलूरू, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने शनिवार को अपने बयान पर यूटर्न लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी में किसी को भी उनके और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच सत्ता साझेदारी को लेकर किसी भी तरह के समझौते के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। सत्ता साझाकरण को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ है। हम बस आपसी राजनीतिक समझ के साथ काम कर रहे हैं।

राज्य के डिप्टी सीएम और राज्य कांग्रेस प्रमुख डीके शिवकुमार ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम में कहा था कि सत्ता में आने से पहले उनके और सीएम सिद्धारमैया के बीच एक समझौता हुआ था। इसके जवाब में सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि ऐसा कोई समझौता नहीं था और वह आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। इस मामले में डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि किसी को भी किसी समझौते के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। कोई सत्ता-साझाकरण जैसा ऐसा कुछ नहीं है। हम दोनों राजनीतिक समझ के साथ काम कर रहे हैं। मैंने कभी किसी फॉर्मूले के बारे में बात नहीं की, ऐसा कुछ भी नहीं है। मुख्यमंत्री को कुछ जिम्मेदारी सौंपी गई है और मुझे भी कुछ जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैं उसी के अनुसार काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं पहले ही कह चुका हूं कि सीएम ने जो भी कहा है, वह अंतिम है और यह मामला अब बंद हो चुका है या खत्म हो चुका है। मुख्यमंत्री जो भी कहेंगे वह अंतिम होगा, इस पर कोई आपत्ति नहीं है। मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि हाईकमान ही निर्णय लेगा और सभी उसका पालन करेंगे। सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद काफी प्रतिस्पर्धा थी।

कांग्रेस ने शिवकुमार समझा-बुझाकर उपमुख्यमंत्री बनाया। इस दौरान खबरें आई थीं कि दोनों के बीच रोटेशन मुख्यमंत्री फॉर्मूला पर समझौता हुआ है, जिसमें दो साल शिवकुमार भी मुख्यमंत्री रहेंगे। हालांकि पार्टी ने इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की थी। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी इच्छा को कभी छिपाया नहीं है।

राज्यसभा उपचुनाव के लिए ऋतब्रत बने टीएमसी उम्मीदवार

कोलकाता, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को पार्टी नेता ऋतब्रत बनर्जी को आगामी राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया। आरजी कर बलात्कार-हत्याकांड और उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद सितंबर में टीएमसी के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि, हमें आगामी राज्यसभा उपचुनाव के लिए ऋतब्रत बनर्जी की उम्मीदवारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। पश्चिम बंगाल से एकमात्र खाली राज्यसभा सीट के अलावा तीन अन्य राज्यों की सीटों पर 20 दिसंबर को उपचुनाव होंगे। ऋतब्रत 2017 तक सीपीआई(एम) के साथ थे और टीएमसी में शामिल होने से पहले भी वे राज्यसभा सांसद थे।

अग्निवीर भर्ती में मदद का झांसा देकर ठगी

पेमेंट बैंक की फ्रेंचाइजी के नाम पर दंपती को लगाई चपत

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा जिले से अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में मदद करने के बहाने पालघर में कुछ युवाओं को ठगने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान 30 वर्षीय धनाजी काकड़े और 27 वर्षीय गणेश काले के तौर पर की गई है। दोनों ने युवाओं को अग्निपथ योजना में उनकी भर्ती सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया था। भर्ती प्रक्रिया 28 नवंबर को विरार के जीवदानी क्रिकेट ग्राउंड में चल रही थी।

विरार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक सुरेश गायकवाड़ ने कहा, काकड़े और काले मैदान में गए और वहां कुछ उम्मीदवारों से संपर्क किया। उन्होंने उन उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने में मदद करने का आश्वासन दिया। उन्होंने एक उम्मीदवार से एक हजार रुपये भी लिए और उससे अपने जैसे युवाओं को लाने के लिए कहा। जैसे ही कुछ उम्मीदवारों को एहसास हुआ कि उन्हें धोखा दिया जा रहा है, उन्होंने पुलिश में शिकायत दर्ज कराई। बाद में पुलिस ने दोनों को मौके से पकड़ा। दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 62 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत के सामने पेश किया गया। अदालत ने उन्हें पांच दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। ठाणे जिले में एक जोड़े से 80 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों ने पीड़ित से पेमेंट बैंक की फ्रेंचाइजी खोलने के लि प्राधिकरण प्राप्त करने का वादा कर ठगी को अंजाम दिया।

बीजद पर अपने कार्यकाल के दौरान सरकारी भर्ती में धांधली का आरोप

हंगामे के कारण सदन स्थगित

भुवनेश्वर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा विधानसभा शनिवार को विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) के हंगामे के कारण एक घंटे के लिए स्थगित हो गई। दरअसल, बीजद ने अपने शासनकाल के दौरान सरकारी भर्ती में अनियमितताओं के आरोप पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से स्पष्टीकरण की मांग की थी। माझी ने शुक्रवार को विधानसभा में ओडिशा सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक पेश करते हुए आरोप लगाया कि बीजद शासन के दौरान सरकारी भर्तियों पर बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं।

उनके शासन के दौरान नौकरियां लाखों रुपये में बांटी गईं। हालांकि, बीजद ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और इन आरोपों को साबित करने के लिए कहा। शनिवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान बीजद सदस्य सदन के वेल में आ गए और मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए नारे लगाने लगे। सदन केवल तीन मिनट तक ही चल पाया और स्पीकर सुरमा पाढ़ी ने इसे स्थगित कर दिया। जब बीजद सदस्य वेल में जाकर सीएम के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे, तब पार्टी प्रमुख नवीन पटनायक सदन में ही मौजूद थे।

पीएम मोदी ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर साहसी सैनिकों के बलिदान को किया सलाम

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को सलाम किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे साहसी सैनिकों की वीरता, दृढ़ संकल्प और बलिदान को सलाम करने के बारे में है। उनकी बहादुरी हमें प्रेरित करती है, उनका बलिदान हमें विनम्र बनाता है और उनका समर्पण हमें सुरक्षित रखता है। आइए सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में भी योगदान दें।

इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस की बधाई दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं इस अवसर पर सभी सेवारत, सेवानिवृत सैनिकों और उनके परिजनों को नमन करता हूं। यह दिन हमारे वीर जवानों और पूर्व सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और समर्पण को पहचानने का अवसर है। हमारे सशस्त्र बल हमारे लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच हैं, जो हर परिस्थिति में हमें सुरक्षित करने के लिए तत्पर रहते हैं। हमारी सेना न केवल बाहरी आक्रमणों से बल्कि प्राकृतिक आपदा के समय भी हमारी सुरक्षा के लिए तैयार रहती हैं। उनका त्याग और अनुशासन प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे बहादुर सैनिकों के असाधारण साहस, वीरता, धैर्य और हमारे देश के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा के प्रति सच्ची कृतज्ञता व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से, मैं अपने सभी साथी नागरिकों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान देने की अपील करता हूं। ये स्वैच्छिक दान हमारे पूर्व सैनिकों, युद्ध के दिग्गजों और उन परिवारों के लिए एकजुटता और समर्थन का प्रतीक होगा, जिन्होंने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

भरोसा रखें, जब हम किसी का अच्छा कर रहे होते हैं, तब हमारे लिए भी कहीं कुछ अच्छा हो रहा होता है।

केसीआर विपक्षी नेता का कर्तव्य निभाने में पूरी तरह विफल रहे : सीएम रेवंत

सीएम ने मेडिकल कॉलेज और यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन का उद्घाटन किया

नलगोंडा, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि बीआरएस प्रमुख तेलंगाना में विपक्षी नेता का अपना कर्तव्य निभाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। शनिवार को नलगोंडा जिले में मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन और विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखने के बाद गंधमवारी गुडेम गांव में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने केसीआर के अपने कृषि फार्म हाउस तक ही सीमित रहने और विपक्षी नेता के अपने प्राथमिक कर्तव्य की उपेक्षा करने के रवैये की आलोचना की।

उन्होंने कहा, यह रवैया कि अगर हम चुनाव जीतते हैं, तो हम सत्ता का आनंद लेंगे और अगर हम हार जाते हैं, तो हम फार्म हाउस तक ही सीमित रहेंगे, सही नहीं है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बीआरएस शासन के दौरान कांग्रेस के विधायकों को छीन लिए जाने के बाद भी, कांग्रेस के नेता पीछे नहीं हटे और पिछली सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी। लेकिन, एक साल बाद भी, क्या आपने कभी विपक्षी नेता की भूमिका निभाई है? रेवंत रेड्डी ने केसीआर से सवाल किया। तेलंगाना आंदोलन में नलगोंडा की भूमिका अविस्मरणीय है। श्रीकांत चारी से शुरू होकर, नलगोंडा के कई लोग तेलंगाना आंदोलन में शहीद हो गए। लेकिन, बीआरएस सरकार के दस साल के कार्यकाल में नलगोंडा के लोगों के जीवन में कोई सुधार नहीं हुआ।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान नलगोंडा जिले की हर तरह से उपेक्षा की गई और फ्लोराइड की समस्या जस की तस बनी रही। रेवंत रेड्डी ने कहा, केसीआर के शासनकाल में अधिक नुकसान हुआ। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि वे नलगोंडा जिले में सभी सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए कोई भी राशि खर्च करेंगे। इसी क्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दमाराचार्ला में यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन पहुंचे। उन्होंने यदाद्री थर्मल स्टेशन की 800 मेगावाट यूनिट-2 को राष्ट्र को समर्पित किया। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क, विधान परिषद के सभापति गुट्टा सुखेंद्र रेड्डी, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, दामोदरा राजनरसिम्हा, तुम्मला नागेश्वर राव, सांसद रघुवीर रेड्डी और बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। नलगोंडा जिले को संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य के कार्यकाल से भी

दिल राजू तेलंगाना फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने फिल्म निर्माता दिल राजू को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। उन्हें तेलंगाना फिल्म विकास निगम (टीएफडीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दिल राजू दो साल तक इस पद पर बने रहेंगे। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। दिल राजू का मूल नाम वी. वेंकटरमण रेड्डी है। उनका गृहनगर निजामाबाद जिले के मोपल मंडल का नरसिंगपल्ली गांव है। वे मापले चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से सेवा कार्यक्रमों में शामिल हैं। दिल राजू ने 1990 में फिल्म 'पेली पंडिरी' से वितरक के रूप में अपना करियर शुरू किया और इंडस्ट्री में शीर्ष निर्माता के रूप में उभरे। वे श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस के बैनर तले फिल्में बनाते हैं। सबसे पहले उन्होंने 2003 में 'दिल' फिल्म बनाई थी। उस फिल्म की सफलता के बाद उनका नाम दिल राजू हो गया। इस अवसर पर दिल राजू ने शनिवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

अधिकतम राशि एकत्र करने के लिए हैदराबाद को ट्रॉफी

सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सैनिक कल्याण निदेशालय, हैदराबाद और राज्य के सभी दस क्षेत्रीय सैनिक कल्याण कार्यालयों में भूतपूर्व सैनिकों, उनके परिवारों और एनसीसी कैडेटों की मदद से सशस्त्र सेना झंडा दिवस (एएफएफडी) 2024 मनाया गया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष की स्थापना वर्ष 1949 में भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के पुनर्वास और पुनर्स्थापन को सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। तेलंगाना के राज्यपाल और सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष के अध्यक्ष जिष्णु देव वर्मा ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस का स्टीकर पहनकर और कोष में उदारतापूर्वक दान देकर सशस्त्र सेना झंडा दिवस का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने 2.5 लाख रुपये की अधिकतम राशि एकत्र करने के लिए हैदराबाद क्षेत्र को ट्रॉफी प्रदान की। श्रीनेश कुमार और कर्मचारियों ने ट्रॉफी प्राप्त की। 2.5 लाख रुपये एकत्र करने के लिए निजामाबाद कार्यालय को भी एक ट्रॉफी प्रदान की गई। निधि के लिए 4.7 लाख रुपये का दान दिया गया और इसे डी रमेश और आरएसडब्ल्यूओ निजामाबाद के कर्मचारियों ने प्राप्त किया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस स्टिकर स्वीकार किया और एएफएफडी फंड के लिए 1 लाख रुपये का दान दिया। शांति कुमारी, मुख्य सचिव और रवि गुप्ता विशेष मुख्य सचिव ने भी सशस्त्र सेना झंडा दिवस स्टिकर स्वीकार किए और एएफएफडी फंड के लिए उदारतापूर्वक दान दिया। एएफएफडी का आयोजन सोमाजीगुडा स्थित निदेशालय में उन सैनिकों की वीर नारियों को सम्मानित करके किया गया, जिन्होंने देश के लिए लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य के सभी वीरता पुरस्कार विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। कैप्टन श्रीनिवास, नरोत्तम रेड्डी और अन्य कर्मचारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। मेजर जनरल एन श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त), पूर्व जीओसी मुख्यालय टीएएसए और अनुराधा मुख्य अतिथि थे जिन्होंने सभी वीर नारियों और वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर बोलते हुए सैनिक कल्याण निदेशक कर्नल रमेश कुमार ने तेलंगाना सरकार के सभी कर्मचारियों को हर साल एएफएफडी फंड में उनके उदार स्वैच्छिक योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने डीडीजी एनसीसी और सभी ग्रुप और बटालियन कमांडरों और एनसीसी कैडेटों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के आयोजन में उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

सीएम ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में एक लाख रुपये दिए

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में 1 लाख रुपये का दान दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री से कर्नल पी. रमेश कुमार, सैनिक कल्याण निदेशक, क्षेत्रीय सैन्य कल्याण अधिकारी, हैदराबाद और रंगारेड्डी जिले श्रीनेश कुमार नोरी, लेखा अधिकारी ए नरोत्तम रेड्डी, प्लेसमेंट अधिकारी कैप्टन श्रीनिवास और अधीक्षक असलम ने मुलाकात की।

पूर्व तट रेलवे
नीलामी कैटलॉग नं.: WAT-ADVT-MA-007
(1) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-131760-3-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन लिंक नं. 22869/22870 विशाखापट्टनम-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-विशाखापट्टनम सुपर फास्ट साप्ताहिक एक्सप्रेस एवं 18503/18504 विशाखापट्टनम-साईनगर शिर्डी-विशाखापट्टनम साप्ताहिक एक्सप्रेस में 01 रेक के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।
(2) लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-129368-2-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन नं. 12861/12862 विशाखापट्टनम-महबूबनगर-विशाखापट्टनम सुपर फास्ट एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।
लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 18.12.2024 को 1100 बजे (दोनों क्रम सं. हेतु)।
लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 18.12.2024 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु)।
न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-779/P/24-25

पूर्व तट रेलवे
(1) सूचना सं.: eT-East-WAT-36-2024 दिनांक: 29.11.2024
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के नौपाड़ा-गुणुपुर लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/श्रीकाकुलम रोड सेक्शन के अधीन पारलाखेमुंडी-गुणुपुर के बीच 51.118 कि.मी. अर्थात् KM@ 46'46@ 051 से 90.169 KM लम्बाई के लिए 60 KG 90 UTS रेल द्वारा PSC-14 स्लीपर के नीचे बिछे मौजूदा 52 KG 90 UTS रेल का TRR (द्वितीयक)।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 4,47,02,503.39, EMD : ₹ 3,73,500/-
(2) सूचना सं.: eT-East-WAT-37-2024 दिनांक: 30.11.2024
कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन RV लाइन में कि.मी. 426/33 से कि.मी 465/35 तक डिस्टेम्पर, स्नोसेम एवं पेन्टिंग द्वारा सेवा भवन अदि का नियतकालिक रख-रखाव।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 55,15,653.69, EMD : ₹ 1,10,300/-
(3) सूचना सं.: eT-East-WAT-38-2024 दिनांक: 30.11.2024
कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन RV लाइन में कि.मी. 426/33 से कि.मी 465/35 तक डिस्टेम्पर, स्नोसेम एवं पेन्टिंग द्वारा स्टाफ क्वार्टरों का नियतकालिक रख-रखाव।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 31,00,706.19, EMD : ₹ 62,000/-
(4) सूचना सं.: eT-East-WAT-39-2024 दिनांक: 30.11.2024
कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन ट्रेन परिचालन की सुविधा एवं ट्रेन सुरक्षा में सुधार के लिए RV लाइन में टर्नआउट, पैकिंग इत्यादि को मजबूत करने से संबंधित विविध P WAY कार्य।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 68,90,795.31, EMD : ₹ 1,37,800/-
कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (क्रम सं. 1 के लिए) एवं 03 (तीन) महीने (क्रम सं. 2, 3 एवं 4 के लिए)।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 23.12.2024 को 1500 बजे (सभी निविदा के लिए)।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
ट्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-783/P/24-25

दक्षिण मध्य रेलवे में महत्वपूर्ण विभागों का नेतृत्व महिला अधिकारियों के हाथों में

एससीआर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में सबसे आगे : अरुण जैन

सुश्री के. पद्मजा

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे पर चार महत्वपूर्ण विभागों यानी वाणिज्यिक, परिचालन, सुरक्षा और चिकित्सा विभागों का नेतृत्व वर्तमान में महिला अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। सुश्री के. पद्मजा (आईआरटीएस) वर्तमान में एससीआर के दो प्रमुख विभागों को संभाल रही हैं, प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक के रूप में, वह महत्वपूर्ण वाणिज्यिक विभाग की प्रमुख हैं जो टिकटिंग, आरक्षण आदि सहित यात्री सेवाओं का प्रबंधन करता है, इसके अलावा सुश्री पद्मजा प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक के रूप में परिचालन विभाग की भी प्रमुख हैं, जो यात्री और मालगाड़ी संचालन, समय की पाबंदी आदि के कुशल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर (आईआरपीएफएस) एससीआर में महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (आईजी-सह-पीसीएससी) के रूप में सुरक्षा विभाग का नेतृत्व कर रही हैं, जबकि डॉ. निर्मला नरसिम्हन (आईआरएचएस) एससीआर में प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक के रूप में चिकित्सा विभाग का नेतृत्व कर रही हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे के इतिहास में पहली बार, जोन के इन चार महत्वपूर्ण विभागों का नेतृत्व सभी महिला अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। इन उच्च दबाव वाली भूमिकाओं में निहित चुनौतियों के बावजूद, ये महिला अधिकारी उत्कृष्टता का एक शक्तिशाली उदाहरण स्थापित करते हुए हर पहलू को अत्यंत कुशलता से संभाल रही हैं। सुश्री के. पद्मजा (आईआरटीएस-1991 बैच) ने जुलाई, 2024 में प्रिंसिपल चीफ कमर्शियल मैनेजर (पीसीसीएम), एससीआर के रूप में कार्यभार संभाला। वाणिज्यिक विभाग के प्रमुख के रूप में, वह ग्राहक संतुष्टि और राजस्व सृजन सुनिश्चित करते हुए यात्री और माल ढुलाई सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन की देखरेख करती हैं। चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में नवंबर, 2024 के अंत तक, एससीआर ने 175 मिलियन यात्रियों को ढोया है, जिससे 3,817 करोड़ रुपये का यात्री राजस्व प्राप्त हुआ है।

सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर

कुल मिलाकर, चालू वित्तीय वर्ष (नवंबर तक) के लिए सकल मूल राजस्व 13,231 करोड़ रुपये है। सुश्री के. पद्मजा अक्टूबर, 2024 से एससीआर की प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रही हैं। चालू वित्त वर्ष (2024-25) के दौरान नवंबर तक, जोन ने 89.76 मिलियन टन माल लदान हासिल किया है, जिससे 8,776 करोड़ रुपये का माल राजस्व अर्जित हुआ है। सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर (आईआरपीएफएस- 1993 बैच) ने जुलाई, 2023 में महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (आईजी-सह-पीसीएससी), एससीआर के रूप में पदभार ग्रहण किया।

वह जोन के रेलवे सुरक्षा बल की प्रमुख हैं, जो मुख्य रूप से रेल यात्रियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। सुश्री अरोमा सिंह के नेतृत्व में, आरपीएफ 'शक्ति' टीम को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह, 2024 के हिस्से के रूप में "महिला सुरक्षा श्रेणी" के तहत तेलंगाना सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने यात्रियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के लिए पूरे जोन में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन यात्री सुरक्षा, ऑपरेशन अमानत, ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते, ऑपरेशन सतर्क आदि जैसे विभिन्न पहलों को शुरू करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. निर्मला नरसिम्हन (आईआरएचएस- 1989 बैच) ने दिसंबर, 2024 में प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया है। चिकित्सा विभाग की प्रभारी के रूप में वह कर्मचारियों, उनके परिवारों और यात्रियों को आपात स्थिति में सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

एससीआर ज़ोन में कुल 8 बड़े अस्पताल हैं, जिनमें लालगुडा में 380 बिस्तरों वाला एक केंद्रीय रेलवे अस्पताल, विजयवाड़ा, गुंटकल, नांदेड़ और गुंटूर में मंडल अस्पताल, तिरुपति, रायनपाडु और पूर्णा में उप-मंडल अस्पताल शामिल हैं। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने अपनी खुशी व्यक्त की कि पहली बार, जोन के चार विभागों का नेतृत्व गतिशील महिला अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह इन अधिकारियों की दक्षता और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती ताकत का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे महिलाओं की भागीदारी को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न पहल करके महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में सबसे आगे रहा है।

डॉक्टर निर्मला नरसिम्हन

नियमों के अनुसार किसानों को बछिया वितरित की गई : कोंडा सुरेखा

सरकार झूठा प्रचार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वानिकी, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ कार्य विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है कि वेमुलावाड़ा राजराजेश्वर स्वामी देवस्थानम में अवैध रूप से बछिया बेची गईं।

मंत्री सुरेखा ने सरकार के खिलाफ साजिश फैलाई जा रही झूठी खबरों की निंदा की है। मंत्री सुरेखा ने याद दिलाया कि पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान वेमुलावाड़ा राजराजेश्वर स्वामी देवस्थानम को भक्तों द्वारा चढ़ाए जाने वाली बछियों की संख्या बढ़ रही थी और बछड़ियों का प्रबंधन बोझ बन गया था और कई बछिया मर गईं थी। इस संदर्भ में, मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि छह महीने पहले, मई में सिरिसिल्ला जिला कलेक्टर के अध्यक्ष के रूप में वेमुलावाड़ा मंदिर के ईओ संयोजक और कई अन्य सदस्यों के रूप में समिति ने प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए दिशानिर्देश बनाए थे।

ऑनलाइन धोखेबाजों से पैसे वसूलने में पुलिस ने की मदद

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के दो पीड़ितों को उनकी 35 लाख रुपये की रकम वापस दिलाने में मदद की। पहले मामले में, 76 वर्षीय एक वरिष्ठ नागरिक को साइबर जालसाजों ने डिजिटल गिरफ़्तारी में डाल दिया, जिन्होंने उन्हें धमकाया और विभिन्न बैंक खातों में 84 लाख रुपये ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया। शिकायत पर, साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज किया और तुरंत उन बैंकों से संपर्क किया, जहां खाते खोले गए थे और संचालित किए जा रहे थे।

बैंक अधिकारियों ने कुछ बैंक खातों को फ्रीज कर दिया और 34 लाख रुपये की राशि रोक ली। अधिकारियों ने पीड़ित को अदालती प्रक्रिया में आगे मदद की और आखिरकार पीड़ित को 34 लाख रुपये वापस मिल गए। दूसरे मामले में पुलिस ने जालसाजों के चंगुल में फंसी 28 वर्षीय महिला को एक लाख रुपये वापस दिलाने में मदद की। गिरफ्तारी की धमकी मिलने पर पीड़िता ने जालसाजों द्वारा बताए गए खातों में एक लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में जब उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है तो उसने पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद बैंक अधिकारियों से संपर्क कर उसके बैंक खाते में पैसे वापस करवाए गए।

आदिवासियों के लिए जैविक सीताफल, बांस पुनरुद्धार परियोजनाओं का प्रस्ताव

आदिलाबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय आदिवासी समुदायों को आजीविका प्रदान करने के लिए वन विभाग ने दो परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव तैयार किए हैं। जिले के दो अलग-अलग स्थानों पर सीताफल या कस्टर्ड सेब (जीनस एनोना) के पेड़ लगाने और बांस के पुनरुद्धार का काम जल्द ही शुरू किया जाएगा। जिला वन अधिकारी (डीएफओ) प्रशांत बी पाटिल ने को बताया कि राज गोंड और थोट्टी लोगों को आजीविका प्रदान करने के उद्देश्य से इकोडा मंडल में 200 हेक्टेयर में शरीफा के पौधे लगाए जाएंगे, जो जंगलों में फलों को इकट्ठा करने पर निर्भर हैं।

इस पर करीब 2 करोड़ रुपये खर्च होंगे। परियोजना के तहत एक नर्सरी और खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को कस्टर्ड सेब से बने विभिन्न व्यंजन जैसे आइसक्रीम, पुडिंग, मिठाई आदि तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाभार्थी आदिलाबाद वन जैविक सीताफल नामक अपनी तरह के पहले बागान में खाद्य पदार्थ बनाकर और फल इकट्ठा करके आजीविका पा सकेंगे।

इसी तरह, वन विभाग बांस पुनरुद्धार परियोजना नामक एक अन्य पहल पर विचार कर रहा है, जिसके तहत बेला और जैनथ मंडल के बीच सथनाला ब्लॉक में 200 हेक्टेयर में बांस के पौधे उगाए जाएंगे, जिसकी अनुमानित लागत 3 करोड़ रुपये होगी। वन अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय आदिवासियों को बांस का उपयोग करके कई तरह के उत्पाद बनाने और विपणन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, लाभार्थियों को बांस से बनी टोकरियां, बैग, चटाई, सजावटी सामान, यौगिक और अन्य पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। विभाग बांस के पौधे लगाने और परियोजना के रखरखाव दोनों का काम संभालेगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह, कोलम के लिए आजीविका का सृजन करना था, जो कई दशकों से पारंपरिक रूप से इस व्यवसाय पर निर्भर हैं। डीएफओ ने कहा कि परियोजनाओं को शुरू करने, लागत और स्वदेशी आदिवासी समुदायों को दी जाने वाली आजीविका के दायरे पर उच्च अधिकारियों के साथ चर्चा पहले ही हो चुकी है।

जीडीमेटला ट्रैफिक पुलिस ने महिला की मदद की

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 6 दिसंबर, 2024 को सुबह 8.30 बजे आईडीपीएल जंक्शन पर एक दुर्घटना हुई, जब 60 वर्षीय संपत राव की पत्नी अडागुट्टा चंद्रकला सड़क पार कर रही थीं। टीजी आरटीसी बस ने लापरवाही से पीड़िता को टक्कर मार दी। हालांकि, सहानुभूतिपूर्ण तरीके से साइबराबाद के जीडीमेटला ट्रैफिक पुलिस निरीक्षक बी. श्रीनिवास और हनुमैया ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कुछ बुनियादी प्राथमिक उपचार किया, जिसके परिणामस्वरूप पीड़िता के पैर से रक्त प्रवाह नियंत्रित हो गया और उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उनकी त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा की क्योंकि इससे मरीज को और अधिक रक्त की हानि से बचाया गया। सीआई, जीडीमेटला ट्रैफिक और हेड कांस्टेबल हनुमैया की इस समय पर की गई प्रतिक्रिया की पीड़िता के परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने प्रशंसा की है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, LAKSHMI AMMA, M/o: SUB SUMESH KUMAR M , Resident of JUBILI NAGAR, NEAR LMSHS SCHOOL, KANAKKODU, VATTAPPARA(PART), THIRUVANANTHAPURAM, KERALA – 695028 , have changed my name from LAKSHMI AMMA to LEKSHMI AMMA vide Affidavit dt.07-12-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हार्दिक श्रद्धांजलि
स्व. श्री सुरेशजी सैणचा
पूर्व सचिव - श्री आईमाता बडेर गजवेल
आकस्मिक स्वर्गवास: 5 दिसम्बर 2024 (मरुधर में गरनिया)
पल भर मे छोड़ गये दुनिया हम देखते ही रह गये।
कब, क्यों और कैसे हुआ, हम सोचते ही रह गये।।
P.Solankey
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : जगदीश-सुशीला काग, फ्रूटी, दीपिका, विनोद काग, मोतीलाल, उमाराम, कालूराम, मांगीलाल, हेमंत, राजू, प्रकाश, सोहन, राकेश, ललित एवं समस्त काग परिवार
: फर्म : जगदीश काग - गणेश ज्वैलर्स, राजेन्द्रनगर राजलक्ष्मी ज्वैलर्स, बोडुप्पल पुखाराम परिहारिया - लक्ष्मी ज्वैलर्स, मोहिनाबाद

मौसम का मिजाज बदलेगा तापमान में 2.5 डिग्री तक गिरावट की संभावना

लखनऊ, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आज से मौसम का मिजाज बदल सकता है और तापमान में गिरावट आ सकती है। मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि रविवार और सोमवार को हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है और तापमान में करीब 2.5 डिग्री की गिरावट हो सकती है।

मौसम का असर लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में

मौसम विभाग के अनुसार, 8 दिसंबर को लखनऊ में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है, जिससे ठंडक का अहसास और बढ़ेगा। यह बारिश मुख्य रूप से लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में हो सकती है। साथ ही, तापमान में गिरावट के कारण लोग ठंड को महसूस करेंगे। अतुल सिंह ने बताया कि सोमवार को मौसम में कुछ और बदलाव आएगा और तापमान 2 से 2.5 डिग्री तक गिर सकता है। लखनऊ में शुक्रवार से लेकर रविवार तक धुंध और हल्की बारिश का अनुमान है। लखनऊ के लोगों को इस दौरान अपने शरीर को ठंड से बचाने के लिए गर्म कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

ठंड की शुरुआत और मौसम की परिस्थितियां

लखनऊ में एक लंबे समय से सर्दी का असर शुरू नहीं हुआ था, लेकिन अब धीरे-धीरे ठंडक बढ़ने लगी है। शीतलहर का असर लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में ठंड में वृद्धि होगी और दिसंबर के अंत तक सर्दी बढ़ सकती है। सर्दी का असर सिर्फ लखनऊ पर ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में महसूस होने की संभावना है। वेस्ट यूपी, मध्य यूपी और पूर्वी यूपी में भी तापमान गिरने की संभावना जताई जा रही है।

लखनऊ में बदलाव का असर

लखनऊ में इस मौसम के बदलाव से जहां एक ओर ठंड बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर बारिश का असर भी रहेगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बारिश किसानों के लिए फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि खेतों में नमी बनी रहेगी, जो आगामी फसलों के लिए लाभकारी हो सकता है। लखनऊ में आमतौर पर सर्दी का मौसम नवंबर के मध्य से शुरू होता है, लेकिन इस बार समय से पहले ही ठंड की शुरुआत हो रही है। इस मौसम में लोग गर्म कपड़े और हीटर का उपयोग करने लगे हैं, और सड़कों पर भी ज्यादा ठंड के कारण लोग कम दिखाई दे रहे हैं।

मौसम विभाग की चेतावनी

मौसम विभाग ने लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग का कहना है कि रविवार और सोमवार को हल्की बारिश की संभावना के कारण सड़कों पर पानी जमा हो सकता है और यात्रा में रुकावट आ सकती है। मौसम विभाग ने कहा है कि वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और बारिश के दौरान तेज गति से गाड़ी न चलाएं।

समग्र मौसम बदलाव

इस सप्ताहांत लखनऊ के मौसम में विशेष बदलाव होने की संभावना है। तापमान में गिरावट के कारण कई क्षेत्रों में सर्दी का असर बढ़ सकता है। अतुल सिंह ने कहा कि अगले दो से तीन दिन लखनऊ में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल सकता है और ठंड बढ़ सकती है। इस समय मौसम में बदलाव आने से लखनऊ वासियों को राहत महसूस हो सकती है।

रेलवे में नौकरी दिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 6 आरोपी गिरफ्तार

मोतिहारी, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पांच राज्यों में रेलवे टिकट निरीक्षक व रेलवे सुरक्षा बल में दारोगा व सिपाही के पद पर फर्जी तरीके से नौकरी दिलाने वाले गिरोह के एक शातिर सदस्य को मोतिहारी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भटहां स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सन्नी कुमार के पास से एक पिस्टल, दो मैगजीन, 14 कारतूस, एक लैपटॉप, एक कैमरे के अलावा आरपीएफ की वर्दी, नौकरी से संबंधित फर्जी प्रमाण-पत्र व कागजात भी बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि सन्नी कुमार बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड व हरियाणा में रेलवे में नौकरी दिलाने का काम करने वाले गिरोह का सक्रिय सदस्य है। पूछताछ के दौरान सन्नी ने बताया है कि गांव में ही कार्यालय खोलकर फर्जी तरीके से नौकरी देने का काम करता था। इस गिरोह में पूर्वी चंपारण जिले के कई सदस्य शामिल हैं। इससे पहले डुमरियाघाट व कोटवा थानाक्षेत्र से दो लोग गिरफ्तार किए गए हैं। इन दोनों को सोनपुर रेल थाना की पुलिस अपने साथ ले गई है। सन्नी ने बताया कि बेरोजगार युवकों को नौकरी का झांसा देकर फर्जी दस्तखत व मुहर लगाकर प्रमाण-पत्र देकर योगदान कराते थे। इसके बदले संबंधित से पैसा लेते थे। दीपक तिवारी पर छपरा में भी रेल थाना , सोनपुर में रेल थाना के अलावे अन्य कई राज्यों में भी केस दर्ज हैं। वहीं घोड़ासहन थाना दीघा गांव निवासी पप्पू सिंह की खोज की जा रही है। छापेमारी टीम में सदर-टू के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जितेश कुमार पांडेय, थानाध्यक्ष मनीष कुमार, अपर थानाध्यक्ष शशिभूषण प्रसाद, सोनपुर रेल थाना के प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, दारोगा अजीत कुमार व जवान शामिल थे।

बिहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पटना के बेऊर जेल में छापेमारी, आपत्तिजनक सामान बरामद

पटना, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदेश के सबसे बड़े जेल आदर्श बेऊर जेल में छापेमारी की। पुलिस के इस छापेमारी से जेल प्रशासन और कैदियों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने देर रात बेऊर जेल के कई वार्डों में छापेमारी की और तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस को जेल से कई आपत्तिजनक चिजें बरामद हुईं। अब पुलिस इस जांच में जुटी है कि आखिर कैदियों के पास ये सामान पहुंचा कैसे?

दरअसल, रात अचानक बिहार पुलिस ने बेऊर जेल के कई वार्डों में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस को कई वार्डों में रजाई के नीचे से चार्जर मिले हैं। साथ ही कई और समान मिले हैं, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि जेल के अंदर ये सभी सामान आ कहां से रहे हैं। साथ ही जेल के अंदर मोबाइल का उपयोग कौन कर रहा है और कैदियों को फोन कौन उपलब्ध करा रहा है। इन सभी मुद्दों पर पुलिस जांच कर रही है। बता दें बीते कुछ दिनों में कई घटनाओं में बेऊर जेल में बंद कैदी के शामिल होने की बात सामने आती रही है। ऐसे में पुलिस की तरफ लगातार कुछ दिनों के अंतराल पर जेल में छापेमारी की जाती है।

अभी और तेज होगा जांच अभियान

बता दें, जेल प्रशासन ने कैदियों की सुरक्षा और उनके गतिविधियों पर नजर रखने के लिए यह बड़ी कार्रवाई की है। सूत्रों के अनुसार, जेल प्रशासन ने इस छापेमारी अभियान को और भी तेज करने का फैसला किया है। इस तरह का छापेमारी अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा। कैदियों की गतिविधियों पर नियंत्रण लगाने के लिए पुलिस लगातार इस तरह की कार्रवाई कर रही है।

12वीं पास महिला ने स्नैपचैट एप से की दोस्ती, प्रेमी संग हुई फरार; सात महीने से पुलिस बनी थी चकरघिन्नी

बिजनौर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। एक इंटरमीडिएट पास महिला ने इंटरनेट की दुनिया में खाकी का ऐसा उलझाया कि सात महीने तक उसकी खोज में खाक छानती रही। स्नैपचैट से परतापुर के युवक से दोस्ती की और प्रेम हो गया। चार साल के बेटे को छोड़कर फुर्र हो गई। पुलिस ने सात महीने बाद उसे परतापुर से बरामद कर लिया। जांच में सामने आया है कि महिला ने स्नैपचैट एप का इस्तेमाल किया था, जबकि पुलिस कॉल डिटेल, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स खंगालती रही। शहर कोतवाली के निजामतपुरा निवासी महिला 16 मई को हल्दौर गई थी, लेकिन वहां से रहस्यमय तरीके से लापता हो गई।

खान सर हिरासत में लिए गए या नहीं?

पटना पुलिस के ताजा बयान से जानिए असली बात

पटना, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। 06 दिसंबर की देर शाम जिस तरह से मशहूर कोचिंग संचालक खान सर पुलिस के साथ देखे गए। उसके बाद ये बताया गया कि खान सर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। खान सर के हिरासत में लिए जाने की बात धीरे-धीरे गिरफ्तारी की चर्चा में बदल गई। इसके बाद 07 दिसंबर को पटना पुलिस ने एक बड़ा बयान जारी किया। इस बयान में कई बातें कही गईं।

खान सर हिरासत में लिए गए या नहीं?

पटना जिला प्रशासन के मीडिया ग्रुप में एक मैसेज दिया गया। इस मैसेज में लिखा गया कि 'आज दिनांक 07.12.24 की सुबह सोशल मीडिया साइट ट्विटर एक्स पर खान ग्लोबल स्टडीज नाम के एक हैंडल से एक तथ्यहीन, भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट किया गया है जिसमें खान सर की रिहाई की मांग की जा रही है। पटना पुलिस द्वारा खान सर को गिरफ्तार नहीं किया गया है। उक्त पोस्ट में कहीं गई बातें तथ्यहीन और भड़काऊ हैं।'

पटना पुलिस ने दी असल जानकारी

कल दिनांक 06.12.24 को बीपीएससी अभ्यर्थियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा था। इसी क्रम में कोचिंग संचालक खान सर द्वारा स्वयं गर्दनीबाग थाना आकर वहां उपस्थित मजिस्ट्रेट से मिले, और छात्रों को समझने का आश्वासन दिया, तत्पश्चात उनके आग्रह पर की उन्हें उनकी गाड़ी तक सुरक्षित छोड़ दिया जाये उसके लिए इन्हें पुलिस वाहन से अटल पथ के पास सुरक्षित इनकी गाड़ी के पास छोड़ दिया गया। पटना पुलिस उनकी गिरफ्तारी की खबरों का खंडन करती है।' इसी को पटना पुलिस के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से एक्स पर पोस्ट भी किया गया। नीचे आप वो पोस्ट देख सकते हैं। इसमें सचिवालय एसडीपीओ अनु कुमारी ने पुलिस की तरफ से जानकारी दी है।

अफवाह फैलाने वालों को पटना पुलिस की चेतावनी

इसके बाद इस मैसेज में लिखा गया कि 'सोशल मीडिया पर अभ्यर्थियों को भड़काने हेतु भड़काऊ,तथ्यहीन,एवं हिंसा की स्थिति उत्पन्न करने वाले सोशल मीडिया हैंडलर्स के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।'

महाकुंभ के निमंत्रण पत्र बंटने शुरू

केशव मौर्य ने तेलंगाना के सीएम को दिया न्योता

प्रयागराज, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। कुंभ मेले में बहुत ज्यादा समय नहीं बचा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन होना है। इस आयोजन को लेकर जोरों-शोरों से तैयारियां चल रही हैं। प्रयागराज महाकुंभ के निमंत्रण पत्र बांटने का सिलसिला शुरू हो चुका है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने तेलंगाना पहुंचकर मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी और राज्यपाल को निमंत्रण पत्र दिया। हैदराबाद स्थित राजभवन में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से भेंट कर केशव प्रसाद मार्य ने निमंत्रण दिया। इसके साथ ही हैदराबाद में ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी से भेंट कर महाकुम्भ मेले के आयोजन में सम्मिलित होने का आमंत्रण दिया। डिप्टी सीएम मौर्य ने तेलंगाना राज्य के लोगों से भी महाकुंभ में आने की अपील की है।

कई विपक्षी राज्यों के सीएम को दिया जा रहा न्योता

प्रयागराज महाकुंभ में गैर बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी निमंत्रण दिया जा रहा है। सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों को आमंत्रण पत्र देने के लिए यूपी के मंत्रियों को भेजा जा रहा है, इसी के तहत डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पहुंचकर निमंत्रण पत्र देने शुरू कर दिए हैं।

महाकुंभ को लेकर खुला खजाना

महाकुंभ 2025 के लिए केंद्र सरकार ने 2100 करोड़ का अनुदान स्वीकृत किया है। इसकी पहली किस्त 1050 करोड़ भी जारी कर दी है। प्रदेश सरकार 5435.68 करोड़ महाकुंभ के आयोजन पर खर्च कर रही है। यह राशि 421 परियोजनाओं पर खर्च की जा रही है। यूपी सरकार अब तक 3461.99 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति जारी कर चुकी है। इससे महाकुंभ का आयोजन और दिव्य व भव्य तरीके से होगा। इस बार के महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता और सभी आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, हाल ही में सरकार ने इसे प्रदेश का 76वां जिला घोषित किया है, जिसे महाकुंभ मेला जनपद के नाम से जाना जाएगा।

संभल पुलिस की तारीफ करने पर पत्नी को तीन तलाक, काफिर कह घर से निकाला

मुरादाबाद, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में हुए संभल हिंसा में पुलिस की तारीफ करना एक महिला को भारी पड़ गया और उसके पति ने उसे तीन तलाक दे दिया। इस मामले में पीड़िता ने एसएसपी से कार्रवाई के लिए गुहार लगाई है। इसके साथ ही, पीड़िता ने अपने पति और ससुरालवालों पर अन्य गंभीर आरोप भी लगाए हैं। एसएसपी ने महिला थाना की एसएचओ को जांच के आदेश दिए हैं।

दरअसल, कटघर थाना क्षेत्र निवासी महिला के तीन बच्चे हैं और पहले पति की मौत हो चुकी है। पति की मौत के बाद साल 2021 में वह कटघर के ही लाजपत नगर निवासी युवक के संपर्क में आई थी। महिला ने आरोप लगाया कि युवक ने महिला को शादी का झांसा दिया और दुष्कर्म किया। बाद में पुलिस की कार्रवाई के डर से युवक ने महिला से निकाह कर लिया।

दंगा भड़काने, बंधक बनाने जैसे आरोप कोर्ट ने किए तय आरएलडी विधायक मिथलेश कुमार की बढ़ी मुश्किलें

मुजफ्फरनगर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में आरएलडी की से चुनी गईं विधायक मिथलेश पाल और उनके साथ 14 अन्य विधायक एमपी/एमएलए अदालत में पेश हुए। उनके खिलाफ ट्रैफिक को जाम करने को लेकर कई आरोप लगाए गए। आरोप में कहा गया कि विरोध प्रदर्शन के कारण भयंकर ट्रैफिक जाम हो गया। रोड को ब्लॉक की स्थिति बन गई। लोगों को आने-जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। स्पेशल जज देवेंद्र सिंह फौजदार ने इस मामले में विधायक मिथलेश पाल और 14 अन्य विधायकों पर आईपीसी की धाराओं के तहत दंगा भड़काने, गलत तरीके से बंधक बनाने जैसे आरोप तय किए हैं। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 3 जनवरी, 2025 की तारीख तय की गई है।

सड़क को किया था जाम

मिथलेश पाल के वकील किरणपाल ने इस मामले के बारे में बताया कि विधायक समेत 15 लोगों के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में 25 फरवरी 2019 को केस दर्ज किया गया था। आरोपी के वकील के मुताबिक, विधायक और अन्य ने धनगर जाति को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने की मांग को लेकर महावीर चौक के पास धरना दिया था और सड़क को जाम कर दिया था। पाल हाल ही में मीरापुर विधानसभा उपचुनाव में रालोद विधायक चुनी गई हैं। मीरापुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आए थे। मिथलेश पाल जानसठ रोड के पास भरतिया कॉलोनी की रहने वाली हैं। उन्होंने 2012 में भी मीरापुर सीट से रालोद के टिकट पर चुनाव लड़ा था। 2012 के चुनावों में वो दूसरे नंबर पर रही थीं। उन्हें बसपा के जमील अहमद कासमी ने चुनाव हराया था। एक बार फिर उन्होंने 2017 में मीरापुर सीट से चुनाव लड़ने का फैसला लिया। इस बार भी वो चुनाव नहीं जीतीं और तीसरे स्थान पर रहीं थीं। 2017 के चुनाव में उन्हें बीजेपी के अवतार सिंह भड़ाना ने हराया था। अब मीरापुर सीट से चुनाव जीतने के बाद वो एमपी/एमएलए कोर्ट पहुंची। उनपर दंगा भड़काने, बंधक बनाने वाली आईपीसी की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

बोरा लाद ट्रेन में चढ़ीं महिलाएं शॉल से ढंका था चेहरा

आरपीएफ बोली- दिखाओ, खोलते ही हुए 'बेहोश'

लखनऊ, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां दो महिलाएं बोरा लादकर ट्रेन के दिव्यांग कोच में चढ़ गईं। ठंड की वजह से शॉल ओढ़ रखा था, लेकिन मुंह ढ़ंककर बैठ गईं। इसके बाद बोरा समेट कर अपने पास ही रखकर बैठी रहीं। ट्रेन में आरपीएफ (रेलवे पुलिस फोर्स) की टीम घूम रही थी। उन्हें महिलाओं की हरकत देखकर शक हुआ। तो टीम ने कहा दिखाओ बोरे में क्या है। चेकिंग के लिए बोरा खोला तो टीम के होश उड़ गए। उसमें एक दो नहीं बल्कि 22 पैकेट में चरस भरी हुई रखी थी। जिसकी कीमत बाजार में 5.5 करोड़ रुपए है। दोनों महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। लखनऊ के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और रेलवे पुलिस फोर्स (आरपीएफ) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 किलोग्राम चरस बरामद की है। इस चरस की कीमत लगभग 5.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

आरपीएफ और एनसीबी की संयुक्त टीम ने गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन से दो महिलाओं को पकड़ा, जो 22 पैकेट में चरस ले जा रही थीं। इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) और आरपीएफ क्राइम ब्रांच की टीम ने अवध एक्सप्रेस में चेकिंग की। दो महिला तस्करों के पास से 22 पैकेट बरामद हुए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक एनसीबी की टीम को सूचना मिली थी कि ट्रेन संख्या 19038 अवध एक्सप्रेस में महिला तस्कर सवार हैं। इसके बाद टीम ने संदिग्ध महिलाओं की तलाश शुरू की। ट्रेन रात 11:10 बजे बुढ़वल स्टेशन पहुंची। यहां दिव्यांगजन कोच के पास महिलाओं कोच में तलाशी ली गई। एनसीबी की टीम ने लखनऊ के गोमती नगर स्टेशन पर गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात 12:38 बजे कार्रवाई की।

अब जौनपुर की अटाला मस्जिद पर विवाद हाई कोर्ट पहुंचा मामला, भड़के ओवैसी

जौनपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में मंदिर-मस्जिद विवाद का मामले थमने का नाम नहीं ले रहा है। संभल के बाद अब जौनपुर जिले की मशहूर अटाला मस्जिद में मंदिर होने का दावा किया गया है। अटाला मस्जिद में मंदिर होने का दावा करते हुए स्वराज वाहिनी एसोसिएशन ने जौनपुर कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। याचिका में वहां पर पूजा का अधिकार दिए जाने की मांग की गई है। अटाला मस्जिद प्रशासन की तरफ से अब इस मामले के खिलाफ इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है। अब हाई कोर्ट को तय करना है कि जौनपुर की अदालत में मुकदमें की सुनवाई हो सकती है या नहीं। मामले की सुनवाई सोमवार यानी 9 दिसंबर को होगी। एसोसिएशन और एक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा दायर याचिका में यह दावा किया गया है कि अटाला मस्जिद पहले 'अटाला देवी मंदिर' थी। इसलिए सनातन धर्म के अनुयायियों को उसमें पूजा करने का अधिकार है। वे मुकदमे की संपत्ति पर कब्जे के लिए प्रार्थना करते हैं। साथ ही प्रतिवादियों और अन्य गैर-हिंदुओं को संबंधित संपत्ति में प्रवेश करने से रोकने के लिए आदेश देने की मांग करते हैं। इसी साल अगस्त में जौनपुर की कोर्ट ने आदेश जारी कर मुकदमें की पोषणीयता को मंजूरी दी थी। साथ ही जज ने कहा था कि उनके यहां यह मुकदमा चलने योग्य है। 29 मई को कोर्ट ने मुकदमें को रजिस्टर्ड कर सुनवाई

शुरू करने का आदेश दिया था। वक्फ अटाला मस्जिद जौनपुर की तरफ से हाई कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में कहा गया है याचिकाकर्ता स्वराज वाहिनी एसोसिएशन की याचिका में दोष है। क्योंकि वादी सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत एक सोसायटी, एक न्यायिक व्यक्ति नहीं है। इसमें आगे कहा गया है कि ट्रायल कोर्ट को इन आधारों पर शिकायत खारिज कर देनी चाहिए थी। लोकल कोर्ट ने मुकदमे के पंजीकरण का निर्देश देने में गलती की। वक्फ अटाला मस्जिद का यह भी तर्क है कि विचाराधीन संपत्ति को एक मस्जिद के रूप में पंजीकृत किया गया है और 1398 में इसके निर्माण के बाद से इसका लगातार उपयोग किया जा रहा है और मुस्लिम समुदाय जुमा की नमाज सहित नियमित प्रार्थना करता है। इसके अलावा, यह तर्क दिया गया है कि यहां तक कि वक्फ बोर्ड को भी वाद में एक पक्ष नहीं बनाया गया। इस मामले पर असदुद्दीन ओवैसी ने ट्वीट कर कहा कि भारत के लोगों को इतिहास के उन झगड़ों में धकेला जा रहा है

5 साल पहले के जख्म का क्या सांप ले रहा बदला? लड़की को 11 बार डसा; अस्पताल में भी नहीं छोड़ा

महोबा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के महोबा से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 19 वर्षीय लड़की को पांच सालों से काला सांप पीछा नहीं छोड़ रहा है। वह लड़की को 11 बार डस चुका है। इस बार फिर से सांप ने लड़की को अपना शिकार बनाया है। लड़की को गंभीर हालात में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर भी इस घटना से हैरानी में हैं। आए दिन लड़की के साथ घट रहीं इन घटनाओं से परिजन दहशत में हैं। लड़की को गंभीर हालात में झांसी के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पीड़ित लड़की के परिजनों का कहना है कि बेटी को सांप में प्रकोप से बचाने के लिए उन्होंने उसे तांत्रिक व ओझाओं को भी दिखाया। उनके कहने पर भगवान शिव का अभिषेक और गांव में भंडारा भी करवाया। लेकिन सांप उनकी बेटी का पीछा नहीं छोड़ रहा है। परिजनों के मुताबिक, उनकी बेटी को पहली बार 2019 में काले सांप ने डसा था, तब से आज तक वह सांप उनकी बेटी के पीछे पड़ा हुआ है।

11 बार डस चुका है काला सांप

मामला जिले के तहसील चरखारी के पंचमपुरा गांव की है। यहां के रहने वाले दलपत ने बताया कि उनकी बेटी रोशनी को काला सांप लगातार डस रहा है। वह उसे अब तक 11 बार डस चुका है। उन्होंने बताया कि साल 2019 में उनकी बेटी अपने खेत में

मौजूद थी। उसी वक्त अचानक उसका पैर एक काले सांप पर पड़ गया। सांप ने रोशनी को काट लिया। उसे इलाज के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने रोशनी को बचा लिया। उसके बाद काला सांप उनकी बेटी के पीछे पड़ गया और आए दिन उसे डसने लगा।

रिश्तेदारों के घर भी नहीं छोड़ा

पिता दलपत ने बताया कि काला सांप उनकी बेटी को कभी भी और कहीं भी डस लेता है। कई बार जब रोशनी अपने रिश्तेदारों के यहां गई तब भी सांप ने उसे नहीं छोड़ा और अपना शिकार बनाया। रोशनी को हर बार सांप के डसने के बाद उसे इलाज के जरिए बचा लिया गया। इस बार फिर से सांप ने उसे डस लिया। इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल लेकर आए, यहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि काला सांप अब तक उनकी बेटी को 11 बार डस चुका है।

टॉयलेट में फ्लश न दबाने पर 'खूनी खेल', 3 लोगों पर टूट पड़ा पड़ोसी परिवार

गोविंदपुरी, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के गोविंदपुरी में कंबाइंड टॉयलेट की सफाई को लेकर पड़ोसी आपस में झगड़ गए। देर रात हुए विवाद में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। दो लोगों के घायल होने की भी खबर है। मौके पर पहुंची पुलिस ने हमलावर पड़ोसी परिवार को हिरासत में लिया है। आरोपी परिवार ने चाकू से हमला किया था। क्राइम टीम ने घटनास्थल का दौरा किया है। थाना गोविंदपुरी में हत्या का मामला दर्ज किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, मृतक और आरोपी आपस में पड़ोसी हैं। वह एक ही बिल्डिंग की पहली मंजिल पर किराएदार हैं। उनका साझा टॉयलेट है। इसी की सफाई को लेकर वह आपस में झगड़ गए। आरोपी परिवार ने एकजुट होकर उनपर हमला कर दिया।

केरल में लगा महंगी बिजली का झटका

कांग्रेस तिलमिलाई, कहा- अदाणी को लाभ पहुंचाने के लिए पिनरई सरकार ने बढ़ाया बिल

तिरुवनंतपुरम, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बढ़ती महंगाई के बीच केरल के लोगों को बिजली का झटका लगा है। दरअसल, राज्य सरकार ने वित्तवर्ष 2024-25 के लिए बिजली दरों में 16 पैसे प्रति यूनिट बढ़ाने का एलान किया। यहां तक कि नई दरें पांच दिसंबर से लागू भी हो गई हैं। ऐसे में अब कांग्रेस ने पिनरई सरकार पर अदाणी को लाभ देने का आरोप लगाया है।

रमेश चेन्नियला ने लगाया आरोप

वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्नियला ने केरल सरकार पर आरोप लगाया कि वह राज्य में बिजली खरीद प्रणाली में अदाणी को शामिल करके 'बंदरगाह से ऊर्जा तक कारोबार करने वाली कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए' बिजली की दरें बढ़ा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2016 में यूडीएफ प्रशासन के दौरान पांच रुपये प्रति यूनिट से कम दरों पर बिजली खरीदने के लिए हस्ताक्षरित दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते को एलडीएफ शासन के दौरान रद्द कर दिया गया था ताकि इस प्रणाली में अदाणी आसानी से प्रवेश कर सके।

अदाणी को इससे सबसे ज्यादा फायदा हुआ

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार के इस कदम से स्पष्ट होता है कि उसकी बिजली उत्पादक कंपनियों खासकर अदाणी के साथ मिलीभगत है। उन्होंने कहा, 'अदाणी को इस कदम से सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य अदाणी को केरल में बिजली खरीद प्रणाली में प्रवेश करवाना है। अब सरकार 10 से 14 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद रही है।'

पांचवीं बार बढ़ाया गया शुल्क

चेन्नियला ने यह भी आरोप लगाया कि दीर्घकालिक अनुबंध रद्द करने वाले विद्युत नियामक आयोग के कुछ सदस्य माकपा के करीबी लोग हैं। साल 2016 में सत्ता में आने के बाद से पिनरई सरकार के कार्यकाल में यह पांचवीं बार शुल्क में बढ़ोतरी की गई है।

ये लोग कर रहे विरोध

बिजली दरों में बढ़ोतरी के फैसले के बाद, कांग्रेस ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। केपीसीसी प्रमुख के सुधाकरन ने बिजली की दरों में बढ़ोतरी के फैसले को 'बेहद अनुचित और निंदनीय' बताया। केपीसीसी प्रमुख ने यह भी कहा था कि जिला कांग्रेस समितियां शनिवार शाम को राज्य भर में एक ज्वलंत मशाल रैली आयोजित करेंगी।

इंदौर के युवक की उज्जैन लाकर हत्या करने वालों को उम्रकैद

उज्जैन, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। उज्जैन में 3 साल पहले इंदौर के युवक की हत्या के मामले में भैरवगढ़ थाना पुलिस की जांच और अदालती कार्रवाई के बाद दो आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। घटना 3 जून 2021 की है, जब ग्राम रुई स्थित गड्ढा मार्ग पर खाई में एक युवक की लाश बरामद हुई थी। मृतक की पहचान नहीं हो पाने के कारण शव को पोस्टमार्टम के बाद दफना दिया गया। बाद में जांच में सामने आया कि मृतक के हाथ पर मां-पप्पा 302 लिखा था। गुमशुदा की जानकारी मांगी गई तो इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र से मृतक की गुमशुदगी दर्ज होने का पता चला। परिजनों ने उज्जैन पहुंचकर शव की पहचान तनु उर्फ तुषार बौरासी (निवासी जयहिंद नगर, इंदौर) के रूप में की। परिजनों ने बताया कि 1 जून 2021 की रात तनु को सुनील उर्फ मिथुन और निलेश उर्फ जटालु के साथ जाते देखा गया था।

शाहदरा में 8 राउंड फायरिंग, मॉर्निंग वॉक पर निकले कारोबारी की हत्या

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में अपराधिक घटना रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार (7 दिसंबर) को एक बार फिर एक शख्स की हत्या से शाहदरा इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक हत्या के इस वारदात की सूचना पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए मिली। मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने बताया है कि शाहदरा इलाके में बाइक सवार दो बदमाशों ने सात से आठ राउंड की फायरिंग की। इस घटना में कारोबारी सुनील जैन की मौत हो गई। शाहदरा निवासी कारोबारी सुनील जैन घटना के समय मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। यह घटना शनिवार सुबह 8 बजकर 36 मिनट की है। शाहदरा फर्श बाजार पुलिस के मुताबिक पुलिस के मुताबिक फायरिंग की घटना में सुनील जैन पुत्र सुखपाल चंद जैन निवासी कृष्णा नगर गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में उनकी मौत हो गई। वह यमुना स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स में सुबह की सैर के बाद अपने घर लौट रहे थे। बताया गया है कि उन्हें एक मोटरसाइकिल में सवार दो लोगों ने गोली मार दी। क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया है। शाहदरा डीसीपी प्रशांत गौतम के मुताबिक फायरिंग की घटना सुबह 8:36 बजे की है। पुलिस को इसकी जानकारी पीसीआर कॉल के जरिए मिली। बाइक सवार दो लड़कों ने एक शख्स को गोली मार दी और मौके से फरार हो गया। मौके पर पुलिस ने पाया कि सुनील जैन नाम के शख्स को गोली मारी गई है। उसे 3 से 4 बार गोली मारी गई। सुनील जैन की मौत हो गई है। सुनील जैन क्रॉकरी की दुकान के मालिक थे और उनकी उम्र 52 साल थी। परिवार किसी भी तरह की धमकी से इनकार किया है।

बीजेपी के साथ जाते ही सब खत्म

अजित पवार को क्लीन चिट मिलने पर बोले संजय राउत

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार को इनकम टैक्स से क्लीन चिट मिलने को लेकर उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने निशान साधा है। राउत ने कहा कि जिस अजित दादा पवार पर सिंचाई घोटाले में आरोप था, उन्हें 100 करोड़ घोटाले में क्लीन चीट मिल गई। नवाब मलिक को क्लीन चिट मिल गई। बीजेपी के साथ में जाते ही सब आरोप खत्म हो गए। सब वाशिंग मशीन में धुल गए। इस देश में क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस दौरान संसद में नोटों की गड्डी मिलने का भी जिक्र किया। राउत ने कहा कि 50 हजार का एक बंडल मिल गया उस पर संसद में हंगामा हो रहा है लेकिन अडानी पर बात नहीं हो रही है। डिप्टी सीएम बनने के 48 घंटे के अंदर अजित पवार को कोर्ट से बड़ी राहत मिली। इनकम टैक्स ने अजित पवार की 1000 करोड़ की संपत्ति रिलीज कर दी। 7 अक्टूबर 2021 में छापेमारी के दौरान इनकम टैक्स ने इन संपत्तियों को जब्त किया था। आईटी ट्रिब्यूनल ने कहा कि विभाग संपत्ति में हेराफेरी का कोई सुबूत पेश नहीं कर सका। अजित पवार ने 5 दिसंबर को राज्य के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। आयकर विभाग ने अक्टूबर 2021 में अजित पवार, सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार की करीब 1000 करोड़ रुपये की संपत्ति पर छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के खिलाफ अजित पवार ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

ममता बनर्जी को लेकर राउत ने क्या कहा

वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने के सवाल पर राउत ने कहा कि हम ममता जी की इस राय को जानते हैं। हम यह भी चाहते हैं कि वह भारत गठबंधन का एक प्रमुख भागीदार बनें। चाहे वह हो चाहे ममता बनर्जी हों, अरविंद केजरीवाल हों या शिवसेना, हम सब एक साथ हैं। हम जल्द ही कोलकाता में ममता बनर्जी से बात करने जाएंगे।

बीच सड़क पर महिला को नोच नोचकर घसीटते रहे आवारा कुत्ते

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कल्याण के पास टिटवाला के रीजेंसी कॉम्प्लेक्स में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है, जहां एक महिला पर चार से पांच आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। कुत्तों के झुंड ने महिला को घसीट घसीटकर घायल कर दिया, महिला को कुत्ते नोच नोचकर घसीटते रहे और महिला चीखती चिल्लाती रही। कुत्तों के इस हमले में गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल हो गया है। इस घटना से इलाके मे दहशत का माहौल है। संबंधित अधिकारियों द्वारा आगे की जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की देर रात तकरीबन एक बजे के आसपास की यह घटना सामने आई है। टिटवाला के रीजेंसी कॉम्प्लेक्स के कैंप में एक 68 वर्षीय महिला पर कुत्तों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। इतना ही नहीं, कुत्ते महिला को घसीट घसीटकर 50 मीटर दूर तक ले गए। उसके बाद कुछ लोग दौड़कर आए जिन्हें देखकर कुत्तों ने महिला को छोड़ दिया और भाग गए। इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। गोवेली सरकारी अस्पताल की डॉक्टर दीपलक्ष्मी कांबले ने बताया कि, रात तीन बजे के आसपास घायल महिला को गोवेली अस्पताल में लाया गया। महिला गंभीर रूप से घायल है। उसके सिर पर, पैर में, हाथ में गहरा जख्म होने के कारण वह इस स्थिति में नहीं है कि वो कुछ भी बात कर सके। महिला का प्राथमिक इलाज किया गया उसके तुरंत बाद महिला को उल्हासनगर के सेंट्रल हॉस्पिटल भेजा गया लेकिन महिला की हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने कलवा हॉस्पिटल भेजा जहां से अब उसे मुंबई के जेजे अस्पताल में भेज दिया है।

दिल्ली पुलिस का ड्रग्स माफिया के खिलाफ ऑपरेशन, डेढ़ करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। ड्रग्स माफ़िया के खिलाफ दिल्ली पुलिस का आपरेशन जारी. डेढ़ करोड़ रुपये की हेरोइन के साथ 2 ड्रग पेडलर को किया गिरफ्तार. प्रोसीड ऑफ क्राइम के 15 लाख रुपये भी बरामद. दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ ने दो ड्रग पेडलर को गिरफ्तार कर उनके पास से बेहद हाई क्वालिटी की 271 ग्राम हीरोइन बरामद की है. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद की गई ड्रग्स की कीमत करीब डेढ करोड रुपए के आसपास है. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से ड्रग्स को बेचकर इकट्ठा किए गए करीब 15 लाख 33 हजार रुपये भी सीज किए हैं. दिल्ली पुलिस ने राजधानी में ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ ऑपरेशन चलाए हुए हैं. इसी ऑपरेशन के दौरान सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की स्पेशल स्टाफ को प्रेम नगर इलाके की गलियों में ड्रग्स बेच रहे दो ड्रग पेडलर के बारे में जानकारी मिली थी. पुलिस ने ट्रैप लगाकर ड्रग्स बेचते हुए रोहित और अक्षय नाम के दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया. चेकिंग के दौरान उनकी जेब से हरे और पिंक रंग के पाउडर अलग-अलग पाउच में मिले जिनकी जांच करने पर पता चला कि ये पाउडर हेरोइन और गांजा है.

गिरफ्तार ड्रग्स माफिया का है क्रिमिनल बैकग्राउंड

दिल्ली पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों का पुराना क्रिमिनल बैकग्राउंड है. दोनों के ऊपर दर्जनों स्नैचिंग और ड्रग्स पैडलिंग के मामले दर्ज है. दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच भी इन ड्रग्स माफिया के खिलाफ ऑपरेशन चलाए हुए हैं. राजधानी दिल्ली में क्राइम ब्रांच ने 64 ऐसी जगह आईडेंटिफाई की थी जहां पर ड्रग्स खुलेआम बेचा जा रहा था. जिन पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी भी की थी.

ड्रग्स बेचने पर कितनी सजा मिलती है ?

अगर कोई व्यक्ति ड्रग्स के केस में गिरफ्तार होता है तो एनडीपीएस एक्ट 1985 अंतर्गत अलग-अलग सजा दी जाती है. 2 ग्राम कोकीन के साथ अगर कोई आरोपी पकड़ा जाता है तो उसे एक साल की जेल हो सकती है, लेकिन यही कोकीन की मात्रा 100 ग्राम है तो व्यक्ति को 10 से 20 साल की जेल के साथ 1-2 लाख रुपये का जुर्माना भी देना पड़ सकता है.

आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, हैंड ग्रेनेड और ड्रोन के साथ 10 लोग गिरफ्तार

अमृतसर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार करके बटाला क्षेत्र में एक पुलिस प्रतिष्ठान पर संभावित ग्रेनेड हमले को नाकाम कर दिया। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में पाकिस्तान में रहने वाले हरविंदर रिंदा द्वारा संचालित सीमा पार आतंकी मॉड्यूल के चार प्रमुख सदस्य और विदेश में रहने वाले हैप्पी पासियन, जीवन फौजी और जशनप्रीत सिंह उर्फ लाल शामिल हैं। पुलिस ने बताया गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमृतसर के अवान रामदास के निवासी अर्जनप्रीत सिंह, अमृतसर के पेरहवाल के रहने वाले लवप्रीत सिंह उर्फ लव, अमृतसर के बाबा बकाला साहिब के निवासी बसंत सिंह और अमनप्रीत सिंह उर्फ अमन के रूप में हुई है। डीजीपी यादव ने बताया कि पुलिस टीम ने उनके कब्जे से तीन पिस्तौल, एक हथगोला और एक ड्रोन भी बरामद किया है। अमृतसर के पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत भुल्लर ने बताया कि इस 10 सदस्यीय मॉड्यूल में चार मख्य संचालक और छह आरोपी शामिल थे, जो रसद मुहैया कराने में शामिल थे। यह मॉड्यूल बटाला में एक पुलिस अधिकारी के आवास पर हमले के लिए भी जिम्मेदार था और इस क्षेत्र में पुलिस प्रतिष्ठान पर बड़े हमले की योजना बना रहा था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से मिले ड्रोन का इस्तेमाल सीमावर्ती क्षेत्र में होने की संभावना है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि यह मॉड्यूल इसलिए ज्यादा खतरनाक था, क्योंकि इनका विजन पुलिस की इमारतों और गतिविधियों को निशाना बनाना था। वहीं अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से करीब पांच किलो हेरोइन पाई गई है। इस मामले में अजनाला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और फरार दो संदिग्धों की तलाश जारी है।

चप्पल-स्विमसूट पर लगाई भगवान गणेश की फोटो

अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट की वेबसाइट पर ऑनलाइन बिक्री के लिए डाले; विरोध हुआ तो प्रोडक्ट हटाए

अमृतसर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में ई-कॉमर्स कंपनी वॉलमार्ट की वेबसाइट पर हिंदू देवता के तस्वीरें लगाकर चप्पल और स्विम सूट बेचने पर बवाल मच गया है। अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोगों ने इस पर ऐतराज जताया। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने धार्मिक भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाते हुए वॉलमार्ट को इन उत्पादों की बिक्री पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने वॉलमार्ट को पत्र लिखकर बताया कि भगवान श्री गणेश की छवि का अनुचित और अपमानजनक तरीके से इस्तेमाल किया गया है। इस पर वॉलमार्ट ने भी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद वॉलमार्ट ने इन प्रोडक्ट्स को वेबसाइट से हटा लिया। इस बारे में हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने ही जानकारी देते हुए वॉलमार्ट का धन्यवाद किया। यह विवादित प्रोडक्ट खरीदारी के लिए अमेरिका में ही उपलब्ध थे।

चप्पलों और स्विमसूट पर किया प्रिंट

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के सदस्य प्रेम कुमार राज के अनुसार वॉलमार्ट की वेबसाइट पर ये प्रोडक्ट चैप्स नाम की कंपनी बेच रही थी। उन्होंने वॉलमार्ट से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि इन वस्तुओं की बिक्री को तुरंत बंद किया जाए। भगवान गणेश को दुनिया भर में एक अरब से अधिक अनुयायियों द्वारा विघ्नहर्ता (कष्ट दूर करने वाले) के रूप में पूजा जाता है। उनकी फोटो का इस प्रकार चप्पलों और स्विमसूट पर उपयोग धार्मिक भावनाओं को आहत करता है।

फाउंडेशन ने कहा- फोटो यूज करनी तो हम गाइडलाइंस देने को तैयार

फाउंडेशन की ओर से यह भी कहा है कि यदि किसी को कारोबार के लिए हिंदू प्रतीकों की छवि का उपयोग किया जाना है, तो इसके लिए फाउंडेशन बातचीत करने और उस बारे में बनाई गाइडलाइंस की जानकारी देने के लिए तैयार है।

वॉलमार्ट ने कहा- मामले को हल करेंगे

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की शिकायत के बाद वॉलमार्ट ने इस तरह के प्रोडक्ट की बिक्री उनकी वेबसाइट पर होने को लेकर खेद जताया। वॉलमार्ट ने भी माना कि यह वाकई धार्मिक भावनाओं और भरोसे को आहत करने वाला है। वॉलमार्ट ने आगे कहा कि हम समझते हैं कि इस समय आप कैसा महसूस कर रहे होंगे, क्योंकि अगर हम आपकी स्थिति में होते, तो हमें भी ऐसा ही महसूस होता। चिंता न करें, हम इस मामले को जल्द हल करने के लिए कदम उठाएंगे। वॉलमार्ट ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वह प्रोडक्ट बेचने वाली कंपनी से बात कर रहे हैं। 48 घंटे के भीतर इस प्रोडक्ट को हटा लिया जाएगा। अगर विक्रेता ने इसे नहीं हटाया तो उसे वॉलमार्ट पर प्रोडक्ट बिक्री से बैन कर दिया जाएगा।

वेबसाइट से प्रोडक्ट हटाया गया

वॉलमार्ट को की शिकायत के बाद इस विवादित प्रोडक्ट को उनकी वेबसाइट से हटा लिया गया। इस बारे में हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने ही जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि हमें कामयाबी मिल गई है। वॉलमार्ट ने अपनी वेबसाइट से हिंदू देवता की फोटो वाले प्रोडक्ट हटा लिए हैं। उन्होंने वॉलमार्ट का शुक्रिया करते हुए कहा कि हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरों के सम्मानपूर्वक इस्तेमाल के लिए वह आगे भी कंपनी से बातचीत करते रहेंगे।

नागर विमानन सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ ने बनाया गुणवत्ता नियंत्रण विभाग

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षाबल (सीआईएसएफ) ने अपनी विमानन सुरक्षा गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए एक इकाई स्थापित कर दी है। इसके जरिए केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी ने अपनी विमानन सुरक्षा में परिचालन से जुड़ी दक्षता को बढ़ाने का मकसद रखा है। सीआईएसएफ इस वक्त देश के 68 नागरिक हवाई अड्डों पर आतंक-रोधी सुरक्षा में तैनात है। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण इकाई (आईक्यूसीयू) हवाई अड्डों पर विश्वस्तरीय प्रक्रियाओं और तकनीक को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी। इन एयरपोर्ट्स पर हर दिन लाखों घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्री यात्रा के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ की यह पहल राष्ट्रीय नागर विमानन सुरक्षा गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम 2024 के तहत है।

क्या ममता बनर्जी को मिलेगी इंडिया गठबंधन की कमान?

उद्धव गुट की प्रियंका चतुर्वेदी ने दिया बड़ा बयान

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की इच्छा जाहिर की है। इस पर इंडिया गठबंधन के घटक दल शिवसेना-यूबीटी की नेत्री प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस पर आखिरी निर्णय सीनियर लीडर्स को लेना है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ठीक है उन्होंने अपनी बात रखी है क्योंकि उन्होंने पश्चिम बंगाल से बीजेपी को दूर रखने का सफल मॉडल रखा है और कल्याणकारी योजना लागू की है। कहीं ना कहीं चुनाव का अनुभव और फाइटिंग स्प्रिट के कारण अपनी इच्छा जाहिर कर रही हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक में चर्चा होगी, सीनियर लीडरशिप निर्णय लेगा। बीजेपी ने किया इंडिया गठबंधन पर कटाक्ष इस पर बीजेपी की ओर से भी प्रतिक्रिया आई है। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, "इंडिया गठबंधन का कोई भी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व और प्रियंका वाड्रा के नेतृत्व में विश्वास नहीं रखता है। इंडिया गठबंधन समझता है कि राहुल गांधी राजनीतिक फ्लेयर हैं। कभी अखिलेश यादव कहते हैं वो नेता हैं, कभी ममता बनर्जी कहती हैं वो नेता हैं, कभी स्टालिन कहते हैं वो नेता हैं और सब लोग स्वर में कहते हैं राहुल गांधी नेता नहीं हैं।"

ममता बनर्जी ने जाहिर की थी यह इच्छा

ममता बनर्जी ने दरअसल इंडिया गठबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठाया था और साथ ही यह भी कहा था कि अगर मौजूद नेतृत्व इसे प्रभावी तरीके से नहीं चला सकता तो वह इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए तैयार हैं।सभी को साथ लेकर चलना होगा। हालांकि ममता ने यह भी कहा था कि वह बंगाल से बाहर नहीं जाना चाहतीं लेकिन जरूरत पड़ने पर गठबंधन का संचालन करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी ने कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के घटक दलों से ममता बनर्जी को स्वाभाविक नेता स्वीकार करने का आह्वान भी

'न दुल्हन मिली-न घरवाले'

दुबई से बारात लेकर पंजाब पहुंचा था दूल्हा, इंस्टाग्राम पर शादी हुई थी फिक्स

जालंधर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब का दुबई में रहने वाला दूल्हा बारात लेकर मोगा जिले में तो आया, लेकिन उसे वहां दुल्हन ही नहीं मिली। यहां तक की दूल्हे को शहर में वह मैरिज पैलेस भी नहीं मिला जो उसे बताया गया था। दुल्हन को फोन किया तो उसका फोन बंद मिला। इसके बाद दूल्हे को बिना दुल्हन के ही लौटना पड़ा। जालंधर की तहसील नकोदर के मड़िआला गांव के दीपक कुमार दुबई में नौकर करते थे। दीपक की सोशल मीडिया पर मनप्रीत नाम की लड़की से दोस्ती हुई थी। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और दोनों ने शादी करने का फैसला कर लिया। हालांकि दोनों एक दूसरे को न तो कभी मिले और न ही कभी किसी ने एक दूसरे को देखा। दोनों ने शादी के लिए 2 दिसंबर की तारीख मोगा के रोज गार्डन पैलेस तय किया। दीपक 2 दिसंबर की फाइनल डेट समझ कर शादी की तैयारी में जुट गया, लेकिन 29 नवंबर को मनप्रीत का फोन आया और उसने कहा कि उसके पिता की तबीयत खराब है। ऐसे में शादी की डेट को आगे बढ़ाना पड़ेगा। मनप्रीत की बात सुनकर दीपक ने कहा की 2 को नहीं तो 6 दिसंबर को शादी कर लेते हैं। दीपक की यह बात लड़की ने भी मान ली। दीपक ने बताया कि लड़की ने पिता की बिमारी का बताकर उससे 60 हजार रुपए भी लिए थे। दीपक ने पुलिस को कहा, 'मैंने आज उसे (मनप्रीत कौर) सुबह फोन किया कि मैं रेडी हूं, और बारात लेकर आ रहा हूं। तब मनप्रीत ने कहा कि बारात लेकर रोज गार्डन आना जो कि गीता भवन के पास है।

आंदोलन-2 के 300 दिन पूरे

रविवार को फिर दिल्ली कूच करेंगे किसान

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार से अपनी मांगों को लेकर दिल्ली के बॉर्डर पर बड़ी संख्या में किसान जमा हुए हैं। किसानों का कहना है कि वह रविवार को फिर से दिल्ली की ओर कूच करेंगे। बड़ी संख्या में किसान पंजाब से दिल्ली की तरफ बढ़ रहे हैं। हरियाणा सरकार ने बॉर्डर पर इन्हें रोका हुआ है। कुछ किसान संगठन दिल्ली के गाजीपुर और सिंघु बॉर्डर पर जमा हुए हैं।

सरकार और किसानों के बीच हो सकती है बातचीत

किसान और केंद्र सरकार के बीच बातचीत का प्रस्ताव है। माना जा रहा है कि किसान संगठनों और सरकार के बीच आज बातचीत हो सकती है। कई किसान नेता केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों से अपनी मांगों को लेकर बात कर सकते हैं।

रविवार को 'दिल्ली आंदोलन-2' के 300 दिन पूरे होंगे

वहीं, शंभू बॉर्डर पर किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा, 'हमारा विरोध प्रदर्शन 'दिल्ली आंदोलन-2' ने आज अपने 299 दिन पूरे कर लिए हैं। रविवार को इसके 300 दिन पूरे हो जाएंगे। खनौरी बॉर्डर पर हमारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल अपने 12वें दिन में प्रवेश कर गई है। केंद्र सरकार किसानों से बात करने के मूड में नहीं है। चाहे एनडीए सरकार हो या भारत सरकार, किसान किसी से भी खुश नहीं हैं। पंजाब सरकार से भी लोग खुश नहीं हैं।'

किसानों की सरकार से ये हैं मांग

किसानों ने अपनी मांगों में फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं, कर्ज माफी, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन की मांग की है।

महिलाओं के बारे में 'सोच' बदलनी होगी

साान्या मल्होत्रा

वर्ष 2016 में फिल्म 'दंगल' से बॉलीवुड में एंट्री करने वाली सान्या मल्होत्रा ने अब तक की अपनी सभी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से हर किसी का ध्यान अपनी और खींचा है।

सान्या अब जल्द रिलीज होने जा रहे अपने म्यूजिक वीडियो को लेकर चर्चा में है। प्रतिष्ठित गायिका सुनिधि चौहान के साथ मिलकर अपने पहले म्यूजिक वीडियो ट्रैक 'आंख' में अभिनय करने के लिए सान्या पूरी तरह तैयार है। अपने सिग्नेचर डांस मूव्स और करिश्मा दिखाते हुए, सान्या इस बहुप्रतीक्षित म्यूजिक वीडियो में सेंटर स्टेज लेने के लिए तैयार है। इस म्यूजिक वीडियों के पोस्टर को हाल ही में उसने सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसमें सान्या को हरे रंग की एक शानदार पोशाक में देखा जा सकता है, जो आत्मविश्वास और स्टाइल से भरपूर है। उसके साथ सुनिधि भी नजर आई। वह गीत 5 दिसम्बर को रिलीज होने वाला है और सान्या तथा सुनिधि की बोल्ड तथा मजबूत छवि वाले पोस्टर ने पहले ही दर्शकों तथा दोनों के फैन्स का उत्साह बढ़ा दिया है।

म्यूजिक वीडियो के बोल्ड श्रीम को देखते हुए उम्मीद है कि सान्या अपने शानदार डांस मुक्स और मंत्रमुग्ध कर देने वाली उपस्थिति से स्क्रीन पर धमाल मचा देगी।

इन फिल्मों में आएगी नजर

सान्या की फिल्म 'मिसेज' के प्रीमियर ने हाल ही में 55वें इंटरनैशनल फिल्म फैस्टिवल ऑफ इंडिया में 'स्टैंडिंग ओवेशन' प्राप्त किया, यानी वहां मौजूद दर्शकों ने फिल्म देखने के बाद खुश होकर खड़े होकर तालियां बजाई।

वहीं खान्या की झोली में एक और फिल्म *सनी संस्कारी को तुलसी कुमारी' है। धर्मा प्रोडक्शंस की इस फिल्म के लिए उसने उदयपुर में शूटिंग का एक शैड्यूल भी पूरा कर लिया है, जिसमें उसके सह-कलाकार वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और रोहित सराफ हैं।

इसके अलावा, वह अनुराग कश्यप के साथ एक फिल्म की तैयारी कर रही है, जिसमें यह बॉबी देओल के साथ स्क्रीन शेयर करेगी।

फिल्म 'मिसेज' को लेकर उत्साहित

फिल्म 'मिसेज' में उसने एक गृहणी की भूमिका अदा की है। गृहणियों को समाज में कमतर समझा जाता रहा है। इस मुद्दे पर एक हालिया इंटरव्यू में अपनी राय जाहिर करते उसने कहा, उनकी कोई सराहना तक नहीं करता। यह भी नहीं कहता कि तुम सुबह से लगी हुई हो, जबकि यह सबसे मुश्किल काम है।

मुझे यह बात भी अजीब लगती है कि महिलाओं से ही घर के सभी कामों की उम्मीद क्यों रखी जाती है? खाना बनाना, घर के काम करना, ये तो जीवन के लिए जरूरी कौशल हैं। ये सबको आने चाहिएं। सिर्फ महिलाओं या आदमियों को नहीं, सचको। अगर आपको खाना चनाना नहीं आता तो कब तक बाहर से मंगाकर खाओगे पर हमारी सोच है कि यह सिर्फ महिलाओं का काम है, जिसे बदलने की जरूरत है। ये घरेलू काम हर बैंडर को आने चाहिएं।

हमारी फिल्म कहीं न कड़ों लोगों को यह सोचने पर मजबूर करेगी। मैंने हमेशा कहा है कि बतौर एक्टर हमारी एक जिम्मेदारी होती है कि हम कैसी फिल्म कर रहे हैं, कैसे किरदार कर रहे हैं और मैं ऐसी ही फिल्मों का हिस्सा बनने की कोशिश करती हूं. जिन्हें देख कर लोग प्रेरित हों। उनकी सोच में कुछ बदलाव आए, फिर चाहे यह' जवान' हो. 'दंगल' हो, 'मगलैट' हो या 'मिसेज'।

फैशन और ग्लैमर का संबंध मनोरंजन जगत में फैशन और ग्लैमर के संबंध के बारे में उसका कहना था, ₹मुझे लगता है कि फैशन और ग्लैमर दोनों इंडस्ट्रीज साथ-साथ चलती आई हैं। ये दोनों अलग दुनिया नहीं हैं। चाहे रैम्प वॉक हो या डिजाइनर कपड़ों में रेड कार्पेट पर चलना, बॉलीवुड से फैशन गहराई से जुड़ा हुआ है लेकिन मैं अपनी बात करूं, तो जब मैं कान्स जाऊंगी तो यह निश्चित तौर पर किसी फिल्म के लिए ही होगा।

हर काम करती हूं सोच-समझ कर अमूमन सैलीब्रिटीज पर इस तरह के इल्जाम लगते हैं कि वे ऐसे प्रोडक्ट्स का ऐड करते हैं, जिनको वे खुद इस्तेमाल नहीं करते।

सान्या से जब एक इंटरव्यू में पूछा गया तो उसका कहना था, ₹मैं किसो प्रोडक्ट को एंडोर्स करते वक्त इस बात का भी ध्यान रखती हूं कि मैं अपने फैन्स को कोई ऐसा प्रोडक्ट खरीदने के लिए न कहूं, जिससे मैं पूरी तरह वाकिफ नहीं हूं। मेरे लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि अगर मेरे मूल्य तथा निचार किसी ब्रांड के साथ मेल नाहीं खाते हैं तो मैं उसके साथ जुड़ने को सही नहीं मानती। इसके चलते मैंने कई प्रोडक्ट्स के साथ जुड़ने से इन्कार कर दिया। मेरी इस सोच के चलते मेरी टीम भी मुझसे खुश नहीं रहती।

हमेशा से था खुद पर 'आत्मविश्वास'

सान्या ने अपने अभिनय सफर में आने वाली बाधाओं के बारे में बताया, जिनमें कास्टिंग निर्देशकों की आलोचनात्मक टिप्पणियां और अपनी मां से समर्थन की कमी शामिल है। एक इंटरव्यू में सान्या ने कहा कि उसमें हमेशा सर्वोच्च आत्मविश्वास था और उसे पता था कि वह एक अभिनेत्री या एक नर्तकी के रूप में सफल होगी, भले ही उसकी मां उसे 'पडितों' के पास ले गई जिनका मानना था कि उसके लिए बैंक में नौकरी करना अधिक उपयुक्त रहेगा। सान्या ने उस आत्मविश्वास के बारे में बात की जिसके साथ उसने मुंबई में आकर अभिनय के लिए प्रयास करने का फैसला किया था।

उसने कहा, करियर की शुरूआत में लोग मेरी लुक को लेकर मुझसे कई तरह की बातें कहते थे। अब वे कुछ नहीं कहते। मुझे पता है कि मैं परफैक्ट हूं। मुझे इतना भरोसा है कि मैं आपको बता भी नहीं सकती। बेशक, इसमें उतार-चढ़ाव होता रहता है। खासतौर पर पीरियड्स के दौरान, यह बहुत मुश्किल होता है। मुझे एंडोमेट्रियोसिस भी है, मेरे अंडाशय में सिस्ट है लेकिन में बहुत आश्वस्त थी। जब मैं मुंबई आई, तो मैं बिना बाल बनाए और चगैर मेकअप के ही ऑडिशन देने जाती थी। मुझे यकीन था कि मैं के चल अपनी एक्टिंग के लिए चुनी जाउंगी। स्कूल में मेरे मुंह पर बाल थे।

काव्य कुंज

देश आगे बढ़ रहा है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

है समस्याओं का चक्रव्यूह
पर देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते-सुलझाते उलझनों को
सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।
हवाओं को तुम करो न दूषित ,
मुरझा जायेंगे फूल सभी
हरियाली बगिया की हरी रहे,आओ हम मिल प्रण लें अभी
दिलों की मैल जब होगी दूर , देश साँस तभी ले सकेगा
चाणक्य बन और ढूँढ रास्ता, इस वक्त यही है ज़रुरत बड़ी
प्रदूषण गर हो जाय नियंत्रित,समझो अब देश मुस्कुरा रहा है
है समस्याओं का चक्रव्यूह , पर देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते- सुलझाते उलझनों को , सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।
सुलझ गयी है खूबसूरती से , विशाल देश की शिक्षानीति
स्त्रियों की प्रगति से सुधर रही है,अब देशआँगन की अनीति
संपूर्ण समाज है तब सुरक्षित,जब हो शिक्षा हर घर की शान
जिस घर में शिक्षित हो नारी,जन्म उस घर में है लेती सुनीति
नवजागृति की हुँकारित मशाल,अब देश करवट बदल रहा है
है समस्याओं का चक्रव्यूह , पर देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते - सुलझाते उलझनों को , सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।
अडिग हिमालय सी सरहद पे है ,सतर्क सैनिकों की टोली
चौड़ी छाती , अजेय बाहू , बुलंद हुँकार व प्रेम की बोली
आँखें गर टेढ़ी हुई दुश्मन की,घर में घुस कर चलती गोली
हर मौसम सैनिक पलकों पे निरखते , आज़ादी की डोली
सभी सैनिकों के त्वरित कदमताल पर,देश गर्व कर रहा है
है समस्याओं का चक्रव्यूह पर , देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते-सुलझाते उलझनों को , सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।
सबसे प्यारा देश हमारा , करें हम मिलकर इसका सम्मान
विविधता भाषाओं , त्यौहारों की , जिससे है भारत महान
हिमालय-सागर से सुरक्षित ,है अनेकता में एकता पहचान
हर धर्मों का आदर करता , तिरंगा झंडा है देश की शान
नई नीतियों की पुरवाई संग , बदलाव का शंख बज रहा है
है समस्याओं का चक्रव्यूह पर , देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते-सुलझाते उलझनों को , सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।
अब सरोजिनी नायडू की शिक्षित समाज में,झलक मिलती है
महादेवी वर्मा के दीपक की ज्योति , घर - घर में खिलती है
शिवानी के औपन्यासिक पात्र , जीवित हो मिलने आते हैं
कविताएँ सुभद्रा कुमारी की , हुँकारित हो गुंजित चलती हैं
अद्भुत शिक्षा की थाल सजी विश्वगुरू बन भारत चहक रहा है
है समस्याओं का चक्रव्यूह पर , देश देखो आगे बढ़ रहा है
समझते - सुलझाते उलझनों को , सबसे आगे निकल रहा है
देश आगे बढ़ रहा है।।

पराई दीवारो में झांकना आसां है बहुत

गुमान हो गर जमीर में झांक कर देख,
मजलूम की जिन्दगी में झांक कर देख।
पराई दीवारो में झांकना आसां है बहुत,
कभीअपनी गिरेंबा में झांक कर देख।
पराई चादरों में सुराख करना आसां बहुत,
कभी फटी पैबन्द अपनी टांक कर देख।
खुश है नुक्स पर पराई मीनारों के,
बारिश में अपनी छत ढांक कर देख।
ग़म है तुझे जिंदगी रंगीन है बहुत,
मुफलिसी में जरा झांक कर देख,
पराई दौलत से किसका भला हुआ,
फकीरी का तजुर्बा फांक कर देख,
बेईमीनी चार दिन की चाँदनी यहां
जरा एक जोत पवित्र जला कर देख,
जलते घरो से हाथ सेंकना हैं आसां,
तिनका खुद का जरा जलाकर देख,
ख़ुशी अभी रूठी नहीं है तुझसे संजीव,
मुस्कुराहट में मासूम की झांक कर देख।

संजीव ठाकुर,
रायपुर

हे नारी

डॉ डी डी देसाई

आसमान की बिसात पर जैसे फैले हैं तारे..
तुम भी चढ़ा देना निशान अपनी कामयाबी के,
मुहबाजों की जहनी जुबान पर ताले लगाके,
भीड़ जाना झूटी शानोशौकत की अवाम से,
अपनी पढ़ाई लड़ाई से पढ़े लिखे अनपढों को हरा दे
और लहरा दे परचम अपनी जीत का हे नारी।
हवावों की तहजीब तो देखो जहान में,
जिंदगी दे सबको किसी की मौत बन के आती हैं।
चलती ऐसे कि कंधे पर जैसे लहरता आँचल,
और बहे ऐसे कि तूफानी हाहाकार मचा जाती हैं।
ढाल लेना खुदमे हुनर हवाओं का हे नारी,
मचा दे तहलका मजबूरियों के खिलाफ तुम।
आजमा ले तू अंगारों का हुनर हँसते हँसते
छेड़खानियों के हाथ जला के राख कर दे हे नारी।
तोड़ दे जंजीरों को तू ललकार दे आसमान को,
बंदिशों में बँधी रहें तू इतनी कमजोर नहीं हे नारी।
मँडराएँगे इर्द गिर्द अनगिनत साये हमला करने,
हिरन खरगोश सा चौकन्ना रहना तुम हे नारी।
लूटने लुटाने को तैयार खड़ी हैं सारी दुनिया...
खुद की रक्षा खुद ही करना तुम हे नारी।

दिसंबर

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

है दिसंबर का महीना।
खूब सर्दी सर्दी है ना।
दुबके पड़े बिस्तर में,
बाहर कोई निकले ना।
रजाई कंबल की डिमांड।
गर्मी का हुआ रिमांड।
काम तो करना ही होगा,
चाँवल से निकले है मांड।
सर्दी संग बरसात आए। ठंड और भी बढ़ जाए।
स्वेटर और मफलर आए, चढ़े सर पे मौज मनाए।
फ्रिज में बर्फ़ ही बर्फ़ जमी है। सर्दी अड़ गई मुंड बनी है।
पत्ते झड़ रहे हैं सारे। मरे सर्दी से मरने वाले।
धूप निकले जब नरम नरम।भाए सबको गरम गरम।
सब छत पर चले चले। धूप सेंकते भले भले।
बच्चे नहाने से डरते है। बिन नहाए भागते है।
स्कूल जाना भी ज़रूरी, जिंदगी जीने की मजबूरी।
फिर से मौसम सुधरेगा।न गर्मी न सर्दी रहेगी।
राम नवमी भी आएगी,वो चैत महीना कहलाएगा।

सार्थक जीवन की राह पर

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

सार्थक जीवन की राह पर
कुछ नई शुरुआत करो।
भटकी जीवन की राह छोड़,
अब कुछ नई बात करो।।
सार्थक जीवन राह पर,
गिर गिर के उठना होगा,
गिरकर डर कर बैठने से,
कभी न काम पूरा होगा,
जब तक मंजिल न मिले तब तक न करना आराम,
मुफ्त रेवड़ी खानी नहीं,परिश्रम का समझना दाम,
पूज्य गुरु के आदर्शों से, हर पल मुलाकात करो।
सार्थक जीवन की राह पर कुछ नई शुरुआत करो।
भटकी जीवन की राह छोड़,अब कुछ नई बात करो।।
जीवन की सार्थकता पर ही जीत का मरहम है,
टेढ़ी-मेढ़ी राहें तो क्या, बाजुओं में दमखम है,
सीखें,समझें सार्थक जीवन रास्तों की महिमा,
गलत राहों पर चलने से गिरती जीवन की गरिमा,
अमावस्या की काली रात में भी पूनम की रात धरो।
सार्थक जीवन की राह पर कुछ नई शुरुआत करो।
भटकी जीवन की राह छोड़,अब कुछ नई बात करो।।

जीवन की नवयात्रा

मनीषा मंजरी
दरभंगा

क्षितिज पर उदित एक सहर तक,
पाँवों को लेकर जाना है,
भटकाव भरी गलियों में,
भटक कर राहों को नयी पाना है।
अन्धकार की तृष्णा में बेसुध हो पड़े थे,
मन की रौशनी को जगाना है,
भीड़ में अदृश्य हुए व्यक्तित्व को,
पहचान से उसकी मिलाना है।
नाव जो लहरों में उलझी है,
उसे वैतरणी पार कराना है,
मृत्यु के स्पर्श से पूर्व, एक जीवन जी कर दिखाना है।
बातों की रिक्तता से सम्बन्ध नहीं,
अब कर्म से ताना – बाना है,
आडम्बरों को पीछे छोड़कर,
परम-स्व में खुद को बसाना है।
पीड़ा का जंगल जो चीख रहा, उस गूंज से बच कर दिखाना है,
उदासीन होते निर्मल मन की, सवेदनाओं को भी बचाना है।
शून्यता के गहन भँवर में गिरे हैं, जागृति की बूँद को ढूंढ कर लाना है,
संचित विचारों की सीलन फैली है, गुनगुनी धुप में जिसे सुखाना है।
एक द्वन्द में मस्तिष्क रुग्ण पड़ा है, विजय की संजीवनी तोड़ कर लाना है,
शब्द बिखरकर बेअर्थ गिरे हैं, अब एक वाक्य नया सजाना है।
वो पहिया जो रण में धंसा है, उसे रथ की शक्ति को जगाना है,
एक सूक्ष्म कण के विस्तार को, नव परिभाषित कर के दिखाना है।
जो क्षंद है मुझमें-तुझमें भी, उसे जीवन के लय पर सजाना है,
जिस रात की कभी भोर ना हुई, उस नभ को सूरज से मिलाना है।

चलो आज फिर से...

जबां पर कुछ है मगर,जी में नाम किसका है
तुम्हारे हाथ की मेंहदी में नाम किसका है
क्या कहा जाए, बंजर साफ़र झेल लेते हैं
चलो आज फिर से मुस्कराते हैं
मुलाकात ना नहीं सही
दिल से याद तो कर लेते हैं
मुझे पसंद तो आज भी है,तुमसे घंटों बातें करना
किनारों पर बैठे रहना,संग तुम्हारे आलिंगनबद्ध हो जाना
आंखें खोली, मुंगेरी सपने
स्वयं से बतिया लेते हैं
चलो आज फिर से..
आज फिर भींग गए लम्हें तेरी यादों से
संभल नहीं रहा दिल बीते जज़्बातों से
बीते ताहि बिसार दे..,
लहरों संग खेल लेते हैं
चलो आज फिर से..
पहले तुम, अब तुम्हारी याद सताती है
बांह फैलाए, फलसफा सुनाती है
सुनी आंखें, सपने बुन लेते हैं
चलो आज फिर से...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

क्यों? यूँ जताते हो अपनी नाराजगी

संजय एम.
तराणेकर

क्यों? यूँ जताते हो अपनी नाराजगी,
जब लौटकर महायुती में ही आना है।
क्या? ये बीमारी भी एक बहाना है,
फिर लौटकर इसी घर ही आना है!
अपरिपक्व कह रहा यह जमाना है।
क्यों? यूँ जताते हो अपनी नाराजगी,
जब लौटकर महायुती में ही आना है।
अब न जाना सतारा नेटवर्क है खटारा,
वे दिल्लीवाले हैं अब न खोलेंगे पिटारा!
मुश्किल में पाओगे अजब ही है नज़ारा।
क्यों? यूँ जताते हो अपनी नाराजगी,
जब लौटकर महायुती में ही आना है।
छोड़ दो जिद अब नहीं रही है वह बात,
उनका प्रचंड है बहुमत छूट जाएगा साथ!
ऐसा ना हो कहीं मलते रह जाओ हाथ।
क्यों? यूँ जताते हो अपनी नाराजगी,
जब लौटकर महायुती में ही आना है।
सोच लो, अगर यही रवैया रखना है,
नेता बनकर खुद को भी परखना है!
हा रिक्त है नेता प्रतिपक्ष का भी स्थान,
उस पर हो जाओ एकनाथ विराजमान।

"उम्मीद"

हेमंत सुराना,
उदयपुर

माना की तकलीफ बहुत देती है,
आशा की एक किरण भी दिखाती है
जीने का मकसद दिखाती,
टूटे को बिखरने से रोकती
गिरते को संभाल लेती,
कर गुजरने का हौसला देती
जीने की नई चाह है उम्मीद,
जीने की नई राह है उम्मीद
नाउम्मीदी में भी उम्मीद की लौ,
ख्वाहिशें अपनी फिर छूटे क्यों
गिर गया तो क्या हुआ,
फिर से उठने का दम रख
उम्मीद की है किरण,
स्वयं पर भरोसा रख
मंजिल तक जाने के लिए,
उम्मीद एक सहारा,
उम्मीद एक किनारा
ना रुकना है, ना थकना है,
बस आगे ही बढ़ना है,
बस आगे ही बढ़ना है ।

आपकी अनुभूति

करना ही है तो करो अनुभूति,
यूं न टाल दो दिखा सहानुभूति,
इस दिखावे में ही रह जाते हो,
इस मुद्दे पर क्यों खुलकर नहीं आते हो,
कभी झांको उन भूखे पेट
सोने वालों के घर पर,
कभी साक्षात दर्शन दे आओ
पहुंच उनके दर पर,
अनुभूति करो उनके डबडबाये पलक पर,
पानी पी पी परिश्रम करते
आ रही पसीने को छलक पर,
क्या नहीं दिख रहा कूड़े में
भविष्य खोजता बालक,
चुनावी समय अपने दंभ दिखा
कहा था बनूंगा सबका पालक,
जितने हसीन सपनों को जी रहे हो,
मस्त हो सुरा सोमरस पी रहे हो,
वो सब सड़क पर भीख मांग रहे
उन औरतों और बच्चियों की हालात भी देखो,
फटे कपड़ों पर नजर फिरा आंखें मत सेंको,
महसूस नहीं हो रहा क्या बूढ़े की बेबसी,
बेरोजगार करने को मजबूर क्यों खुदकुशी,
रोज सुनामी रोज तूफ़ां झेल रहे आंखों में,
विद्रोह वाला कैसे पहुंच जाता सलाखों में,
संयम भोली भूखी जनता ही बरतती है,
तुम्हारी नाजुक कली भी
बिजली की तरह गरजती है,
क्या किसी अलग तरीके से
दुनिया में आये हुए इंसान हो,
या अमीरों उच्चता भाव वालों के भगवान हो,
यदि बचा हो आँखों में शर्म का थोड़ा सा पानी,
सम भाव नजर की कर दो इन पर मेहरबानी।

*राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़*

देखते रहे दूसरों की नजरें

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

देखते रहे दूसरों की नजरें, डॉ.प्रतिमा सिंह
अपना ठिकाना भूल गए हैदराबाद
ढूंढते रहे दूसरों की ग़लत राहें,
अपना ही रास्ता भूल गए ।
पहचान तो थी उनके कमियों की,
खुद को जानना भूल गए।
उसका उसने जिसका जिसने,
इसी उलझन में पड़े रहे ।
समय अपना इनमें गंवाया जहां खड़े थे वही रहे।
उसने मुझे दिया ही क्या है मैंने उसे दिया इतना,
मोल भाव के चक्रव्यूह में सारा जीवन फँसे रहे ।
लेखा-जोखा दूसरों का लिया,क्या किया कैसे किया?
कागज अपने जीवन का यूं ही रीता छोड़ गए ।
किया नहीं प्रयास कभी भी,
नहीं समय के साथ चले,
जलते रहे दूसरों की कीर्ति पर,
स्वयं कर्महीन बैठे रहे ।
मूल मंत्र है जीवन का यही,
स्वयं की नजरे स्वयं पर ही बनी रहे,
मैं अच्छा दूसरे भी अच्छे यही भावना बनी रहे।

सरहदों से परे

जिस्म की रग-रग में दौड़ता है,
लहू बनकर, ऊर्जा बनकर,
बिंदास होकर, बेबाकी की मिसाल बनकर,
किसी सरहद,किसी मजहब को,
नहीं मानता ये दिल,
उसे नहीं मालूम कहाँ है मंजिल।
कभी मन की उन्मुक्त उड़ान बनके,
दूर- सुदूर सरहदों को पार करके,
नित नए ख्वाब सजाता है ये दिल,
इंसा को इंसा से मिलाता है ये दिल।।
इंसा है कि सरहदें बनाता है,
ज़मी को ज़मी से काटता है,
कभी नफरत की दीवार बनाता है ,
कभी मौत का व्यापार करता है।।
ग़र दिल का फलसफा,
समझ आ जाए,
तो मुहब्बत का लम्बा सिलसिला
शुरू हो जाए,
अमन और चैन बिछ जाए,
दिल को चैन-ओ- करार आ जाए।
हुकूमत सुकून की हो जाए,
इंसा सरहदों को भूल जाए।।

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

बदल गया देहात

सत्यवान सौरभ

अपने प्यारे गाँव से, बस है यही सवाल।
बूढ़ा पीपल है कहाँ, कहाँ गई चौपाल॥
रही नहीं चौपाल में, पहले जैसी बात।
नस्लें शहरी हो गई, बदल गया देहात॥
जब से आई गाँव में, ये शहरी सौगात।
मेड़ करे ना खेत से, आपस में अब बात॥
चिट्ठी लाई गाँव से, जब यादों के फूल।
अपनेपन में खो गया, शहर गया मैं भूल॥
शहरी होती जिंदगी, बदल रहा है गाँव।
धरती बंजर हो गई, टिके मशीनी पाँव॥
गलियाँ सभी उदास हैं, पनघट हैं सब मौन।
शहर गए उस गाँव को, वापस लाये कौन॥
बदल गया तकरार में, अपनेपन का गाँव।
उलझ रहे हर आंगना, फूट-कलह के पाँव॥
पत्थर होता गाँव अब, हर पल करे पुकार।
लौटा दो फिर से मुझे, खपरैला आकार॥
खत आया जब गाँव से, ले माँ का सन्देश।
पढ़कर आंखें भर गई, बदल गया वह देश॥
लौटा बरसों बाद मैं, बचपन के उस गाँव।
नहीं रही थी अब जहाँ, बूढ़ी पीपल छाँव॥

मेरा सब्जी वाला

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा

मेरा सब्जी वाला
सचमुच बहुत अच्छा आदमी है
वह रोज सवेरे मुझे हंस कर
जयश्री राम कहता है
मेरा दिन अच्छा जाए ऐसी
शुभेच्छा भी देता है
इसके बाद मेरी भावताल की
झिकझिक शुरू होती है
कभी उसकी मटर सड़ी होती है
तो कभी टमाटर गले होते हैं
उसकी अन्य चीजों का भी
कोई ठिकाना नहीं होता
पर वह मुझसे अपने संसार की बातें करता है
और मूदुता से जान लेता है कि
मेरा भी सब ठीक चल रहा है
अपने चेहरेमोहरे के लिए या
अपनी सुघड़ता के लिए
वह मुझे अच्छा लगता है ऐसा नहीं है
वह मुझे अच्छा लगता है क्योंकि
भावताल की जंग में
मैं उसे हमेशा हरा सकता हूं
और मेरी प्रत्येक प्रभात
विजय की मुस्कराहट के साथ शुरू होती है।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम
रविवार 8, दिसंबर 2024

संसद में कैश का मालिक सामने क्यों नहीं आ रहा?

6 दिसंबर को जिस खबर ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं, वो थी राज्यसभा की एक सीट से 500 की गड्डी का मिलना। मामला तब और बिगड गया जब सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की सीट से नोटों की गड्डी मिली है। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- जांच से पहले किसी का नाम लेना ठीक नहीं है। ऐसे में सवाल है कि नोटों की ये गड्डी किसकी है, क्या संसद में कैश ले जाने पर कार्रवाई होगी, कांग्रेस ने सभापति पर सवाल क्यों उठाए।

सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, गुरुवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने हमें जानकारी दी कि सीट नंबर 222 से कैश मिला है। इस मामले में नियमों के मुताबिक जांच होनी चाहिए और यह हो भी रही है। राज्यसभा में सीट नम्बर 222 कांग्रेस के सासंद अभिषेक सिंघवी को अलॉट है। सिंघवी तेलंगाना राज्य से सांसद हैं। नोट मिलने के आरोप पर अभिषेक सिंघवी ने सफाई देते हुए कहा कि यह नोटों की गड्डी उनकी नहीं है। सिंघवी ने कहा, मैं इसके बारे में सुनकर ही हैरान हूं। मैंने ऐसा पहली बार सुना है। मैं सदन में 12:57 बजे पहुंचा था। 1 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई। 1 बजे से 1:30 बजे तक मैंने अयोध्या प्रसाद के साथ कैंटीन में बैठकर लंच किया। इसके बाद मैं संसद से चला गया। इसलिए सदन में मेरा कुल ठहराव 3 मिनट का था और कैंटीन में मेरा ठहराव 30 मिनट का।

खड़गे ने संसद में कहा, मैं अनुरोध करता हूं कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और घटना की प्रामाणिकता स्थापित नहीं होती, तब तक किसी सदस्य का नाम नहीं लिया जाना चाहिए। ऐसा चिल्लर काम करके ही देश को बदनाम किया जा रहा है। सदन में खड़गे के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 'मुझे भरोसा है कि मामले की विस्तृत जांच होगी और दूध का दूध, पानी का पानी होगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का कहना है कि नोटों के बंडल मिलने पर किसी सांसद का नाम लेने से कांग्रेस को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इसमें क्या गलत है? भाजपा प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि, 'कांग्रेस नेताओं के पास इतना पैसा है कि वे संसद में बेंच पर बचे हुए पैसे का हिसाब लेने की भी जहमत नहीं उठाते। कांग्रेस, जो हर चीज पर सवाल उठाती थी, आज संसद से बरामद मामले का हिसाब देने से इनकार कर रही है।' सवाल है कि अब इस मामले में आगे क्या होगा?

लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी अचार्य के मुताबिक, 'नोट की गड्डी का मामला भारत की जांच एजेंसियों को सौंपा जा सकता है। यह केस अज्ञात के नाम पर दर्ज किया जाएगा और इसकी जांच इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, दिल्ली पुलिस या इंटेलिजेंस ब्यूरो करेगी। सबसे पहले नोटों के नम्बरों की जांच होगी। नम्बरों से पता लगाया जाएगा कि यह गड्डी किस बैंक से निकाली गई है। बैंक से जांच के बाद पता चल जाएगा कि यह गड्डी किसकी है।'

अचार्य के मुताबिक, संसद में कैश लेकर जाने का कोई नियम नहीं है। लेकिन संसद में एंट्री के कुछ प्रोटोकोल होते हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है। सांसद सदन में डॉक्यूमेंट्स, उससे जुड़े रिफरेंस, मोबाइल, लैपटॉप जैसी चीजें अपने साथ ले जा सकते हैं, लेकिन ज्यादा कैश, रिकॉर्डिंग डिवाइसेस, हथियार ले जाने पर पाबंदी है।

संसद भवन में प्रवेश से पहले सभी सांसदों, कर्मचारियों और सिक्योरिटी गार्ड्स को सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ता है। इसमें उनके बैग, पर्स और अन्य सामान की जांच की जाती है। अगर किसी सांसद के पास बड़ी धनराशि मिलती है, तो उसे घोषित किया जाता है। आसान शब्दों में कहें तो अगर कोई सांसद ज्यादा कैश लेकर संसद भवन में जाता है, तो इसकी जानकारी डेटा के तौर पर रखी जाती है। पीडीटी आचार्य का कहना है कि 'अगर कोई सांसद किसी खास उद्देश्य से कैश लेकर जाता है, तो उसे इसकी वजह बतानी पड़ती है। जैसे कि वे इस कैश को कैसे और कहां खर्च करेगा। लेकिन अगर यह कैश सार्वजनिक कामों या हेरफेर में इस्तेमाल किया जाता है, तो वे सांसद जवाबदेह हो जाता है।'

मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव भगवानदेव इसरानी के मुताबिक, सदन के अंदर और बाहर सभी जगह कैमरे लगे रहते हैं। इसके बावजूद सीट के नीचे नोटों की गड्डी मिलना गंभीर मुद्दा है। इसलिए जांच की जाएगी कि नोटों की गड्डी किसने रखी है। अगर कोई सांसद लेकर नहीं आया, तो फिर अज्ञात व्यक्ति कैसे सदन में गड्डी को रखकर चला गया। 'अगर किसी सांसद ने ही नोट रखे, तो उस पर सदन में कार्यवाही की जाएगी, लेकिन अगर किसी सांसद ने यह काम नहीं किया तो फिर संसद भवन की सुरक्षा में बड़ी चूक है। आज नोटों की गड्डी मिली है, कल कुछ और भी मिल सकता है।'

इसरानी के मुताबिक, राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप लगते रहते हैं, लेकिन इस तरह सदन में नोटों का मिलना बहुत बड़ा मामला है। मुमकिन है कि राजनीतिक छवि खराब करने की साजिश हो या किसी व्यक्ति से गलती से नोटों की गड्डी गिर गई। इस मामले में साफ तौर पर राय नहीं दी जा सकती है। जांच के बाद ही साफ होगा कि कोई आरोपी है या नहीं।

कांग्रेस ने नोट के बंडल को अडाणी मुद्दे से ध्यान भटकाने की साजिश बताई है। कांग्रेस का कहना है कि अगर कोई जेब में 50,000 रुपए रखता है तो यह कोई अपराध नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनकड़ से मुलाकात की है और इस मामले की किसी एजेंसी से जांच कराने या यहां तक कि इसमें संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की मांग की है। संसद में सीट के नीचे नोटों की गड्डी मिलने का यह पहला मामला है, जिसमें कोई सामने नहीं आया। हालांकि, इससे पहले संसद में नोटों की गड्डियां लहराई जा चुकी हैं। 2008 में मनमोहन सिंह की सरकार को परमाणु समझौते के मुद्दे पर सदन में विश्वासमत हासिल करना था। इस दौरान भाजपा के तीन सांसद अशोक अर्गल, फग्गन सिंह कुलस्ते और महावीर भगोरा नोटों की गड्डी निकालकर हवा में लहराने लगे थे।

सांसदों ने मनमोहन सिंह पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने विश्वास मत हासिल करने के लिए उन्हें घूस देने की कोशिश की थी। इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। इसे 'नोट फॉर वोट स्कैम' के नाम से भी जाना जाता है।

पाकिस्तान का आतंकवाद ही आत्मघाती बन गया है

-अशोक भाटिया

पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा और उसके आसपास के इलाकों में बीते नवंबर में पाकिस्तान के 138 सैनिकों की हत्या की घटनाए हुई है । पाकिस्तानी सेना पर 207 बार हमला हुआ है । इससे सैनिकों में खासी नाराजगी है। बताया जाता है कि ये हमले आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान कर रहा है।इसीके साथ पाकिस्तान सेना की भारी किरकिरी हो रही है। साथ ही सफाई दे रही है कि उसने आतंकवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया हुआ है और पिछले एक महीने के दौरान उसने 50 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया है। जाहिर है पाकिस्तान के लिए खुद का पैदा किया आतंकवाद ही उसका जानलेवा बन गया है।

जब सेना के जवान अपने ही देश में असुरक्षित हों और रोजाना मारे जा रहे हों तो अजीब सा लगता है ना! लेकिन पाकिस्तान की सेना इन दिनों ऐसे ही हालातों से जूझ रही है। पाकिस्तान की सेना में इस समय सैनिकों की मौतों से जबरदस्त हड़कंप मचा हुआ है। यहां नवंबर महीने में प्रतिदिन 4 पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या हुई है। बड़ी संख्या में सैनिक घायल भी हुए हैं। उनके साथ गोला-बारूद, हथियार लूटने की घटनाएं भी हुई हैं। पाकिस्तान सरकार की हालत इस मामले में इतनी खराब है कि ना तो वह बोल पा रही है, ना चुप रह पा रही है। क्योंकि वजह उसकी खुद की पैदा की हुई है।

पाकिस्तान सरकार और सेना दोनों ने ही इस मामले को दबाने की भरसक कोशिश की लेकिन नाकाम रही। इस मामले को दबाने के चक्कर में एक बार तो मरे हुए सैनिकों के शव जल्दी से हटाने के लिए उन्हें गधे पर लादकर ले जाया गया। लेकिन सैनिकों ने ही इसका वीडियो बना लिया और सरकार व सेना को भारी नाराजगी व बेइज्जती का सामना करना पड़ा।

इस बार टीटीपी ने सैन्य कर्मियों की हो रही हत्याओं के बाबत खुद ही एक पोस्टर जारी कर दिया है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने पोस्टर में बताया गया कि नवंबर 2024 उन्होंने पाकिस्तानी सैनिकों पर 207 हमले किए। इस दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की 138 लोग मारे गए और 112 लोग घायल हुए। यानी कि हर रोज पाकिस्तान सेना के 4 से ज्यादा सैनिक मारे और 4 से ज्यादा सैनिक घायल भी हुए।

टीटीपी के पोस्ट में यह भी बताया गया है यह हमले घात लगाकर किए गए। जिसमें 31 हमले, 88 लेजर हमले, 18 बम विस्फोट, 41 गोरिल्ला हमले आदि शामिल हैं। इन हमलों के दौरान पाकिस्तान सेना से 15 बुलेट प्रूफ जैकेट समेत बड़े पैमाने पर हथियार और गोला बारूद लूटा गया। पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों और हमलों के चलते नवंबर का महीना मुल्क के लिए बेहद घातक साबित हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार दावा किया गया है कि पिछले महीने नवंबर में पूरे पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों और हिंसक झड़पों की एक सीरीज में 68 सुरक्षाकर्मियों समेत कम से कम 245 लोग मारे गए। बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए।

स्थानीय अखबार डॉन ने के अनुसार भी इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉनफ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि नवंबर में पूरे पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में 245 लोग मारे गए, जिसमें 68 सुरक्षाकर्मियों शामिल हैं। मारे गए लोगों में 127 आतंकवादी और 50 नागरिक शामिल थे। इसके अलावा 257 लोग घायल भी हुए।नवंबर साल का दूसरा सबसे घातक महीना रहा।

इससे पहले अगस्त सबसे बड़ा खूनी महीना साबित हुआ। इस महीने 92 नागरिकों के अलावा 108 आतंकवादी और 54 सुरक्षाकर्मियों समेत 254 लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि सुरक्षाकर्मियों के हताहत होने के मामले में, नवंबर का यह महीना सबसे घातक महीना साबित हुआ। जबकि इससे पहले अक्टूबर का महीना सुरक्षाकर्मियों के लिए सबसे घातक साबित हुआ। इस महीने 62 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। लेकिन नवंबर में यह संख्या बढ़कर 68 तक हो गई। यही नहीं इसके अलावा, झड़पों और बम धमाकों की घटना में 257 लोग घायल भी हुए, जिनमें 104 सुरक्षाकर्मी और 119 नागरिक शामिल हैं।

दिल्ली चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा?

ललित गर्ग

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए फरवरी 2025 या उससे पहले चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए राजनीतिक हलचलें एवं सरगर्मियां उग्र हो गयी है। इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की तैयारी में जुट गई है। वहीं, भाजपा और कांग्रेस इस बार सत्ता में वापसी की तैयारी में जुटी है। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव दूसरे प्रांतों की ही भांति बिना किसी मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ने का मन बना चुकी है और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी का मानना है कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित हो सकते हैं। दिल्ली में भाजपा के पास एक से एक मजबूत नेता हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नेता मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के लिए पेश नहीं किया जा रहा है। भाजपा दिल्ली में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए नए तरीके से चुनावी तैयारियों में जुट चुकी है, वही कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को हासिल करने के लिये जद्दोजहद करती हुई दिखाई दे रही है।

निश्चित ही इस बार का दिल्ली चुनाव आक्रामक एवं संघर्षपूर्ण त्रिकोणात्मक होगा। आप, कांग्रेस एवं भाजपा की चुनावी जंग में कौन सत्ता का ताज पहनेगा, यह भविष्य के गर्भ है। दिल्ली में भाजपा के लिए यह चुनाव चुनौतीपूर्ण होने के साथ संघर्षपूर्ण भी है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में जहां पार्टी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, उसे आम आदमी पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। तब भाजपा को दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा प्रस्तुत करने से कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ। इसके बजाए, भाजपा अब चुनावी रणनीतियों में बदलाव कर रही है और अपनी शक्ति को पार्टी संगठन और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी लोककल्याणकारी योजनाओं के बल पर मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली भाजपा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में केंद्र सरकार के काम और योजनाओं को जनता के बीच रखेगी। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, खासकर जब बात विकास, सुरक्षा, चिकित्सा और शिक्षा जैसे मुद्दों की हो। अगर भाजपा बिना किसी प्रमुख चेहरे के चुनाव लड़ती है तो यह असमंजस की स्थिति बनने की संभावनाएं तो पैदा कर ही सकती हैं। दूसरी ओर, यह फैसला एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करके अन्य प्रांतों की भांति दिल्ली में भी चमत्कार घटित हो सकता है।

भाजपा ने यह भी तय किया है कि दिल्ली की जनता को बताया जाएगा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके साथ वादाखिलाफी की है, वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़कों की स्थिति में सुधार का वादा करके उन्हें जर्जर करते रहे हैं। भाजपा का मानना है कि मोदी सरकार की योजनाएं देशभर में सफलता प्राप्त कर रही हैं और इन्हें दिल्ली में लागू किया जाएगा। भाजपा को दिल्ली में हमेशा मिडिल और हाई मिडिल क्लास के लोगों की पार्टी माना जाता है। इसमें व्यापारिक समुदाय इसके कट्टर समर्थक हैं लेकिन इस बार निचले तबको एवं गरीब लोगों के बीच उसे प्रभावी प्रयास करने होंगे। यह तो दिखता हुआ सच है कि दिल्ली में आप शासन में विकास अवरूद्ध हुआ है, पर्यावरण की समस्या उग्रतर हुई है, आप नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे एवं उनके नेता जेल यात्राएं की है। ऐसे अनेक गंभीर आरोपों के साथ भाजपा आप और उसके नेताओं पर आक्रामक होकर चुनावी परिदृश्यों को बदल सकती है।

भाजपा ने कमर कस ली है और उसके नेता लगातार जनता के बीच जाकर बदलाव की अपील कर रहे है। इसके तहत इन दिनों जहां परिवर्तन सभाओं का आयोजन किया जा रहा है, वहीं अगले हफ्ते से पूरी दिल्ली में परिवर्तन यात्राएं भी निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आम मतदाताओं से निजी तौर पर मिलते हुए, उनसे बात करते हुए उनको पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। उनके दुःख-दर्द को सुना जायेगा। भाजपा का इतिहास रहा है कि वह आम जन तक पहुंचने के लिए ऐसी यात्राएं निकालती रही है एवं व्यक्तिगत संवाद स्थापित करती रही है। भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली में एक भ्रष्ट सरकार चल रही है लेकिन अब तो रंगदारी, वसूली, फिरौती और आम नागरिकों के बीच डर पैदा करने की भी कोशिश की जा रही है। इसके चलते दिल्ली की जनता अब सत्ता परिवर्तन के मूड में है और देशविरोधी मानसिकता वाली सरकार को इस बार विधानसभा से उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। देखना है कि भाजपा के इन आरोपों का जनता पर कितना असर होता है।

निश्चित ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की जमीन अभी भी मजबूत है। इसीलिये 2025 के चुनाव कांग्रेस एवं भाजपा के लिये चुनौतीपूर्ण होने वाले है। 2020 में हुआ विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं भाजपा को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था।

32 साल पहले बाबरी ढहाई, नई बनाने के पैसे नहीं

ट्रस्ट बोला- न नक्शा पास, न नींव पड़ी; अब लोग मस्जिद भूल गए

'बाबरी मस्जिद और राम मंदिर का फैसला एक ही साथ आया था। हो सकता है राम मंदिर का नक्शा फैसले के पहले बन गया हो, तभी वहां तुरंत काम भी शुरू हो गया। मस्जिद का काम ही ढीला पड़ा है। 5 साल बीत गए। अब तक कमेटी नक्शा नहीं बना पाई है। धन्नीपुर में सिर्फ जमीन लेकर डाल दी गई। यहां एक ईंट तक नहीं पड़ी।'

अयोध्या के धन्नीपुर गांव में रहने वाले मोहम्मद इस्लाम खान इस देरी के लिए मस्जिद कमेटी और सरकार को जिम्मेदार मानते हैं। अयोध्या शहर से 28 किमी दूर धन्नीपुर में ही बाबरी मस्जिद की जगह दूसरी इबादतगाह बनाने के लिए 5 एकड़ जमीन दी गई है। इस्लाम खान का खेत मस्जिद की जमीन के ठीक बगल में है।

9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर फैसला सुनाया। हिंदू-मुस्लिम पक्ष को अपने-अपने धार्मिक स्थल बनाने के लिए जमीनें मिलीं। 'राम मंदिर' के नाम पर चुनाव लड़े गए। मंदिर बना और इसका भव्य उद्घाटन पूरी दुनिया ने देखा, लेकिन मस्जिद की अब तक नींव भी नहीं खोदी गई है। बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा गिराए जाने की 32वीं बरसी पर पढ़िए ये रिपोर्ट...

बाबरी मस्जिद केस पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मंदिर और मस्जिद दोनों जल्द बनवाए जाएं। दोनों पक्ष इसके लिए ट्रस्ट बनाकर काम शुरू कर सकते हैं। मस्जिद बनाने के लिए कोर्ट ने सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को अयोध्या में ही जमीन देने को कहा। इसके बाद मस्जिद कमेटी बनी। इमारत की डिजाइन बनाई गई। नई मस्जिद की फोटो जारी होती रहीं, लेकिन धन्नीपुर में एक नया पत्थर नहीं रखा गया।

राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को एक साल पूरा होने वाला है, लेकिन मस्जिद का काम कहां अटका है, मस्जिद कमेटी के सामने क्या-क्या रुकावटें हैं, काम कब तक शुरू होगा, इन सवालों के जवाब जानने दैनिक भास्कर की टीम धन्नीपुर गांव पहुंची। फैजाबाद-लखनऊ नेशनल हाईवे पर बसे धन्नीपुर गांव की आबादी लगभग 2500 है। इसमें 60% यानी करीब 1300 मुस्लिम हैं। गांव के बीचोबीच सफेद रंग की शाहगदा शाह मजार है। इसके चारों तरफ 5 एकड़ जमीन कई साल से खाली पड़ी है। यहीं पर मस्जिद बनाई जानी है। पूरे गांव में इससे बड़ी खाली जगह नहीं है। इसलिए बच्चे यहां क्रिकेट खेलने आते हैं।

मजार के चारों तरफ लोहे के बोर्ड लगे हैं।

इसमें नई मस्जिद, अस्पताल और स्कूल के डिजाइन वाली फोटो है। धन्नीपुर के लोग 2019 से ही इस मस्जिद के बनने की उम्मीद पाले हुए हैं। मोहम्मद इस्लाम भी उनमें से एक हैं। बकरियां चरा रहे इस्लाम खान कहते हैं, 'अगर लोग दिल से चाहते तो मस्जिद खड़ी हो जाती। सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें कही गईं कि मस्जिद के साथ स्कूल और अस्पताल भी बनाएंगे। एक कहावत है न कुछ गुड़ ढीला, तो कुछ बनिया, इसी तरह मस्जिद बनाने में कुछ सरकार ढीली है, तो कुछ कमेटी वाले।'

मुसलमान ही नहीं, हिंदुओं को भी मस्जिद बनने का इंतजार

मस्जिद वाली जमीन से बाजार की तरफ जा रहे मोहम्मद साबिर अली हमारे पास आकर रुक गए। हमने बात करने के लिए माइक उनकी तरफ किया। साबिर कहते हैं, 'राममंदिर के उद्घाटन के वक्त अखबार में पढ़ा था कि मई-जून तक मस्जिद का काम भी शुरू हो जाएगा। साल बीतने वाला है, अब तक कुछ नहीं हुआ है। फिलहाल मस्जिद को लेकर उम्मीदें पस्त हो चुकी हैं।'

सेंसिटिव मुद्दा होने की वजह से धन्नीपुर की महिलाएं बात करने को राजी नहीं हुईं। सिर्फ बुजुर्ग ही खुलकर बात रखते हैं। 48 साल के गंगा प्रसाद यादव धन्नीपुर में दूध डेयरी चलाते हैं। उनका बायां पैर कुछ साल पहले सड़क हादसे में कट गया था। अब लखनऊ में पैर का ट्रीटमेंट करवा रहे हैं।

गंगा प्रसाद कहते हैं, 'धन्नीपुर के मुसलमानों को ही नहीं, हिंदुओं को भी मस्जिद बनने का इंतजार है। यहां अस्पताल, लाइब्रेरी और एक बड़ा कम्युनिटी किचन बनने वाला था। काम वक्त पर हो जाता तो मेरे जैसे लोगों को यहीं पर अच्छा इलाज मिल जाता। किसानों और डेयरी वालों से कम्युनिटी किचन के लिए सामान खरीदा जाता, लेकिन कुछ नहीं हुआ।'

आखिर मस्जिद का काम कहां अटका...

मस्जिद बनने में देरी क्यों हो रही है, कमेटी का प्लान क्या है, काम कब तक शुरू हो सकता है, ये जानने के लिए हम इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट यानी आईआईसीएफ के सेक्रेटरी अतहर हुसैन से मिले। आईआईसीएफ को ही धन्नीपुर में मस्जिद बनाने की जिम्मेदारी मिली है। अतहर मस्जिद बनने में हो रही देरी के पीछे दो अहम वजहें बताते हैं। 1. मस्जिद का नक्शा पास कराने के लिए फंड की कमी। 2. गल्फ कंट्रीज से पैसा जुटाया जा रहा, इसमें वक्त लगने से काम पिछड़ रहा।

अतहर हुसैन कहते हैं, 'मस्जिद के नए डिजाइन के हिसाब से हमें ज्यादा फंड की जरूरत है। नए रोडमैप के मुताबिक, मस्जिद परिसर में हॉस्पिटल और एक बड़ा कम्युनिटी किचन बनाया जाएगा। इसमें हर धर्म के लोग खाना खा सकेंगे। आईआईसीएफ मस्जिद को हिंदू-मुस्लिम भाईचारे के प्रतीक के तौर पर डेवलप करने का प्लान बना रहा है।' 'इसे देखते हुए मस्जिद कैंपस में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की याद में मौलवी अहमदुल्ला शाह के नाम से एक म्यूजियम भी बनाने का प्लान था।'

मस्जिद का काम जल्द शुरू करवाने के लिए हम अयोध्या जिला प्रशासन को नया नक्शा हैंडओवर कर चुके हैं, लेकिन उस पर अप्रूवल तभी मिलेगा, जब हम डेवलपमेंट चार्ज भर पाएंगे।

अतहर हुसैन आगे कहते हैं कि अभी की स्थिति देखते हुए, हमारे पास उतना फंड नहीं है कि हम धन्नीपुर में प्रोजेक्ट शुरू कर सकें। फंड जुटाने के लिए क्या कर रहे हैं? अतहर जवाब देते हैं, 'हमारे ट्रस्ट के चेयरपर्सन जफर फारुकी ने मुंबई और दूसरे बड़े शहरों में ग्रुप्स बनाकर पैसे इकट्ठा करने की कवायद शुरू की है। हम फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेटरी एक्ट FCRA की मदद से गल्फ कंट्रीज से फंड मांग रहे हैं। अगर वहां से बड़ी हेल्प मिलती है, तो मस्जिद बनाने का रास्ता खुल जाएगा।'

नई मस्जिद बाबर के नाम पर नहीं होगी

मस्जिद बनाने वाली संस्था आईआईसीएफ के मुताबिक, धन्नीपुर मस्जिद मुगल शासक बाबर के नाम पर नहीं होगी। अब इसका नाम पैगंबर मोहम्मद साहब के बेटे के नाम पर मोहम्मद-बिन-अब्दुल्लाह मस्जिद रखा जाएगा। ट्रस्ट ने महाराष्ट्र अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष हाजी अरफात शेख को मस्जिद बनाने वाली कमेटी का हेड बनाया है, ताकि इसका काम शुरू हो सके। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन जफर फारूकी को मुख्य ट्रस्टी बनाया गया है। ट्रस्ट 5 एकड़ के बजाय अब 11 एकड़ में मस्जिद कैंपस बनाने की तैयारी कर रहा है। नए डिजाइन के मुताबिक, मोहम्मद-बिन-अब्दुल्लाह मस्जिद 15 हजार वर्ग फीट की जगह करीब 40 हजार वर्ग फीट में बनाई जाएगी। आकार बढ़ाने की वजह से ट्रस्ट 5 एकड़ सरकारी जमीन के अलावा आसपास के किसानों से 6 एकड़ जमीन और खरीदने पर बात कर रहा है। वक्फ बोर्ड का कहना है कि कैंपस में मस्जिद के साथ म्यूजियम और अस्पताल भी बनना है, उस लिहाज से फंड जमा होते ही मस्जिद का काम शुरू हो जाएगा।

मस्जिद के लिए हिंदू भी दे रहे डोनेशन

2019 में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद केस पर फैसला आने के 9 महीने बाद ट्रस्ट ने मस्जिद बनाने के लिए लोगों से मदद मांगी थी। इसके लिए बैंक अकाउंट की डिटेल पब्लिक की थी। नवंबर, 2022 तक ट्रस्ट को देशभर से करीब 40 लाख रुपए डोनेशन मिला। इसमें 40% हिस्सा हिंदू कम्युनिटी से मिला था। मस्जिद के लिए सबसे पहला डोनेशन लखनऊ यूनिवर्सिटी में फैकल्टी रोहित श्रीवास्तव ने दिया था। उन्होंने 21 हजार रुपए की मदद की थी।

अयोध्या विकास प्राधिकरण के मुताबिक, 5 एकड़ सरकारी जमीन पर किसी भी तरह का कंस्ट्रक्शन शुरू करने से पहले मस्जिद ट्रस्ट को अलग-अलग NOC क्लियर करवानी पड़ेगी। ये प्रोसेस फिलहाल पेंडिंग है। मस्जिद ट्रस्ट जो इमारत बनाना चाह रहा है, वो कई मंजिला होगी। उसका स्ट्रक्चर डिजाइन पहले IIT के प्रोफेसर्स से अप्रूव करवाना पड़ेगा, तभी काम शुरू हो सकेगा।

ADA के सेक्रेटरी सत्येंद्र सिंह ने भास्कर को बताया, 'मस्जिद कमेटी ने हमें क्लियरेंस के लिए नया नक्शा सौंपा है।

धन के लिए कौन सा तिल है भाग्यशाली ?

हथेली पर तिल, अगर किसी व्यक्ति की हथेली के भीतर तिल हो, तो इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। यह तिल इस बात का संकेत है कि व्यक्ति के पास धन की कोई कमी नहीं होगी और उसे अपने जीवन में कई आर्थिक अवसर प्राप्त होंगे। ऐसा तिल व्यक्ति को परिश्रमी और सफल बनाता है। कलाई पर तिल होने का अर्थ है कि व्यक्ति धन अर्जन में कुशल होता है। ऐसा तिल व्यक्ति को अपने करियर और व्यवसाय में तरक्की दिलाता है।

किसी के कान के पास तिल हो, तो यह अत्यधिक शुभ होता है। ऐसा तिल बताता है कि व्यक्ति धनवान होगा और उसे समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा।

माथे के दाहिनी ओर तिल को धन-संपत्ति का प्रतीक माना गया है। ऐसा तिल बताता है कि व्यक्ति को जीवन में आर्थिक समृद्धि प्राप्त होगी। वहीं, माथे के बीच में तिल होने का मतलब है कि व्यक्ति को विरासत में धन या संपत्ति मिल सकती है।

होंठों के ऊपर तिल वाले व्यक्ति को खाने-पीने और ऐश्वर्यपूर्ण जीवन का सुख मिलेगा। ऐसा तिल आर्थिक रूप से स्थिरता और जीवन में सफलता का प्रतीक है।

पेट या नाभि के पास तिल को अत्यधिक शुभ माना गया है। ये व्यक्ति के अमीर बनने और आर्थिक सफलता पाने की ओर इशारा करता है।

दाहिने पैर के तलवे पर तिल होना इस बात का संकेत है कि व्यक्ति को अपने जीवन में आर्थिक स्थिरता और धन-संपत्ति का लाभ मिलेगा। पैर पर तिल यात्राओं और विदेशी भूमि से धन अर्जन का प्रतीक है।

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, शरीर पर अलग-अलग स्थानों पर तिल होने से व्यक्ति के जीवन में धन और सफलता के संकेत मिलते हैं। खासतौर पर हथेली, माथे, कलाई, और कान के पास तिलको धनवान बनने का संकेत माना गया है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि कर्म, परिश्रम और सही दिशा में प्रयास करना किसी भी भाग्यशाली संकेत से अधिक प्रभावी होता है।

अनेक रोगों की जड़ है इस समय भोजन करना

प्राचीनकाल में पुरूषों को एक से अधिक पत्नियां रखने का अधिकार था लेकिन स्त्रियां किसी पुरूष की तरफ आंख उठा कर भी नहीं देख सकती थी। महाभारत काल के समय में द्रौपदी अकेली ऐसी महिला थी जो 5 उत्तम पतियों की पत्नि बनी लेकिन फिर भी कुंवारी थी। आइए जानें कैसे-

महाराज द्रुपद ने गुरु द्रोणाचार्य से अपने अपमान का बदला लेने के लिए संतान प्राप्ति के उद्देश्य से यज्ञ किया। यज्ञ की पूर्णाहूति के समय यज्ञकुंड से मुकुट, कुंडल, कवच, त्रोण तथा धनुष धारण किए हुए एक कुमार प्रकट हुआ। यज्ञकुंड से एक कुमारी भी प्रकट हुई। महाकाली ने अंश रूप से उसमें प्रवेश किया था। उसका नाम कृष्णा रखा गया। द्रुपद की पुत्री होने से वह द्रौपदी भी कहलाई। एकचक्रा नगरी में द्रौपदी के स्वयंवर की बात सुन कर पांडव पांचाल पहुंचे। उन्होंने ब्राह्मणों का वेश बनाया था। स्वयंवर सभा में भी वे ब्राह्मणों के साथ ही बैठे।

सभा भवन में ऊपर एक यंत्र था। यंत्र घूमता रहता था। उसके मध्य में एक मत्स्य बना था। नीचे कड़ाहे में तेल रखा था। तेल में मत्स्य की छाया देख कर उसे पांच बाण मारने वाले से द्रौपदी के विवाह की घोषणा की गई थी। बहुत से महारथी असफल रहे। केवल कर्ण ने धनुष चढ़ाया। वह बाण मारने ही जा रहा था कि द्रौपदी ने पुकार कर कहा, ''मैं सूत पुत्र का वरण नहीं करूंगी।''

अपमान से तिलमिला कर कर्ण ने धनुष रख दिया। राजाओं के निराश हो जाने पर अर्जुन उठे। उन्हें ब्राह्मण जान कर ब्राह्मणों ने प्रसन्नता प्रकट की। धनुष चढ़ा कर अर्जुन ने मत्स्य भेद कर दिया और द्रौपदी ने अर्जुन के गले में जयमाला डाल दी। कुछ राजाओं ने विरोध करना चाहा पर वे अर्जुन और भीम के सामने न टिक सके।

द्रौपदी को स्वयंवर में जीतने के पश्चात अर्जुन अपने चारों भाईयों सहित अपनी मां कुंती का आर्शीवाद लेने अपनी कुटिया में पहुंचे। पांचों भाईयों को अपनी मां के साथ परिहास करने का मन हुआ। कुंती पूजा कर रही थी। अर्जुन ने कहा, माता! आज भिक्षा में मुझे एक अनमोल वस्तु मिली है।

कुन्ती ने कहा, पुत्रों! मेरा आदेश है जो भी मिला है आपस में मिल कर बांट लो। माता के ऐसे वचन सुन पांचों भाई और द्रौपदी सन्न रह गए। जब माता पूजा से उठी तो देखा भिक्षा वधू के रूप में है तो उन्हें अपने वचनों पर बहुत पश्चाताप हुआ लेकिन मां कुंती के मुंह से निकला वचन पांडवों के लिए दुविधा का विषय बन गया। किन्तु माता के वचनों को सत्य सिद्ध करने के लिए द्रौपदी ने पांचों पाण्डवों को पति के रूप में स्वीकार किया। इस विवाह को महर्षि वेद व्यास ने स्वयं संपन्न करवाया और उनसे कहा कि द्रौपदी एक वर्ष तक केवल एक पांडव की पत्नि बन कर रहेंगी और जब वह एक वर्ष बाद दूसरे भाई की पत्नि बनेगी तो उसका कौमार्य पुनः लौट आएगा। जब वह एक भाई की पत्नी बन कर रहेंगी तब अन्य चार भाई उनकी तरफ देखेंगे भी नहीं।शायद अर्जुन को वेद व्यास जी का ऐसा कहना मान्य नहीं था इसलिए वह द्रौपदी के साथ कभी भी सामान्य नहीं रह पाए। प्रत्येक वर्ष द्रौपदी अपना पति बदलती। पांच पतियों की पत्नी होते हुए भी वह सारी उम्र अपने पति के प्यार के लिए तरसती रहीं। पांचों पाण्डवों ने द्रौपदी के अतिरिक्त अलग-अलग स्त्रीयों को अपनी पत्नी बनाया।

इन 4 राशियों पर हमेशा मेहरबान रहते हैं गुरु बृहस्पति

वैदिक ज्योतिष के नवग्रहों में बृहस्पति सबसे अधिक शुभ ग्रह माने गए हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, उन्होंने प्रभास तीर्थ में देवाधिदेव शिव की कठोर साधना कर देवगुरु की पदवी पायी थी। साथ ही महादेव ने उन्हें नवग्रह में भी स्थापित किया। नवग्रहों में वे शिक्षा, ज्ञान, धर्म, अध्यात्म, न्याय, धन, भाग्य, विवाह और संतान आदि कारक यानी स्वामी, नियंत्रक और दाता ग्रह हैं। देवगुरु बृहस्पति इस समय वृषभ राशि में विराजमान हैं। जहां तक नक्षत्र की बात है, तो उन्होंने 28 नवंबर 2024 से रोहिणी नक्षत्र में गोचर कर रहे हैं।

ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु बृहस्पति एक बेहद महत्वपूर्ण ग्रह हैं। यह देखा गया है कि गुरु ग्रह जब मेहरबान होते हैं, तो जातक (व्यक्ति) को गरीब से अमीर नहीं बल्कि बहुत अमीर बना देते हैं। चूंकि वे एक धीमी गति से चलने वाले ग्रह हैं, इसलिए उनका असर लंबे समय तक बना रहता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, 4 राशियों पर देवगुरु बृहस्पति की खास कृपा रहती है। आइए जानते हैं, ये 4 भाग्यशाली राशियां कौन-सी हैं?

कर्क राशि

गुरु बृहस्पति कर्क राशि में उच्च के हो जाते हैं और सबसे शुभ अवस्था में होते हैं। यही कारण है कि देवगुरु को कर्क राशि के जातक बेहद प्रिय होते हैं। यह देखा गया है कि इस राशि के जातकों पर गुरु बृहस्पति की सदैव कृपा बनी रहती है। बृहस्पति की कृपा से कर्क राशि के जातकों पर आजीवन सौभाग्य और समृद्धि की बारिश होती रहती है। उन्हें जीवन में कई प्रकार के सुख मिलते हैं, जैसे कि धन, यश, मान-सम्मान और सुखी वैवाहिक जीवन।

सिंह राशि

सिंह राशि के स्वामी ग्रहों के राज्य सूर्य हैं, जो गुरु ग्रह के परम मित्र हैं। इस राशि के जातकों के ऊपर भी गुरु बृहस्पति की खास कृपा बरसती है। यह देखा गया है कि जब-जब गुरु बृहस्पति कर्क राशि में गोचर करते हैं या दृष्टि डालते हैं, तो इस राशि के जातकों को जीवन के हर प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। गुरु और सूर्य की महादशा और अंतर्दशा इन राशियों के लोगों को हर फील्ड में सफलता मिलती है।

गुरु, सिंह राशि के जातकों में आत्मविश्वास और नेतृत्व के गुणों को बढ़ाता है। ये लोग अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्पित होते हैं। गुरु को ज्ञान, विवेक और सौभाग्य का कारक माना जाता है। सिंह राशि के जातकों पर गुरु की विशेष कृपा होती है, जिसके कारण वे जीवन में कई उपलब्धियां हासिल करते हैं।

धनु राशि

धनु राशि राशिचक्र की नौवीं राशि है। यह राशि अग्नि तत्व की तेजस्वी और उत्साही राशि है, जिसके स्वामी स्वयं गुरु ग्रह बृहस्पति हैं। ये लोग मानो एक तीर की तरह जीवन में आगे बढ़ते हैं, नए ज्ञान और अनुभवों को खोजते रहते हैं। इनका स्वभाव बेहद रोचक और विविधतापूर्ण होता है। गुरु बृहस्पति की कृपा से इस राशि में जन्मे व्यक्ति उत्साही, आदर्शवादी, ईमानदार, दयालु, बुद्धिमान, रचनात्मक और स्वतंत्र विचारों वाले होते हैं।

यह देखा गया है कि गुरु कृपा से इस राशि के जातक लेखन और संपादन कार्य, शिक्षण कार्य और ज्यूडिशियरी (न्यायिक) कार्य में बेहद नाम और धन कमाते हैं, जो समय के साथ बढ़ता ही जाता है। ये लोग स्वतंत्र सोच और जोखिम लेने की प्रवृत्ति वाले होते हैं। इसलिए ये अपना काम या व्यवसाय करने को भी अधिक महत्व देते हैं और इस फील्ड में भी खूब नाम कमाते हैं।

मीन राशि

मीन राशि ज्योतिष चक्र की अंतिम यानी 12वीं राशि है। मीन राशि, जल तत्व की एक रहस्यमयी दुनिया है। इस राशि के स्वामी भी स्वयं बृहस्पति ग्रह हैं। इस राशि के लोग बेहद दयालु और सहानुभूति रखने वाले होते हैं और हमेशा दूसरों की मदद के लिए तत्पर

रहते हैं। इनके इस गुण के कारण इस राशियों के जातकों के ऊपर देवगुरु की खास कृपा रहती है। यह देखा गया है कि इस राशि के जातक गुरु बृहस्पति के आशीर्वाद से रचनात्मकता और कल्पना की असीम गहराइयों में खो जाते हैं।

गुरु बृहस्पति की कृपा से इनमें कला, संगीत और साहित्य के प्रति गहरा लगाव होता है और ये अपनी कल्पना शक्ति से अद्भुत चीजें बना सकते हैं। मीन राशि के लोग अपनी सहानुभूति और दूसरों की भावनाओं को समझने की गहरी क्षमता के कारण अक्सर बेहतरीन मनोवैज्ञानिक बनते हैं। लॉजिकल और एनालिटिकल होना भी मीन राशि के व्यक्तियों का एक गुण है। वे न्याय करने में विश्वास रखते हैं। अपनी इन गुणों के कारण वे ज्यूडिशरी यानी न्यायिक सेवा में अपना करियर बना धन और नाम दोनों अर्जित सकते हैं।

बिना नहाए पूजा कर सकते हैं या नहीं ?

किन परिस्थितियों में करें बिना स्नान के पूजा ?

पूजा के लिए स्नान का महत्व

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार स्नान को सिर्फ शरीर को साफ करने का तरीका नहीं बल्कि मानसिक शुद्धता का प्रतीक भी माना जाता है। हमारे शास्त्रों में पूजा से पहले स्नान करने का मत्व बताया गया है। ऐसा कहा जाता है कि इससे ना सिर्फ शरीर के बाहरी बल्कि अंदर भी शुद्धता और पवित्रता आती है।

ऐसी मान्यता है कि यदि आप बिना स्नान के पूजा करते हैं तो आपको उसका पूर्ण फल प्राप्त नहीं हो पाता है। ऐसे में पूजा से पहले स्नान करना जरूरी है।

इन परिस्थति में कर सकते हैं बिना स्नान पूजा

बिना स्नान के पूजा आप कुछ परिस्थितियों में कर सकते हैं, जैसे आप जब बीमार हैं और स्नान नहीं कर सकते हैं तो आप ईश्वर की आराधना और पूजा बिना स्नान के भी कर सकते हैं। हालांकि, आपको यह पूजा शुद्ध मन के साथ करनी चाहिए।

स्नान के बाद ही भगवान की मूर्तियों को स्पर्श कर सकते हैं, लेकिन आप मंत्र जाप कर रहे हैं या मानसिक रूप से ईश्वर की आराधना कर रहे हैं तो आप यह बिना स्नान के भी कर सकते हैं। ध्यान रहे आप मूर्तियों को स्पर्श ना करें।

मंत्रों के जाप से शुद्धिकरण

यदि आप किन्हीं परिस्थितियों में स्नान नहीं कर पाए हैं और पूजा कर रहे हैं तो शास्त्रों में कुछ ऐसे नियम बताए गए हैं, जिससे आप शारीरिक और आंतरिक रूप से खुद को शुद्ध कर सकते हैं। इसके लिए आपको 'अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थांगतोऽपि वा। यः स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यंतरः शुचिः।।' मंत्र का जाप करना चाहिए।

बहुत ही खास है अति प्राचीन सिरोही का सूर्य मंदिर

यहां पहुंचती है सूरज की पहली किरण, नक्काशी देखकर हैरान लोग

देश में सूर्यदेव के बहुत कम ही प्राचीन मंदिर बने हुए हैं। इनमें से एक है सिरोही जिले के वरमान गांव का प्राचीन ब्रह्मांड स्वामी सूर्य मंदिर। इस मंदिर का निर्माण 7वीं सदी में हुआ था। इसके बाद दसवीं सदी में इसका जीर्णोद्धार हुआ। वर्तमान में ये पुरातत्व विभाग के अधीन है। मंदिर की देखरेख भी विभाग द्वारा ही की जा रही है। मंदिर में देखने मिलती है बारीक कलाकारी मंदिर के गर्भगृह की प्राचीन मूर्तियां पाली के राजकीय संग्रहालय में रखी हुई है। वहीं कुछ खंडित मूर्तियां मंदिर के गर्भगृह में रखी हुई है। मंदिर की दीवारों, द्वार और मंडप में मोर, हाथी और वाद्य यंत्र बजाती महिलाओं की कई सुंदर प्रतिमाएं उकेरी हुई है। इतने पुराने मंदिर में इतनी बारीक कलाकारी देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है। मंदिर के बारे में ज्यादा प्रचार नहीं होने से ज्यादा लोग इसे देख नहीं पाते हैं। मंदिर तक पहुंचने के लिए आपको रेवदर से मंडार हाइवे पर वरमाण गांव आना होगा। यहां हाइवे पर जैन मंदिर के पास से आप सीधे इस प्राचीन मंदिर तक पहुंच सकते हैं।

गर्भगृह में सूर्य की पड़ती है पहली किरण

वरमान के सरपंच प्रतिनिधि और पूर्व सरपंच वगताराम चौधरी ने लोकल 18 को बताया कि यह जिले का और राजस्थान के सबसे प्राचीन सूर्य मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण इस प्रकार करवाया गया था कि गर्भगृह में सूर्य की पहली किरण मूर्ति पर गिरती थी। यहां के सूर्यदेव मध्यप्रदेश के परमार समाज के कुलदेवता है। आज भी कई परिवार मध्यप्रदेश से यहां के दर्शन करने आते हैं। मंदिर पुरातत्व विभाग के अधीन होने से पंचायत द्वारा इसका विकास नहीं करवाया जा सकता है, लेकिन पंचायत की पहल पर मंदिर के पास लोगों की सुविधा के लिए शौचालय निर्माण और मंदिर तक पहुंचने के लिए सीसी रोड बनवाई गई।

मंदिर में लगा है प्राचीन शिलालेख

इतने वर्ष पुराना होने के बावजूद मंदिर का ढांचा और इस पर बनाई गई काफी कलाकृतियां साफ दिखाई देती है। कुछ प्रतिमाएं मुगल आक्रांताओं ने खंडित कर

दी थी। मुख्य मंदिर और सभामंडप अभी तक मौजूद हैं। मंडप में एक प्राचीन शिलालेख भी लगा हुआ है, जिस पर विक्रम संवत 1315 अंकित है। बताया जाता है कि इस मंदिर के निर्माण के बाद 6 बार इसका जीर्णोद्धार करवाया गया।जिनके शिलालेख इस मंदिर के खम्भों पर लगे हुए थे।

इस मंदिर में कदम रखते ही सच उगलने लगते हैं बड़े-बड़े झूठे

बहुत बार हम सच के साथ-साथ झूठ भी बोल देते हैं। कभी-कभी चाहकर तो कभी न चाहते हुए। लेकिन एक चमत्कारी मंदिर ऐसा है जहां कोई झूठी कसम नहीं खाता। कहानी है उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद के डगौली ग्राम सभा में स्थित है नरसिंह बाबा के मंदिर की। जहां नर्सिंग बाबा की समाधि बनाई गई है और बगल में हनुमान जी का मंदिर है।

यहां झूठ बोलने वाला व्यक्ति खुद ब खुद अपने मुंह से सच उगल देता है। अगर को झूठ बोल देता है तो उसके साथ कोई ना कोई अनहोनी होती है। चाहे वह बीमार पड़ जाता है या परिवार में कोई बुरी घटना घटे। इसी वजह से लोग यहां झूठी कसम खाने से डरते हैं। पुजारी बताते हैं कि इस मंदिर में जो पुजारी रहता है उसकी मंदिर के बगल में समाधि बनाई जाती है। यह मंदिर कितने वर्ष पुराना है अब तक कोई जान नहीं पाया।

यहां मांगी हर मन्नत होती है पूरी!

कहा जाता की एक तपस्वी पुरुष थे, जिनका नाम नरसिंह बाबा था। उन्होंने इसी मंदिर में तपस्या करते हुए समाधि ली थी। इसके बाद इनका यहां मंदिर का निर्माण कराया गया। साथ ही उनके बगल में हनुमान जी का भी प्रतिमा स्थापित किया गया है। लोग यहां आकर सबसे पहले नरसिंह बाबा की समाधि की पूजा करते हैं। उसके बाद हनुमान जी की। यदि सच्चे मन से इस मंदिर में कोई अपनी मन्नत मांग ले तो उसकी मुराद पूरी होती है।

झूठ बोलने पर भी निकलता है सच!

झूठी कसम खाने वाले इस मंदिर के आसपास कभी नहीं आते हैं, क्योंकि मंदिर के पास आने से ही वह अपने मुख से सच्चाई उगलने लगते हैं।

यही वजह है कि इस मंदिर पर कोई झूठी कसम कभी नहीं खाता है। इस मंदिर की विशेषता है कि पीपल की लकड़ी पर खड़े होकर कोई पीला वस्त्र पहनकर यदि किसी ने झूठी कसम खाई तो उसकी मुख से सच्चाई निकलती है और वह परेशान हो जाता है।

दुर्योधन ने इस मंदिर को बनवाया था, भीम ने पूरब से पश्चिम दिशा में घुमा दिया था

सहारनपुर से 40 किलोमीटर दूर कस्बा गंगोह क्षेत्र के गांव बरसी में भगवान शिव का अनोखा महाभारतकालीन शिव मंदिर है। जो लाखों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र है।

मंदिर क्षेत्र से समय-समय पर मिले अवशेष इसकी प्राचीनता का प्रमाण देते रहे हैं। पश्चिम द्वार वाले उक्त शिवालय के गर्भगृह में अथाह गहराई के शिवलिंग पर लाखों भक्त जलाभिषेक करने आते हैं। फाल्गुन मास की महाशिवरात्रि में तो प्रतिवर्ष लगने वाले तीन दिवसीय मेले पर लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। सावन माह में शिवालय पर भारी भीड़ भी रहती है।

महाभारत काल में युद्ध के दौरान भगवान श्रीकृष्ण भी सहारनपुर के बरसी गांव में कुछ समय के लिए रुके थे। श्रीकृष्ण ने कहा था कि यह भूमि तो मुझे ब्रज के जैसी लग रही है। तभी दुर्योधन ने रातों रात लगभग सौ फीट ऊंचे टीले पर महादेव का मंदिर बनवा दिया। जिसकी ऊंचाई 50 फीट रह गई है। इस गांव का नाम तभी बरसी पड़ा।

भीम ने अपनी ताकत से घुमाया

मंदिर का मुख्य द्वार पूर्व दिशा में बनवाया था। लेकिन भीम ने अपनी अमोघ शक्ति से मंदिर को नींव सहित

पश्चिम दिशा में घुमा दिया था। इसी कारण मंदिर का प्रवेश द्वार पश्चिम तथा निकासी द्वार दक्षिण दिशा में हो गया। बुजुर्गों के मुताबिक मंदिर की दीवारों पर सुंदर कलाकृतियां बनी हुई थी, जो अब नष्ट हो गई हैं। मंदिर में संगमरमर की मूर्तियों को खंडित होने पर गंगा में विसर्जित कर उनके स्थान पर नई मूर्तियां प्रतिष्ठापित कराई गई।

बरसी में नहीं होता होलिका दहन

इस गांव में होलिका दहन भी नहीं होता है। यहां पर होलिका दहन होने से जमीन गर्म हो जाती है। जिस कारण शिव के पैर जलते हैं। ऐसे में ग्रामीण आसपास के गांव में जाकर होलिका दहन करते हैं। भारत में पश्चिम-दक्षिण दिशा का अकेला महाभारत कालीन मंदिर सहारनपुर में ही है, मंदिर के अंदर स्थापित प्राकृतिक विशालकाय शिवलिंग के दर्शन को देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं।

महाशिवरात्रि को तो यहां पर तीन दिवसीय मेला लगाता है, जो दिन रात चलता है। मंदिर के द्वार सुबह चार बजे खुल जाते हैं और भगवान शिव की पिंडी के दर्शनों को लाइन लगना शुरू हो जाती है।

मेरा 'फोकस' सिर्फ और सिर्फ काम पर : नेहा शर्मा

बिहार के भागाश्पुर से मुंबई तक का सफर तय करने वाली नेहा शर्मा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं। कई बड़ी फिल्मों में लीड रोल करने वाली नेहा की आने वाली फिल्मों में 'दे दे प्यार दे 2' शामिल है। बेहद खूबसूरत नेहा के बॉलीवुड करियर की 14 वर्ष हो चुके है। उसने हिन्दी फिल्मों के साथ ही साऊथ की कई फिल्मों में भी काम किया है। हाल के समय में उसने फिल्म 'जोगीरा सारा सारा' से लेकर 'डोगल' तथा '36 डेज' जैसी वेब सीरीज में अपने अभिनय से बहुत तारीफ बटोरी है।

नेहा ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत 2010 में फिल्म 'कुक' से की, जिसमें उसने इमरान हाशमी के साथ काम किया। हालांकि, बॉलीवुड में कदम रखने से पहले उसने 2007 में ही तेलुगु फिल्म 'चिरुना' से अभिनय जगत में डेब्यू कर लिया था। 21 नवम्बर, 1987 को जन्मी नेहा बॉलीवुड एक्ट्रैस बनने से पहले फैशन डिजाइनर बनना चाहती थी। उसने नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ इंटीरियर एंड फैशन टेक्नोलॉजी से फैशन को अपनी पढ़ाई पूरी की और कुछ समय फैशन इंडस्ट्री में काम करने के बाद नेहा ने एक्टिंग का रास्ता चुना, जहां उसे सफलता हाथ लगी।

अपनी पहली फिल्म से अब तक के संघर्ष को वह कैसे देखती है. पर उसने कहा, मुझे नहीं लगता कि मुझे लेकर लोगों की सोच में कोई खास बदलाव आया है। वैसे, सच कहूं तो लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इससे मुझे कोई पार्क भी नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपने काम पर फोकस कर रही हूं। यहां रातों-रात किसी को स्टार बना दिया जाता है और अगर एक फिल्म न चले, तो वह रास्ते पर आ जाता है, इसलिए बेहतर है कि सिर्फ अपना काम करो।वह किस तरह के रोल करना चाहती है, पूछने पर नेहा कहती है, मैं अलग-अलग तरह के रोल करना चाहती हूं, लेकिन उनमें मुझे अपनी प्रतिभा दिखाने का चांस मिलना चाहिए। वैसे, मेरी महिला प्रधान रोल करने की इच्छा है। एक एक्ट्रेस होने के नाते मैं ऐसी फिल्म नहीं करना चाहूंगी जहां पर मैं सिर्फ पेड़ों के पीछे नाचती रहूं। ऐसी फिल्म का हिस्सा नहीं बनना, जिसकी कहानी में एक्ट्रैस के लिए अधिक। जगह न हो।

दिल्ली में खोला जापानी रेस्तरां

नेहा ने फिल्मों के साथ चिजनैस जगत में भी कदम रख दिए हैं। उसने दिलों के बसंत विहार में नए व्यापानी रेस्तरां के लॉन्च के साथ खाने के प्रति अपने जुनून को हकीकत में बदल दिया है। अपनी खुशी सांजी करते हुए नेहा ने कहा, मुझे हमेशा से खाने का शौक रहा है और इस रेस्टॉरेंट को खोलना एक सपने के सच होने जैसा है। यह एक ऐसी जगह है जहां लोग मिल जुल कर समय बिताने के साथ ही स्वादिष्ट भोजन का आनंद और जापानी आतिथ्य का अनुभव। कर सकते हैं।

शादी को जल्दी नहीं

अपनी रोमांटिक लाइफ के बारे में पूछे जाने पर एक इंटरव्यू में नेहा का कहना था, ₹बेशक मुझे अपने जीवन में लड़के पसंद आए हैं और डेट पर भी गई हूं लेकिन जब सही साथी मिलेगा, तब उसके बारे में विचार करूंगी। मुझे ऐसा लगता है कि जिंदगी में सबके लिए एक प्यार होता है, बस उसी का इंतजार है। मुझे 'सोलमेट' मिलेगा, तब सबसे पहले घोषणा करूंगी कि मुझे कोई मिल गया है। लाइफ में जब तक 10 प्रतिशत श्योर नहीं होते, तब तक उसके बारे में बात नहीं करते। हां, जब राइट यर्सन मिल जाएगा, तब उसके बारे में जरूर बात करूंगी।

शादी को लेकर क्या उस पर किसी तरह का दबाव है, पर उसका कहना था, पेरेंट्स बार-बार पूछते थे लेकिन अब उन्हें अहसास हो गया है. क्योंकि मेरा उनको यही कहना है कि जब जो बीज होनी होगी तब वह हो जाएगी। हम शादी को लेकर प्लान या कोशिश कर सकते हैं, लेकिन जब होनी होगी, तब खुद-ब-खुद हो जाती है, इसलिए अभी शादी के बारे में सोच कर कोई फायदा नहीं।

मैं मुख्य 'किरदार' हूं : कशिश कपूर

सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' में रोमांच बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने कुछ लोगों को वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के रूप में एंट्री दी है। इनमें कशिश कपूर भी शामिल है। उसके साथ रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला 15' में हिस्सा ले चुका दिग्विजय सिंह राठी भी है।

'स्प्लिट्सविला 15' में कशिश और दिग्विजय के गेम को काफी पसंद किया गया था। एक वीडियो में सलमान खान के सामने जब कशिश और दिग्विजय तीखी बहस करते हुए दिखाई दिए और सलमान दोनों से पूछता है कि क्या वे एक-दूसरे को जानते हैं, तो कशिश कहती है, मैं मुख्य किरदार हूं। तब दिग्विजय जवाब देता है, किसी भी पॉडकास्ट पर जाकर मैंने तुम्हारा नाम नहीं लिया। इस पर वह कहती है, संभल कर, पिछली बार तुम्हारी किस्मत की डोर मेरे हाथ में थी। और आज यहां हो तो भी मेरे ही कारण हो, यह भूलना मत।

कशिश को डेटिंग रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला 15' में भाग लेने के बाद लोकप्रियता मिली थी, जिसे सनी लियोन ने होस्ट किया था। इसमें कशिश ने दिग्विजय सिंह राठी को चुनने की बजाय 10 लाख रुपए को चुना था। इसके बाद उसे आलोचना का सामना करना पड़ा था।बिहार की रहने वाली कशिश अपनी बेबाक राय के लिए जानी जाती है। वह खुद को बोल्ड, आत्मविश्वासी और रोमांटिक बताती है। बिहार में आयोजित एक प्रतियोगिता में उसने मिस फैशन आइकन का खिताब जीता और शोज की होस्टिंग से अपना करियर शुरू किया था।

सामने रहना पसंद करने वाली यह एक्ट्रैस कई फैशन डिजाइनर्स के लिए 'शो स्टॉपर' भी बन चुकी है।

लोगों का ध्यान खींचता है 'ग्लैमर' : मानुषी छिल्लर

मानुषी छिल्लर ने हाल ही में पहली बार स्टेज पर डेब्यू किया, जब उसने गोवा में 'भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' (आई.एफ.एफ.आई.) में मंच पर लाइव प्रस्तुति दी। उसने सुनिश्चित किया कि उसके माता-पिता भी दर्शकों में मौजूद रहें। दूसरी ओर वह फिल्म महोत्सव के ग्लैमर की ओर अधिक झुकाव की कुछ लोगों द्वारा की जा रही आलोचना से भी सहमत नहीं है। दरअसल, इस बार के 'भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' में बॉलीवुड पर बहुत जोर रहा, जिसमें कृति सेनन, रणबीर कपूर और सान्या मल्होत्रा जैसे सितारे शामिल हुए। इससे लोगों को आश्चर्य हुआ कि क्या फिल्म महोत्सव में फैशन और ग्लैमर पर अधिक जोर दिया जाने लगा है। इस बहस पर मानुषी ने कहा, यह एक फिल्म महोत्सव है और यह फिल्मों के बारे में ही है। ग्लैमर और फिल्में एक हद तक एक-दूसरे की पूरक हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि ग्लैमर आकर्षण पैदा करता है। 'भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' एक बहुत ही महत्वाकांक्षी मंच है और ग्लैमर इसका आकर्षण बढ़ाता है।

मानुषी के अनुसार, जिस बात पर ध्यान देने की आवश्यकता है, वह यह है कि फिल्म महोत्सव का मूल अभी भी फिल्मों और फिल्म निर्माण के बारे में ही है।

उसने कहा, ग्लैमर होना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऐसे आयोजनों की ओर लोगों का ध्यान खींचता है। दशकों से, हमने देखा है कि फिल्म निर्माण और ग्लैमर एक साथ चलते हैं। इसके बावजूद यह भी सच है कि ये आयोजन केवल ग्लैमर के बारे में नहीं हो सकते, या इस बारे में कि इवेंट पर किसने क्या और कब पहना... फिल्म महोत्सव फिल्मों के बारे में हैं लेकिन हमें यह समझने की आवश्यकता है कि फिल्मों के लिए आकर्षण जरूरी है और ग्लैमर इसमें चार चांद लगाता है तथा यह ऐसे आयोजनों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करता है। इसलिए ग्लैमर हमेशा 'भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के हर फिल्म समारोह का एक अभिन्न हिस्सा रहेगा।

'फिल्म महोत्सव' में अपने प्रदर्शन पर बोली

इस पूर्व ब्यूटी क्वीन ने गोवा में आयोजित 'भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' में हिन्दी, बंगाली, दक्षिणी और पंजाबी फिल्मों के गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी। वह दो साल पहले भी महोत्सव में शामिल हुई थी लेकिन उसने पहली बार महोत्सव में मंच पर प्रस्तुति दी।उसने कहा, यह एक अभिनेत्री के रूप में मंच पर मेरा पहला लाइव प्रदर्शन था। इस बात का जश्न मनाना बहुत अच्छा लगा कि कैसे भारत विभिन्न भाषाओं में इतनी सारी फिल्में बनाता है जो विशाल दर्शक वर्ग को आकर्षित करती हैं। मुझे बचपन से ही स्टेज पसंद है। इस बार, मेरे माता-पिता भी दर्शकों में मौजूद थे और यह मुझे मेरे स्कूल के दिनों की याद दिला गया, जब मैं प्रदर्शन करती और मेरे माता-पिता मुझे देखने आते थे।

माता-पिता के अपने सबसे बड़े 'चीयरलीडर' होने के बारे में बात करते हुए उसने कहा कि उसके लिए बेहद जरूरी था कि उसके जीवन के इस नए अनुभव के समय उसके माता-पिता मौजूद रहें।

उसने कहा, मेरे माता-पिता दोनों डॉक्टर हैं और यह सब उनके लिए भी बहुत नया है। वे हमेशा मेरे लिए बहुत खुश और उत्साहित रहते हैं। मेरे माध्यम से ही वे फिल्म इंडस्ट्री और एक कलाकार की जिंदगी का अनुभव ले रहे हैं, इसलिए जब भी मैं कोई गाना शूट कर रही होती हूं या अपने करियर में कुछ नया कर रही होती हूं, तो उन्हें इसका गवाह बनाने की पूरी कोशिश करती हूं।

उसने कहा, वैसे भी उनका काम काफी व्यस्तता भरा है। मेरे सफर में मेरे माता-पिता का भरपूर सहयोग रहा है, इसलिए मैं चाहती हूं कि वे मेरे करियर की हर बड़ी और छोटी चीज का हिस्सा बनें।

स्टेज पर डांस से पहले घबरा रही थी

पिछली बार फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आई मानुषी पहली बार स्टेज पर डांस करने से पहले बेशक कुछ घबरा रही थी, लेकिन उस ने मौजूद दर्शकों के उत्साह बढ़ाने वाले रवैये और इसे सफल बनाने के लिए उनकी सराहना की।

शौक था डांस करना

अभिनय ऐसी चीज नहीं है, जिसके लिए मैंने बचपन से तैयारी की थी। मुझे स्कूल के नाटकों में भाग लेना और मंच पर नृत्य करना बहुत पसंद है तथा मैं एक प्रशिक्षित शास्त्रीय नर्तकी हूं, लेकिन मैंने इसे हमेशा एक शौक के रूप में देखा, न कि एक पेशे के रूप में। अब जबकि यह मेरा पेशा बन चुका है, तो मैं फिल्म इंडस्ट्री के लोगों से मिलना और 'भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' जैसी और जगहों पर जाना चाहती हूं जहां जितना हो सके, मैं नई चीजें सीख सकूं।

खाने में मानुषी की ये है पसंद

एक इंटरव्यू में मानुषी का कहना था कि 3 साल की उम्र में रात 10 बजे उसे लड्डू खाने का मन किया। उसकी इस जिद के बाद उसके नाना ने बाजार जाकर रात 11 बजे दुकान खुलवाई और लड्डू लेकर आए। उसने यह भी बताया था कि उसे देसी घी के घेवर के साथ कचौड़ी, काजू-कतली, गुलाब जामुन और नानी की बनाई दाल भी पसंद है।

हर वीकेंड पर अपने भाई-बहनों के साथ मैगी और आइसक्रीम पार्टी भी वह किया करती थी। अपनी सहेली और बहनों के साथ वह अपने घर के करीब चौक पर आईसक्रीम, चाट-पकौड़ी, चॉकलेट और मिठाइयां खाना कभी नहीं भूलती थी।

प्रज्ञा जायसवाल ने सामने से अपील की है कि कोई उसकी जोड़ी शुभमन गिल के साथ बनवा दे

प्रज्ञा जायसवाल लोकप्रिय भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल को लेकर इन दिनों चर्चा में है। शुभमन अपने खेल को लेकर तो सुर्खियां बटोरता ही है, इसके साथ-साथ वह अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहता है। कई अभिनेत्रियों के साथ भी उसके अफेयर की अटकलें लगती रही हैं लेकिन इस बार बात थोड़ी अलग है, क्योंकि प्रज्ञा ने सामने से अपील की है कि कोई उसकी जोड़ी शुभमन गिल के साथ बनवा दे।

दरअसल, हाल ही में प्रज्ञा ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर उसे मौका मिला तो वह शुभमन गिल को डेट करना चाहेगी क्योंकि वह उसे बहुत क्यूट लगता है। प्रज्ञा को उसके एक फैन द्वारा किए गए कमेंट के संबंध में पूछा गया था, जिसने लिखा था, काश ! प्रज्ञा और शुभमन गिल एक रोमांटिक कपल होते। इस पर प्रज्ञा ने जवाब देते हुए कहा, वह बहुत क्यूट है यार! चलो, तुम सब जो भी चाहते हो, मैं सिंगल हूं। इसे सच कर दो। जोड़ी बना दो यार!

फिर प्रज्ञा से पूछा गया कि क्या वह सच में एक क्रिकेटर को डेट करना चाहेगी, तो उसने कहा, अगर यह किस्मत में लिखा है, अगर यह होना है, तो यह हो सकता है। मेरा मतलब है, मेरे मन में कभी भी किसी क्रिकेटर से परहेज नहीं रहा और न उनके खिलाफ मन में कोई बात रही है। अगर वह एक अच्छा इंसान है और हम दोनों के बीच अच्छी बनती है, तो क्यों नहीं? इसी वर्ष अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'खेल खेल में' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली प्रज्ञा साऊथ की फिल्मों में पहले से ही एक बड़ा नाम है। कैमरे के

तमन्ना भाटिया और नोरा फतेही की गजब बेइज्जती इन गायकों ने लगा दी परफॉरमेंस पर रोक

साउथ सिनेमा से अपना बोरिया बिस्तर करीब करीब समेट चुकीं मिल्क के नाम से मशहूर रहीं अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के घर पर शहनाई बजने के दिन करीब आ रहे हैं। वहीं, हिंदी और साउथ सिनेमा में नंबर वन आइटम नंबर गर्ल का खिताब पाते पाते रह गईं नोरा फतेही की ख्वाहिश किसी तरह खुद को अभिनेत्री कहलाने की रही है। दोनों के स्टेज परफॉरमेंस की खूब डिमांड रहती है लेकिन मुंबई में होने जा रहे एक संगीत कार्यक्रम में जब दोनों का नाम इसी काम के लिए सामने आया तो देश के तीन दिग्गज गायकों इसके खिलाफ वीटो कर दिया है। जानकारी के मुताबिक इस संगीत कार्यक्रम का नाम है, त्रिवेणी और ये नए साल की पूर्व संध्या पर अहमदाबाद, दिल्ली और इंदौर में होने जा रहा है। इन कार्यक्रमों में भारतीय संगीत के तीन दिग्गज सितारे अनूप जलोटा, शंकर महादेवन और हरिहरन अपनी गायकी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की तैयारी पूरी कर चुके हैं। इस

कार्यक्रम के आयोजकों ने कार्यक्रम के दौरान दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए हिंदी और साउथ सिनेमा की अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और आइटम नंबर गर्ल नोरा फतेही के नाम भी प्रस्तावित किए थे।

इस बारे मे कार्यक्रम का आयोजन कर रही कंपनी ने शंकर महादेवन, हरिहरन और अनूप जलोटा का एक साझा बयान भी जारी किया है। इस बयान में कहा गया है कि इन तीनों गायकों ने नोरा और तमन्ना की स्टेज परफॉरमेंस के खिलाफ वीटो कर दिया। इनका कहना है कि अगर कोई अतिथि कलाकार होता है, तो वह किसी अभिनेत्री के बजाय किसी ऐसे साथी गायक द्वारा होना चाहिए जो कार्यक्रम की भावना से मेल खाता हो। उनका सामूहिक लक्ष्य भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना है, जिससे दर्शकों को एक अद्वितीय अनुभव मिल सके। कार्यक्रम आयोजक ने इस कार्यक्रम में तमन्ना भाटिया और नोरा फतेही को ले जाने के लिए संपर्क करने की बात स्वीकार की है।

स्कूल से लेकर मेट्रो के विस्तार तक भारत सरकार ने मंजूर किए 6230 करोड़ के प्रोजेक्ट्स

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने कुछ अहम फैसले लिए हैं। कैबिनेट की बैठक में देश भर में 85 केंद्रीय विद्यालय, 25 नवोदय विद्यालय और दिल्ली मेट्रो परियोजना को बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट के इस फैसले से करीब 80 हजार छात्रों को फायदा मिलेगा और करीब 6,600 लोगों को नौकरियां मिलेंगी। बीते शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई, जिस बैठक में मंत्रिमंडल में दिल्ली और हरियाणा के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए लगभग 26 किमी लंबे दिल्ली मेट्रो के चौथे फेज, रिठाला-नरेला-कुंडली कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही देश भर में बच्चों को अच्छी शिक्षा

देने के लिए 85 केंद्रीय विद्यालय और 28 नवोदय विद्यालय खोलने को भी मंजूरी दे दी है।

मेट्रो परियोजना पर खर्च होंगे 6230 करोड़

केंद्र सरकार ने दिल्ली एनसीआर में मेट्रो कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मेट्रो के फेज 4 कॉरिडोर को शुरू करने का फैसला किया है, जिसके लिए 6230 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इस परियोजना के तहत दिल्ली के नरेला, बवाना और रोहिणी के इलाकों में कनेक्टिविटी बढ़ाई जाएगी और इसमें कुल 21 स्टेशन शामिल होंगे।

85 केंद्रीय विद्यालय खुलेंगे

सरकार ने 85 नए केवी खोलने पर भी मुहर लगाई है। 13 विद्यालय जम्मू-कश्मीर में , मध्य प्रदेश में 11, राजस्थान में 9, ओडिशा के 8, आंध्र प्रदेश में 8, उत्तर प्रदेश में 5, उत्तराखंड में 4, छत्तीसगढ़ में 4, हिमाचल प्रदेश में 4, कर्नाटक में 3 केवी खुलेंगे। इसके अलावा सरकार ने 3 गुजरात में, महाराष्ट्र में 3, झारखंड में 2, तमिलनाडु में 2, त्रिपुरा में 2, दिल्ली में 1, अरुणाचल प्रदेश में 1 और 1-1 स्कूल असम और केरल में खोलने का फैसला किया है।

जवाहर नवोदय विद्यालय भी खुलेंगे

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में केवी के साथ-साथ जेएनवी स्कूल भी खोले जाएंगे। सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में 8, असम में 6 मणिपुर में 3, कर्नाटक में 1, महाराष्ट्र में 1, तेलंगाना में 7 और पश्चिम बंगाल 2 विद्यालय खुलेंगे। नए नवोदय विद्यालयों के लिए कुल अनुमानित धनराशि 2,359.82 करोड़ रुपये है जिसे 2024-25 से 2028-29 तक दिया जाएगा। इसमें 1,944.19 करोड़ रुपये का कैपिटल व्यय और 415.63 करोड़ का ऑपरेशनल व्यय शामिल है।

बीते तीन महीनों में 30 से 40% तक बढ़े पाम ऑयल के दाम

मुंबई,7 दिसंबर (एजेंसियां)। सब्जी, दाले, और खाद्य तेलों की बढ़ती हुई कीमतों ने महंगाई की आग में घी डालने का काम कर रही हैं। इसकी वजह रसोई का बजट तो बिगड़ रहा है, साथ ही आम लोगों की जेब पर इसका असर सबसे अधिक देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ महीनों में पाम तेल की कीमतों में वृद्धि बनी हुई है, इसकी वजह से 920 रुपये प्रति 10 किलो की कीमत पर बिकने वाले पाम तेल के दाम 1360 रुपये प्रति 10 किलो पर पहुंच गए हैं। इसका असर अब सूरजमूखी के तेल पर भी देखने को मिला है। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के अनुसार पिछले 3 महीने से अधिक समय में खाद्य तेलों के दामों में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान 30 से लेकर 40 प्रतिशत तक दाम बढ़ चुके हैं और अभी भी रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। लगातार आ रही तेजी की खबरों ने सामान्य लोगों का तेल कहे जाने वाले पाम तेल को खाने के तेलों में सबसे ऊंची पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया है। तीन महीने पहले 920 रुपए प्रति 10 किलो बिकने वाले पाम तेल के दाम 1360 रुपए प्रति 10 किलो तक पहुंचा दिए हैं।पाम तेल महंगा होने के कारण लोगों ने सूरजमुखी तेल का ज्यादा इस्तेमाल करना शुरू किया, तो सूरजमुखी तेल के सबसे बड़े उत्पादक देश से कम उत्पादन की खबर सामने आई। वहीं इस बीच रूस ने भी सूरजमुखी तेल के निर्यात शुल्क में बढ़ोतरी कर दी। इस सबके अलावा इंडोनेशिया मलेशिया और थाईलैंड जैसे पाम तेल के सर्वाधिक उत्पादन करने वाले प्रायद्वीपीय देशों में बाढ़ आने से सप्लाई पर असर पड़ेगा। इसकी वजह से व्यापारी अभी से परेशान है। सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश इंडोनेशिया में उत्पादन में भारी गिरावट देखने को मिली है। दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश मलेशिया में भी पाम तेल का इस्तेमाल जैव ईंधन बनाने के लिए किया जा रहा है, पहले यहां उत्पादन के 35 प्रतिशत से जैव ईंधन बनाया जा रहा था, जिसे 1 जनवरी से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का ऐलान किया जा चुका है।

नारायण मूर्ति ने बेंगलुरु में खरीदा 50 करोड का फ्लैट

इसी टावर में सुधा मूर्ति का भी फ्लैट, विजय माल्या से जुड़ा है जगह का नाम

बेंगलूरू,7 दिसंबर (एजेंसियां)। इंफोसिस के फाउंडर एनआर नारायण मूर्ति ने बेंगलुरु में आलीशान फ्लैट खरीदा है। इस फ्लैट की कीमत इतनी है कि नोएडा जैसे शहर में 25 से ज्यादा विला खरीदे जा सकते हैं। नारायण मूर्ति के इस नए फ्लैट में कई आधुनिक सुविधाएं हैं। बेंगलुरु में उन्होंने जिस जगह यह फ्लैट खरीदा है, वह महंगी जगहों में से एक है। नारायण मूर्ति ने यह फ्लैट बेंगलुरु की यूबी सिटी में किंगफिशर टावर्स में खरीदा है। इस टावर में यह उनका दूसरा फ्लैट है। इस नए फ्लैट की कीमत 50 करोड़ रुपये बताई जा रही है। चार साल पहले नारायण मूर्ति की पत्नी और लेखिका सुधा मूर्ति ने इसी टावर में 23वीं मंजिल पर 29 करोड़ रुपये में फ्लैट खरीदा था।

कितना बड़ा है नया फ्लैट ?

16वीं मंजिल पर चार बेडरूम वाला आलीशान फ्लैट करीब 8400 वर्गफुट में फैला है। इसमें पांच कार पार्किंग हैं। इसकी कीमत 59,500 रुपये प्रति वर्गफुट बताई गई है। नारायण मूर्ति ने यह फ्लैट मुंबई के एक कारोबारी से खरीदा है। इस कारोबारी ने इस फ्लैट को करीब 10 साल पहले खरीदा था।

विजय माल्या से जुड़ा है जगह का नाम

यूबी सिटी का नाम विजय माल्या से जुड़ा है। यूबी सिटी में 4.5 एकड़ में फैले किंगफिशर टावर्स में शहर के बीचों-बीच तीन ब्लॉक में 81 खास अपार्टमेंट हैं। 34 मंजिला इमारत में

प्रत्येक फ्लैट का साइज करीब 8,321 वर्गफुट है। टावर उस जमीन पर बनाए गए हैं जहां कभी विजय माल्या का पैतृक घर हुआ करता था। प्रेस्टीज ने किंगफिशर टावर्स में 41 लग्जरी अपार्टमेंट में से अपना हिस्सा बेच दिया जो 2010 में प्रेस्टीज ग्रुप और माल्या के बीच एक जॉइंट डेवलपमेंट था। जब प्रोजेक्ट शुरू हुआ था तब अपार्टमेंट 22,000 रुपये प्रति वर्गफुट पर बेचे गए थे।

अब कीमत दोगुनी से भी बहुत ज्यादा हो गई है। दो साल पहले कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज के बेटे राणा जॉर्ज ने 35 करोड़ रुपये का फ्लैट खरीदा था।

साल 2017 में एम्बेसी ग्रुप ने इंजीनियरिंग आउटसोर्सिंग कंपनी क्वेस्ट ग्लोबल के चेयरमैन और सीईओ अजीत प्रभु को 50 करोड़ रुपये में एक अपार्टमेंट बेचा, जो बेंगलुरु में अब तक का सबसे बड़ा आवासीय सौदा था।

प्रभु ने हेब्बल के पास एम्बेसी वन में 16 हजार वर्गफुट का अपार्टमेंट करीब 31 हजार रुपये प्रति वर्गफुट की दर से खरीदा था।

अब 'हीरा' परखने में नहीं होगी गलती

लैब डायमंड का ऐसे होगा 'पर्दाफाश'

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। हाल के दिनों में लैब में बने डायमंड का व्यापार बढ़ा है, लेकिन यह उपभोक्ताओं के बीच भ्रम पैदा कर सकता है, क्योंकि लैब में बने और प्राकृतिक डायमंड में बाहरी रूप से कोई बड़ा अंतर नहीं होता। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने एक अहम निर्णय लिया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि सरकार लैब में बने डायमंड की पहचान के लिए नई गाइडलाइंस लाएगी। यह कदम उपभोक्ताओं को सही जानकारी प्रदान करने और बाजार में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

नई गाइडलाइंस का उद्देश्य

सरकार की नई गाइडलाइंस का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपभोक्ता लैब में बने डायमंड और प्राकृतिक डायमंड के बीच का फर्क आसानी से समझ सकें। इसके तहत कंपनियों को अपने उत्पाद के बारे में स्पष्ट जानकारी देनी होगी, खासकर लेबल पर। कंपनियों को यह बताना पड़ेगा कि डायमंड कहां से आया है और कैसे बना है। इसके साथ ही, उपभोक्ताओं को सर्टिफिकेट के माध्यम से यह जानकारी दी जाएगी कि उनका खरीदी गया डायमंड सिंथेटिक है या प्राकृतिक। इस कदम से उपभोक्ताओं को सही जानकारी मिल सकेगी, जिससे वे गलत निर्णय लेने से बच सकेंगे।

"नेचुरल" शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

कंपनियों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वे अपने लैब में बने डायमंड के लिए "नेचुरल" शब्द का इस्तेमाल न करें। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि उपभोक्ताओं को यह भ्रम न हो कि उन्हें प्राकृतिक डायमंड मिल रहा है, जबकि वह लैब में तैयार किया गया सिंथेटिक डायमंड हो सकता है। उपभोक्ताओं को पूरी पारदर्शिता और जानकारी मिलनी चाहिए, ताकि वे अपनी खरीदारी निर्णय को समझदारी से ले सकें।

एक्रीडिटेशन सिस्टम का प्रस्ताव

सरकार ने लैब डायमंड बनाने वाली कंपनियों के लिए एक एक्रीडिटेशन सिस्टम (स्वीकृति प्रणाली) का प्रस्ताव भी रखा है। इसके तहत कंपनियों को एक मानक प्रक्रिया का पालन करना होगा, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके उत्पाद की गुणवत्ता और वास्तविकता सही है। इस प्रणाली के तहत, कंपनियों को किसी मान्यता प्राप्त संस्था से प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा, जिससे उपभोक्ताओं को भरोसा हो सके।

नए सिस्टम का प्रभाव

नई गाइडलाइंस और एक्रीडिटेशन सिस्टम के लागू होने से बाजार में पारदर्शिता आएगी और उपभोक्ताओं को सही जानकारी मिल सकेगी। यह कदम न केवल उपभोक्ताओं के हित में है, बल्कि यह उद्योग में विश्वास भी बनाएगा। लैब में बने डायमंड का कारोबार बढ़ रहा है, और इस कदम से इस उद्योग में धोखाधड़ी की संभावना कम होगी, जिससे उपभोक्ता आसानी से अपने फैसले ले सकेंगे।

कैंसर मरीजों के लिए सरकार ने दी राहत की खबर

इन तीन दवाओं की कम होगी कीमत

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने तीन एंटी-कैंसर दवाओं की कीमतों में कमी लाने के लिए निर्देश जारी कर दिए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को लाभ मिल सके। केंद्रीय रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि सरकार ने ट्रास्टुजुमैब डेरक्सटेकन, ओसिमर्टिनिब और डर्वालुमैब नामक दवाओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) कम करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही इन दवाओं पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) को शून्य कर दिया गया है और जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

इस वजह से सरकार ने लिया ये फैसला

मंत्री ने यह भी बताया कि इस कदम का उद्देश्य कैंसर से पीड़ित मरीजों को वित्तीय राहत देना और इन दवाओं की सुलभता को बढ़ाना है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अधिसूचनाओं के अनुपालन में निर्माताओं ने इन दवाओं पर एमआरपी कम की है और राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) को इस बदलाव की सूचना दी है। इसके अलावा एनपीपीए ने एक ज्ञापन जारी कर कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे जीएसटी दरों में कमी और सीमा शुल्क से छूट के कारण दवाओं की कीमतें घटाएं, ताकि उपभोक्ताओं को इसका फायदा मिल

सके। उदाहरण के लिए एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड ने अपने कई फॉर्मूलेशन की कीमतों में कमी की है।

इस आदेश से होगा ये फायदा

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, एस्ट्राजेनेका ने अपने पत्र में यह बताया कि बीसीडी शून्य होने के कारण, दवाओं की कीमतों में कमी तब लागू होगी जब स्टॉक को बाजार में वाणिज्यिक बिक्री के लिए जारी किया जाएगा। इस निर्णय के बाद इन दवाओं की कीमतें अधिक किफायती होंगी। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत में कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। लैंसेट के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, 2019 में भारत में लगभग 12 लाख नए कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे और 9.3 लाख मौतें हुई थीं, जो एशिया में बीमारी के बोझ का दूसरा सबसे बड़ा योगदान है। सरकार का यह कदम कैंसर से पीड़ित लोगों के लिए राहत प्रदान करेगा, जिससे वे अपनी चिकित्सा जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर सकेंगे।

अनिल अंबानी के लिए एक और बड़ी खुशखबरी! कंपनी ने चुका दिया अपना सारा बकाया ब्याज

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी के लिए अब एक के बाद एक अच्छी खबरें आती जा रही हैं। दरअसल, अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने शुक्रवार को को बताया कि उसकी सहायक कंपनी समालकोट पावर लिमिटेड,ने एक्सपोर्ट-इंपोर्ट बैंक ऑफ द यूनाइटेड स्टेट्स के साथ एक टर्म लोन पर 1.548 मिलियन डॉलर का बाकी बकाया ब्याज पूरी तरह से चुका दिया है। इसके साथ ही रिलायंस पावर ने बताया कि समालकोट पावर की ओर से की गई इस रिपेमेंट के बाद इस लोन के लिए गारंटर के रूप में रिलायंस पावर की आकस्मिक देयता अब समाप्त हो गई है।

रिलायंस पावर में है तेजी

अनिल अंबानी की पावर कंपनी रिलायंस पावर के शेयर में लगातार तेजी बनी हुई है। गुरुवार को जहां यह शेयर 43.14 रुपये पर पहुंचते ही अपर

सर्किट में चला गया। वहीं, शुक्रवार को भी इसमें 3.27 फीसदी की तेजी देखी गई। बीते 5 दिनों में इस स्टॉक में 18% से अधिक की तेजी दर्ज की गई है।

तेजी की वजह क्या है?

रिलायंस पावर के शेयरों में यह उछाल सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा कंपनी पर सोलर प्रोजेक्ट्स के टेंडर में भाग लेने से जुड़ा प्रतिबंध हटाने के बाद आया है। दरअसल, एसईसीआई ने रिलायंस पावर पर प्रतिबंध हटा लिया है, जिससे कंपनी के लिए सोलर प्रोजेक्ट्स में अवसर बढ़ गए हैं। आपको बता दें, मंगलवार, 3 दिसंबर को कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में इस प्रतिबंध के हटने की जानकारी दी। इसके बाद से शेयर बाजार में कंपनी के प्रति सकारात्मक धारणा बनी और दो दिनों तक लगातार स्टॉक में अपर सर्किट लगा। इसके अलावा, समालकोट पावर की ओर से की गई इस रिपेमेंट की वजह से सोमवार को भी इस स्टॉक में तेजी दिख सकती है।

गिरावट के बाद बड़ी छलांग

सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन के प्रतिबंध के कारण रिलायंस पावर के शेयरों में बड़ी गिरावट आई थी। 19 नवंबर को यह शेयर 33.3 रुपये तक गिर गया था, जो इसके 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर 53.64 रुपये से 38% नीचे था। हालांकि, अब प्रतिबंध हटने के बाद से स्टॉक में जोरदार रिकवरी हुई है। 19 नवंबर के बाद से इसमें 30% से ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया है।

रिलायंस पावर का मल्टीबैगर रिटर्न

2024 में रिलायंस पावर के शेयर ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस साल अब तक यह शेयर 85% से ज्यादा बढ़ चुका है। इसके अलावा 2 वर्षों में इसने 168% का रिटर्न दिया है। जबकि, 3 वर्षों में इस शेयर ने 242% का रिटर्न दिया है। वहीं, 5 वर्षों की बात करें तो इस शेयर ने बीते 5 वर्षों में 1,115% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। दरअसल, रिलायंस पावर के बेहतर प्रदर्शन का बड़ा कारण यह है कि कंपनी पूरी तरह डेट-फ्री हो गई है और अब रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में नए प्रोजेक्ट्स की तलाश कर रही है।

टीवी चैनलों पर अश्लील विज्ञापनों के खिलाफ 73 शिकायतें, सरकार ने संसद में दी जानकारी

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार ने संसद को बताया है कि पिछले तीन वर्षों में नियामक संस्थाओं को निजी टेलीविजन चैनलों पर अश्लील और फूहड़ विज्ञापनों के खिलाफ 73 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। राज्य सभा में एक लिखित उत्तर में सूचना व प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने कहा कि शिकायतों का तीन स्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली द्वारा उचित ढंग से समाधान किया गया। मुरुगन ने कहा कि केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियमों के तहत स्थापित तंत्र में प्रसारकों द्वारा स्व-नियमन, प्रसारकों के स्व-नियामक निकायों द्वारा स्व-नियमन और केंद्र सरकार की निगरानी प्रणाली शामिल है। मंत्री ने कहा कि जहां भी विज्ञापन संहिता का उल्लंघन पाया जाता है, वहां सलाह, चेतावनी, 'माफी मांगने का आदेश' और ऑफ-एयर आदेश जारी करके उचित कार्रवाई की जाती है। एक अलग प्रश्न के उत्तर में, मुरुगन ने कहा कि ओटीटी प्लेटफार्मों को आईटी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के भाग- III के तहत आचार संहिता का पालन करना आवश्यक है। मंत्री ने कहा, ये संहिताएं स्व-नियामक प्रकृति की हैं।

मुरुगन ने कहा कि इन आचार संहिताओं के तहत प्रकाशकों को ऐसी कोई भी सामग्री प्रसारित नहीं करनी होगी जो कानून द्वारा प्रतिबंधित हो और नियमों में दिए गए सामान्य दिशानिर्देशों के आधार पर सामग्री का आयु-आधारित स्व-वर्गीकरण पांच श्रेणियों में करना होगा।

नोटबंदी के बाद बड़ा फैसला, अब 'म्यूल' बैंक अकाउंट पर होगी स्ट्राइक

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार ने बैंक में मौजूद फर्जी खातों पर नकेल कसने के लिए तैयारी कर ली है। फर्जी खातों का पता करने के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके जरिए बैंकिंग धोखाधड़ी पर तो रोक लगेगी है। साथ ही बैंक में मौजूद फर्जी बैंक खातों के बारे में भी जानकारी मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को बैंकों और वित्तीय संस्थानों से बढ़ती वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के 'म्यूलहंटर डॉट एआई' सहित कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरणों का इस्तेमाल करने को कहा।

इसके उपयोग से बैंक में मौजूद फर्जी खातों की मिनटों में जानकारी मिल जाएगी।

एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन ने चिकित्सा उपकरण व खाद्य वाहन किया दान

हैदराबाद, 6 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन द्वारा चिकित्सा उपकरण और खाद्य वाहन डोनेट (दान) किया। इस संदर्भ में एलआईसी के क्षेत्रीय प्रबंधक पुनीत कुमार ने बताया कि महावीर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र को, एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन से कार्डियोसेव हाइब्रिड स्वचालित चिकित्सा उपकरण प्राप्त हुए। महावीर अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में, एलआईसी क्षेत्रीय प्रबंधक पुनीत कुमार ने ट्रस्ट अध्यक्ष महेंद्र कुमार रांका को कार्डियोसेव हाइब्रिड स्वचालित चिकित्सा उपकरण सौंपे।

इसी तरह ग्रेटर हैदराबाद के बंजारा हिल्स में आयोजित अन्य कार्यक्रम में, एलआईसी क्षेत्रीय प्रबंधक पुनीत कुमार ने हरे कृष्ण आंदोलन द्वारा कूक्कड मील्स या पके हुए भोजन के परिवहन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वाहन को सौंपा। इस दौरान ट्रस्ट की ओर से एचकेएम, हैदराबाद उपाध्यक्ष महाविष्णु दास ने वाहन प्राप्त किया। उन्होने कहा कि, यह ट्रस्ट वर्ष 2009 से वंचितों को भोजन उपलब्ध करा रहा है। जिसमें भोजन का वितरण ट्रस्ट की प्रमुख गतिविधियों में से एक है।

इस कार्यक्रम में एलआईसी के वरिष्ठ अधिकारीगण जैसे जी.बी.वी. रामय्या, मधुसूदन और अन्य उपस्थित हुए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-38 सूर्यास्त. -17-36
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 09-44 तक उपरान्त अष्टमी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल ,रविवार 08 December
नक्षत्र - शतभिषा 16-02 तक उपरान्त पूर्वाभाद्रपद
योग - वज्र 03-53 तक उप सिद्ध
करण- वणिज 09-44 तक उप विष्टी
विशेष:- नरसी मेहता ज.
व्रत -त्योहार - भद्रा - 09-44 से

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक मे	वृश्चिक-	05-00 बजे
चंद्र-	कुंभ मे	धनु----	07-12 बजे
मंगल	कर्क मे	मकर---	09-17 बजे
बुध-	वृश्चिक मे	कुभ---	11-09 बजे
गुरु-	वृष मे	मीन---	12-47 बजे
शुक्र-	मकर मे	मेष---	14-22 बजे
शनि-	कुंभ मे	वृष---	16-08 बजे
राहु-	मीन मे	मिथुन-	18-08 बजे
केतु-	कन्या मे	कर्क---	20-21 बजे
		सिंह---	22-32 बजे
		कन्या--	00-39 बजे
		तुला---	02-45 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:18 से 17:41 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:38 - 07:59 अशुभ	शुभ.	17:38 - 19:18 शुभ
चंचल.	07:59 - 09:22 शुभ	अमृत.	19:18 - 20:55 शुभ
लाभ.	09:22 - 10:45 शुभ	चंचल.	20:55 - 22:32 शुभ
अमृत	10:45 - 12:08 शुभ	रोग.	22:32 - 00:08 अशुभ
काल	12:08 - 13:31 अशुभ	काल.	00:08 - 01:45 अशुभ
शुभ	13:31 - 14:54 शुभ	लाभ.	01:45 - 03:22 शुभ
रोग	14:54 - 16:18 अशुभ	उत्पात	03:22 - 28:59 अशुभ
उत्पात	16:18 - 17:38 अशुभ	शुभ	04:59 - 06:38 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है । किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे । किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं । आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं ।अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं,इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसकर ही करें । ऐसा करना और भी जरूरी है क्योंकि कोई ऐसा है जो आपका करीबी होते हुए भी आपके खिलाफ साजिश कर रहा है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा । आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे । आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे । ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा । आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें । उस दोस्त की अपनी कुछ परेशानियां चल रही अहिं और इसीलिए वह ऐसे व्यवहार कर रहा है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है ।कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा ।आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं ।लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे । इसके बारे में अच्छे से सोच लें क्योंकि अब यह व्यक्ति आपके साथ लम्बे समय तक रहेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे ।आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नक्सली हिड़मा के गांव जाएंगे अमित शाह

बस्तर में एक रात गुजारेंगे केंद्रीय गृहमंत्री, विजय शर्मा बोले– जवानों के साथ डिनर, कैंप भी जाएंगे

जगदलपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 15 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के बस्तर दौरे पर जाएंगे। वे यहां बस्तर ओलंपिक के फाइनल में शामिल होंगे।

साथ ही नक्सलियों को मारने वाले जवानों के साथ डिनर पार्टी कर शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। खास बात है कि, अमित शाह नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी मेंबर हिड़मा के इलाके में भी जाएंगे।

दरअसल, छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री मंत्री विजय शर्मा आज बस्तर के जगदलपुर दौरे पर हैं। वे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे को लेकर तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे हैं। जगदलपुर एयरपोर्ट पर उनसे मीडिया ने पूछा गया कि क्या अमित शाह हिड़मा के पूर्वती गांव जाएंगे? तो उन्होंने कहा कि, वे उससे भी आगे जाएंगे।

हिड़मा के गांव से भी आगे सुरक्षाबलों ने कैंप स्थापित कर दिया है। उस इलाके को कैप्चर कर लिया है। वो पूरा इलाका नक्सली लीडर हिड़मा का ही गढ़ है। ऐसे में यदि अमित शाह वहां जाते हैं, तो देश के पहले गृहमंत्री होंगे जो नक्सलियों के सबसे सुरक्षित ठिकाने माने जाने वाले इलाके में पहुंचेंगे। विजय शर्मा ने कहा कि, 15 दिसंबर को अमित शाह बस्तर ओलंपिक के फाइनल में शामिल होंगे। साथ ही एक पुलिस कैंप का भी दौरा करेंगे। अमित शाह बस्तर में ही एक रात गुजारेंगे।

नक्सलियों को मार गिराने वाले बस्तर के जवानों से मुलाकात करेंगे। उनका सम्मान करेंगे। उनसे बातचीत करेंगे साथ ही उनके साथ डिनर भी करेंगे। वहीं एलडब्ल्यूई की बैठक में शामिल होंगे। अगले दिन 16 दिसंबर को वे रायपुर के लिए निकलेंगे।

ब्राउन शुगर के साथ तीन महिला तस्कर गिरफ्तार

एक का पति है जेल में, 7 लाख रुपए का ब्राउन शुगर बरामद

जमशेदपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने छापेमारी कर 7 लाख के ब्राउन शुगर के साथ तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती निवासी रहीमा खातून उर्फ मोटकी, नाजमुन निशा उर्फ ताजमुन निशा और शाहिदा खातून उर्फ मुन्नू शामिल है। रहीमा पूर्व में ब्राउन शुगर के मामले में जेल गए सद्दाम हुसैन की पत्नी है।

एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 35.44 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया है। इसकी कीमत सात लाख रुपए है। एसपी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मुस्लिम बस्ती में फिर से ब्राउन शुगर की बिक्री की जा रही है। सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान रहीमा के पास से 20.37 ग्राम ब्राउन शुगर, नाजमुन निशा ने पास 6.35 ग्राम और शाहिदा के पास से 8.71 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया।

मंगोलिया से झारखंड पहुंचे राजहंस, फरवरी तक रहेंगे

3100 किमी उड़ कर पहुंचे मेहमान पक्षी 29000 फीट की ऊंची उड़ान भरने में हैं सक्षम

हजारीबाग, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। ठंड के साथ झारखंड के जलाशयों में अब विदेशी पक्षियों के आने का सिलसिला शुरू हो चुका है। इसी क्रम में हजारीबाग के छड़वा डैम में सरपट्टी राजहंस (बार हेडेड गीज) का छोटा समूह आ गया है। राजहंस विंटर विजिटर माइग्रेटरी बर्ड है। विंटर विजिटर के रूप में आने वाले जलीय (वाटर डिपेंडेंट) बर्ड में सरपट्टी राजहंस बड़े आकार के पक्षियों में से एक है। हजारीबाग के विभिन्न जलाशय में इनका आगमन मंगोलिया और उसके आसपास से होता है। हजारीबाग से मंगोलिया की हवाई दूरी 3100 किलोमीटर है। मंगोलिया से हजारीबाग आने की पुष्टि वॉटर वर्ल्ड सेंसेस में तीन बार हो चुकी है।

2015 और 2022 में टैग लगा सरपट्टी राजहंस बर्ड वाचर्स को मिला था। हरे रंग के लगे टैग से पहचान हुई कि सरपट्टी राजहंस को मंगोलिया में टैग लगाया गया था। इस तथ्य की पुष्टि तेरखीन सगान लेक सेंट्रल मंगोलिया में बर्ड को रिंग लगाने वाले रिसर्चर न्यामबायर एन और सेवीनमीदग एन ने की है। मंगोलिया की सीमाएं रूस और चीन से मिलती है। ऊंचाई पर उड़ान भरने वाले पक्षियों में सरपट्टी राजहंस दुनिया भर में तीसरा स्थान रखता है। सरपट्टी राजहंस 29000 फीट की ऊंचाई पर तेजी से उड़ान भरते हैं। सबसे ऊंचाई पर उड़ान भरने वाला पक्षी रफल्स ग्रीफोन वल्चर (37000 फीट) है। दूसरे नंबर पर सारस (33000 फीट) है। सरपट्टी राजहंस मंगोलिया से भारत आने में एक दिन में 1000 किलोमीटर उड़ते हैं। अधिकतर एयरक्राफ्ट हिमालय के ऊपर से नहीं गुजरते लेकिन राजहंस इसके ऊपर से उड़कर इसे पार करता है। सरपट्टी राजहंस पक्षियों में एथलीट है। समान आकार के अन्य पक्षियों की तुलना में राजहंस का लंग्स बड़ा होता है। यही उसे ऊंचाई पर उड़ने में मदद करता है। सूरज उगने के बाद सरपट्टी राजहंस जलाशय में पहुंचते हैं।

टीचर ने 7वीं के छात्रों को पीटा

शरीर पर उभरे डंडे के निशान, परिजन बोले– अब आत्मानंद स्कूल जाने से घबरा रहे बच्चे

बलरामपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के रघुनाथनगर आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में एक शिक्षक ने 4 छात्रों की डंडे से बेरहमी से पिटाई की है। बताया जा रहा है कि सवालों के जवाब याद न कर पाने की वजह से सजा दी है। शरीर पर डंडे के निशान उभर गए हैं। जानकारी के मुताबिक, शिक्षक पीयूष वर्मा ने 7वीं कक्षा के छात्र से प्रश्न पूछे थे, लेकिन वह जवाब नहीं दे सका। इससे टीचर गुस्से में आ गया। डंडे से उसको जमकर पीटा। उसके परिजनों ने बताया कि, पिटाई के कारण उसके शरीर पर चोट के निशान दिख रहे हैं। बच्चा स्कूल जाने से भी डर रहा है। 7वीं के बच्चे से मारपीट के बाद उसके पिता ने प्राचार्य, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) और जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के पास शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, परिजनों और समाज के लोगों ने शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही परिजनों ने कहा कि बच्चे ठीक से चल नहीं पा रहे हैं, उनको चलने में दिक्कत आ रही है। शरीर के कई हिस्सों में सूजन है। परिजनों ने बच्चे का वीडियो भी बनाया है। पैरों पर पिटाई के निशान दिख रहे हैं। मामले में छात्रों की पिटाई करने वाले शिक्षक पीयूष वर्मा का कहना है कि, मैंने 5-6 महीने पहले छात्रों से कुछ सवाल पूछे थे, लेकिन जब जवाब मांगा तो छात्र जवाब नहीं दे पाए। मैंने उन्हें अपने बच्चे समझकर पीटा है। कोई व्यक्तिगत मामला नहीं था। मैं परिवार और शिक्षक संघ से माफी मांगता हूं। स्वामी आत्मानंद स्कूल रघुनाथनगर के प्रिंसिपल महेश कुमार प्रजापति का कहना है कि, शिक्षकों को इस तरह बच्चों के साथ व्यवहार करना सही नहीं है।

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल को ईडी केस में जमानत

मनरेगा घोटाले में 31 महीने से जेल में थीं बंद, नए कानून का मिला लाभ

रांची, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। मनरेगा घोटाला में 31 महीने से जेल में बंद झारखंड की निलंबित आईएएस पूजा सिंघल को शनिवार को जमानत मिल गई। ईडी की रांची की विशेष अदालत ने उन्हें दो लाख रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी है। इसके अलावा उन्हें अपना पासपोर्ट कोर्ट में जमा करना होगा। शुक्रवार को बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जानकारी के मुताबिक, पूजा सिंघल को नए कानून का लाभ मिला है। बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 479 के तहत अगर कोई आरोपी किसी मामले में लंबे समय से जेल में बंद है और उसकी न्यायिक हिरासत की अवधि उस मामले में दी जाने वाली सजा की एक तिहाई है तो उसे बेल दी जा सकती है। इस कानून का हवाला देकर पूजा सिंघल ने जेल से ही बंदी पत्र लिखा था।

पूजा पर आरोप है कि जब वह (फरवरी 2009-जुलाई 2010 तक) खूंटी में डीसी थीं तो उन्होंने बिना काम हुए मनरेगा का 18 करोड़ रुपए इंजीनियर को जारी कर दिया था। निगरानी ने 2011 में इस मामले में पहली एफआईआर दो इंजीनियरों के खिलाफ दर्ज की। इसी जांच में पूजा का नाम सामने आया था।

मई 2022 में 20 ठिकानों पर मारा था छापा

ईडी ने 6 मई 2022 को पूजा सिंघल के 20 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसमें उनके सीए के घर से 19.31 करोड़ रुपए कैश बरामद किए गए थे। पैसे की बरामदगी के बाद जांच एजेंसी ने पहले पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा और बाद में पूजा सिंघल से पूछताछ की थी।

पूछताछ में पहले दोनों ने पैसे को लेकर कोई पुख्ता जानकारी नहीं दी। बाद में ईडी ने अपनी पड़ताल में पैसा सिंघल का होने का दावा किया और उनको अरेस्ट कर लिया। गिरफ्तारी के बाद सरकार ने पूजा सिंघल को निलंबित कर दिया था।

ईडी ने मनरेगा घोटाले में जांच की प्रक्रिया पूरी करने के बाद निलंबित आईएएस पूजा सिंघल सहित सात के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। इसमें पूजा सिंघल, उनके पति अभिषेक झा, सीए सुमन सिंह, खूंटी जिला परिषद के तत्कालीन कनीय अभियंता राम विनोद सिन्हा, तत्कालीन सहायक अभियंता राजेंद्र जैन, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता जय किशोर चौधरी, खूंटी विशेष प्रमंडल के तत्कालीन कार्यपालक अभियंता शशि प्रकाश के नाम शामिल हैं।

21 साल की उम्र में आईएएस बनी थीं पूजा

उत्तराखंड की रहने वाली पूजा सिंघल 21 साल की उम्र में आईएएस बन गई थीं। 21 साल की पूजा सबसे कम उम्र में आईएएस कैडर में प्रवेश करने के लिए पूजा सिंघल का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। पूजा साल 2000 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी हैं। झारखंड के कई जिलों में डीसी रहने के बाद वह विभाग के सचिव की जिम्मेदारी भी संभाल चुकी हैं।

नक्सलियों ने बेटे के सामने मां को काट डाला

घर में घुसकर आंगनबाड़ी–सहायिका को धारदार हथियार से मारा, 3 दिन में तीसरा मर्डर

बीजापुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने घर में घुसकर बेटे के सामने आंगनबाड़ी सहायिका को मार डाला। नक्सलियों ने उस पर पुलिस की मुखबिरी करने का आरोप लगाया है। इस वारदात को मिलाकर 3 दिन में नक्सलियों ने तीसरा मर्डर किया है। 2 पूर्व सरपंचों की भी हत्या की थी। मामला बासागुड़ा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, आंगनबाड़ी सहायिका लक्ष्मी पदम तिम्मापुर गांव की रहने वाली थी। शुक्रवार देर रात सादे कपड़ों में नक्सली उसके घर में पहुंच गए। महिला की पिटाई करने लगे। महिला का बेटा भी घर में ही था। उसकी भी पिटाई की गई। इसके बाद महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी। हत्या के बाद नक्सलियों ने शव के पास पर्चा भी फेंका है, जिसमें नक्सल संगठन के भैरमगढ़ एरिया कमेटी ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। पर्चा में लिखा है कि, इसे पहले भी समझाइश दी गई थी, लेकिन मानी नहीं। पुलिस से लगातार संपर्क में थी। सूचना देने का काम करती थी, इसलिए इसे मौत की सजा दी गई है। बताया जा रहा है कि जिस जगह पर हत्या हुई है, वहां से महज एक किमी की दूरी पर ही फोर्स का कैंप है। हत्या की जानकारी पुलिस को दी गई है। बताया जा रहा है कि, पुलिस गांव में पहुंच चुकी है। फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि बीजापुर जिले के भैरमगढ़ और नैमेड थाना क्षेत्र में भी नक्सलियों ने 2 पूर्व सरपंचों को मार डाला था। नक्सलियों ने पुलिस की मुखबिरी करने का आरोप लगाया। एक को मुर्गा बाजार से उठाया था, जबकि दूसरे का अंतिम संस्कार के बाद घर लौटते वक्त पत्नी के सामने से ही अपहरण किया था। हत्या के बाद दोनों के शवों को फेंक दिया था। जानकारी के मुताबिक, जिले के अंदरूनी इलाके के कडेर के पूर्व सरपंच सुखराम का कुछ दिन पहले नक्सलियों ने मुर्गा बाजार से अपहरण किया था।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम सहित 12 पर चलेगा मुकदमा

पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट में आरोप गठित, ईडी को गवाह पेश करने का निर्देश

रांची, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। टेंडर कमीशन घोटाला मामले के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, उनके पीएस संजीव लाल, निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम सहित 12 लोगों पर अब मुकदमा चलेगा। इन सभी पर पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट में आरोप गठित कर दिए गए हैं।

स्पेशल कोर्ट ने अब ईडी को गवाह पेश करने को कहा है। इससे पहले ईडी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम समेत 13 के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। जिन लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई उसमें से एक आरोपी निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम की मौत हो चुकी है।

टेंडर कमीशन को लेकर ईडी ने डेढ़ साल के भीतर दो बड़ी कार्रवाई की है। पहली कार्रवाई निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के आवास और ठिकानों पर की थी। ईडी ने उनके रांची, जमशेदपुर, पटना और दिल्ली आदि में अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के बाद न केवल निलंबित चीफ इंजीनियर बल्कि उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई के बाद दूसरी कार्रवाई 6 और 7 मई 2024 को की थी। इस दिन ईडी ने कई इंजीनियर, ठेकेदार और पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उसे नौकर जहांगीर आलम के ठिकाने पर छापा मारा था। इस दौरान संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के यहां से 32.20 करोड़ कैश बरामद किया गया था। कार्रवाई के दूसरे दिन 7 मई को ईडी ने संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम को गिरफ्तार किया था। जब इस जांच की आंच पूर्व मंत्री आलमगीर आलम तक पहुंची तो ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को जान से मारने की धमकी

बदमाशों ने मैसेज कर मांगी 50 लाख रुपए रंगदारी, दिल्ली से झारखंड तक पुलिस एक्टिव

रांची, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। रांची के सांसद और केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को धमकी मिली है। अपराधियों ने उनके फोन पर मैसेज कर 50 लाख रुपए देने की मांग की है। भेजे गए मैसेज में अपराधियों ने तीन दिन के भीतर पैसे देने को कहा है, नहीं तो परिणाम भुगतने को तैयार रहने की बात कही है। संजय सेठ संसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली में थे, उसी दौरान उन्हें धमकी भरा मैसेज मिला है।

धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद संजय सेठ ने इसकी जानकारी दिल्ली पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में दिल्ली पुलिस कमिश्नर और दूसरे आला अधिकारी संजय सेठ के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली।

दिल्ली पुलिस ने प्रारंभिक जांच करते हुए बताया कि धमकी भरा यह मैसेज रांची से ही आया है। जांच के क्रम में पता चला है कि रांची के होसिर से मैसेज भेजा गया है। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने झारखंड डीजीपी को पूरा मामला बताया। प्रतिक्रिया देते हुएसंजय सेठ ने कहा कि कल शाम मैं दिल्ली में था तब भी यह बात हुई। मैंने पुलिस को सूचना दे दी है। आज मैं अपने क्षेत्र में हूं। पुलिस अपना काम कर रही है, मैं अपना काम कर रहा हूं। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत जांच शुरू कराने का आदेश दिया है।

दो हाइवा में आग लगाने वाले छह अपराधी गिरफ्तार

जेल में बंद टीएसपीसी उग्रवादी के नाम से मांगते थे रंगदारी, हथियार भी बरामद

लातेहार, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। लातेहार में दो हाइवा को आग लगाने मामले में छह अपराधियों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया गया। जबकि एक अपराधी पुलिस के गिरफ्त से बाहर है। घटना दो नवंबर बालूमाथ थाना क्षेत्र के मकईयांटांड़ स्थित कुसमाही साईडिंग के पास हुई थी। यहां से हाइवा कोयला ट्रांसपोर्टिंग के लिए जा रहे थे। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में तीन लातेहार, एक रांची और दो चतरा जिले के रहने वाले हैं। गिरफ्तार अपराधियों में सुनील गंझू (बुढ़मू, रांची), संजय भगत उर्फ संदीप कुमार भगत, कैलाश गंझू, मनोज ठाकुर (लातेहार), बबन सिंह भोक्ता (चतरा) और दिलीप उरांव (चतरा) शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधी सुनील गंझू, संजय भगत, कैलाश गंझू पहले भी जेल जा चुके हैं। एसपी के अनुसार, ये सभी अपराधी एक गिरोह बनाकर जेल में बंद टीएसपीसी उग्रवादी प्रदीप गंझू के नाम से लातेहार जिले के ट्रांसपोर्टरों, ठेकादारों, कोयला 0व्यवसायी, बालू कारोबारियों से धमकी देकर लेवी वसूली करते हैं। एसपी ने बताया कि दो हाइवा को जलाने के बाद बालूमाथ थाना में केस दर्ज किया था। जांच के दौरान गिरफ्तार सभी अपराधियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। सभी अपराधियों ने अपना अपराध स्वीकार भी किया है।

ये सभी अपराधी एक अक्टूबर को मगध कोलियरी के 20 नंबर कांटा घर के पास एक लोडेड हाइवा और 18 अक्टूबर को चमातु गांव जाने से पहले पुलिया पर एक लोडेड हाइवा को आग लगाने में भी शामिल रहे हैं। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, एक 7.65 एमएम देशी पिस्टल, 7.85 एमएम के दो जिन्दा कारतूस, घटना में प्रयुक्त दो बाइक, 6 मोबाइल फोन व हाइवा जलाने में उपयोग किया गया पेट्रोल जार बरामद किया गया है।

महादेव सट्टा ऐप मामले में नई गिरफ्तारी

कोलकाता से शेयर ब्रोकर गिरफ्तार, ब्लैक–मनी को वाइट में बदला, ईडी ने 388 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

रायपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। महादेव सट्टा ऐप मामले में ईडी की टीम ने एक नई गिरफ्तारी की है। शनिवार को ईडी ने शेयर ब्रोकर गौरव कुमार केडिया को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी गौरव को 5 दिन की कस्टोडियल रिमांड पर ईडी को सौंप दिया। ईडी ने शेयर ब्रोकर को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के मुताबिक गौरव केडिया महादेव सट्टा एप मामले में जेल में बंद नितिन टिबरेवाल समेत ऑनलाइन बैटिंग ऐप से जुड़े लोगों के लिए शेयर खरीदता बेचता था। साथ ही सट्टे से आने वाली ब्लैकमनी को शेयर ट्रेडिंग कर वाइट मनी बदलने काम करता था। ईडी ,रायपुर जोनल ऑफिस ने महादेव सट्टा ऐप मामले में 387.99 करोड़ की संपत्ति को कुर्क किया है। गौरतलब है कि इस केस में फरार चल रहे आरोपी हरि शंकर टिबरेवाल से संबंधित मॉरीशस स्थित कंपनी मेसर्स टानो इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज द्वारा एफपीआई एण्ड एफडीआई में निवेश किया गया। साथ ही छत्तीसगढ़, मुंबई और मध्य प्रदेश में स्थित प्रमोटरों के नाम पर कई अचल संपत्ति खरीदी गई और उनका इन्वेस्टमेंट किया गया है। इस मामले में अब तक प्रवर्तन निदेशालय ने महादेव ऑनलाइन बुक मामले में जुड़े कई सट्टेबाजी, वेबसाइट, पैनल ऑपरेटर और प्रमोटरों और उनके सहयोगियों की 2295.61 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है।

जेल में बंद पूर्व चेयरमैन का मैनपाट में रिसॉर्ट

परिवार के नाम पर रायपुर, धमतरी, सरगुजा में 44 प्रॉपर्टी, जो 50 एकड़ से भी ज्यादा

रायपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सोनवानी को लेकर लगातार बड़े खुलासे हो रहे हैं। 2019 से 2022 के बीच हुई भर्ती में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार के आरोप में वे जेल में हैं। इस बीच, सीजीपीएससी अध्यक्ष रहते हुए सोनवानी के संपत्ति निवेश की इन्वेस्टिगेशन की। पता चला कि सोनवानी और उनके परिजन के नाम पर रायपुर, धमतरी और सरगुजा में ही 50 एकड़ से ज्यादा की जमीनें हैं। 3 साल 3 महीने के कार्यकाल (2 जुलाई 2020 से 8 सितंबर 2023 तक) में उन्होंने संपत्ति में खासा निवेश किया। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट के उरंगा गांव में बेटे के नाम पर 5 एकड़ जमीन खरीदी, इसमें रिसॉर्ट बनवाया। इसे बनाने के लिए सरबदा से मजूदरों को मैनपाट भेजा। अपने कार्यकाल के बीच पत्नी डॉ. पद्मिनी, बेटे अभिषेक और बेटी डॉ. कृति के नाम पर रायपुर, धमतरी, सरगुजा में कई जमीनों की रजिस्ट्री, नामांतरण और तबादला करवाया। सीबीआई ने सोनवानी के साथ बजरंग पॉवर एंड इस्पात के चेयरमैन एसके गोयल को भी 18 नवंबर को गिरफ्तार किया था। गोयल ने अपने बेटे शशांक और बहू भूमिका को डिप्टी कलेक्टर बनवाने के लिए सोनवानी की पत्नी डॉ. पद्मिनी के एनजीओ को 45 लाख रुपए दिए थे। इस गिरफ्तारी के बाद भास्कर ने भुईंया सॉफ्टवेयर के जरिए सोनवानी की संपत्ति की जानकारी जुटानी शुरू की। टीम सरबदा गई, सरबदा में सोनवानी ने 20 से 25 लाख रुपए प्रति एकड़ की दर से जमीनें खरीदीं। पूर्व पीएससी सचिव जीवन किशोर ध्रुव (सेवानिवृत्त आईएएस) का है। पीएससी 2021 में ध्रुव के बेटे सुमित का चयन हुआ था। 6 अक्टूबर 2020 से सचिव रहे ध्रुव को 5 जनवरी 2024 को पद से हटा दिया गया था। दूसरा- राज्य प्रशासनिक सेवा की तत्कालीन पीएससी परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक। वे लंबे समय तक पीएससी में रही थीं। 19 फरवरी 2024 को हटाकर बस्तर में पदस्थ कर दिया गया है। पीएससी मुख्य परीक्षा समेत अन्य परीक्षाओं के आयोजन, प्रश्न पत्र छपवाने, इंटरव्यू के पैनल तय करने, रिजल्ट बनाने और जारी करने समेत तमाम जिम्मेदारी अध्यक्ष, सचिव और परीक्षा नियंत्रक की होती है।

अब 2500 रुपए मिलने हैं, इसलिए लंबी हुई कतार

मंईयां सम्मान योजना के आवेदन को जमा करने में हो रही परेशानी रोज उमड़ रही सैकड़ों की भीड़

धनबाद, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद में मंईयां सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए अंचल कार्यालय पर शनिवार को महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ ऐसी कि महिलाओं के बीच धक्का-मुक्की तक की नौबत आ गई। फॉर्म जमा करने वाली महिलाओं की कतार कार्यालय से बाहर तक पहुंच गई। महिलाओं का कहना है कि झारखंड सरकार मंईयां सम्मान योजना लेकर तो आ गई है, पर फॉर्म भरने के लिए हो रही भीड़ काफी परेशान कर रही है। आवेदिका मधु ने कहा- झारखंड सरकार ने 2500 रु का लालच हम महिलाओं को दे दिया है। अब स्थिति यह है कि यहां भीड़ बढ़ने से उच्चकों की चांदी हो गई है।

कर्ज में डूबे पति ने पत्नी को मार-डाला

कोरबा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में कर्ज में डूबे पति ने अपनी पत्नी को मार डाला। बताया जा रहा है कि पत्नी, 2 बेटियों पर सोते वक्त ब्लेड और पत्थर से ताबड़तोड़ हमला किया है, फिर खुद जहर खा लिया। बेटियों और आरोपी पिता की हालत गंभीर है। मामला दर्री थाना क्षेत्र के मोहन टॉकीज के पास का है। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी मनोज साहू कर्ज ले रखा है। शेयर मार्केट में भी लाखों रुपए गंवा चुका है, जिससे वह परेशान रहता था। कर्ज को लेकर पति-पत्नी में अक्सर विवाद भी होते रहता था, इसलिए उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।

दरअसल, शुक्रवार की रात मनोज साहू (42), पत्नी सतरूपा (40), परिधि (07) और काव्या साहू (12) एक साथ खाना खाने के बाद कमरे में सोने चले गए थे। शनिवार सुबह करीब 4 बजे मनोज साहू उठा। बेड पर सो रही पत्नी सतरूपा पर हमला करने लगा। इस दौरान मां की चीख-पुकार सुनकर दोनों बच्चियां उठ गईं, तो उन पर भी हमला कर दिया। पति के ताबड़तोड़ हमले से पत्नी सतरूपा ने मौके पर दम तोड़ दिया। वारदात के बाद मनोज ने खुद पर भी ब्लेड चला लिया। जब उसकी मौत नहीं हुई तो जहर खा लिया।

मामले की जानकारी मिलते ही परिजनों पड़ोसियों को सूचना दी। लोगों की घर में भीड़ जमा हो गई। एंबुलेंस के माध्यम से पिता और 2 घायल बेटियों को जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं घर के फर्श, बेड और अन्य जगहों पर खून ही खून बिखरा पड़ा है। वारदात की सूचना पर दर्री सीएसपी विमल कुमार पाठक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कमरे को सील कर दिया है।

सीरिया में विद्रोही गुट का तीसरे शहर पर भी कब्जा

सुन्नी लड़ाकों ने राजधानी को घेरा, भारत ने नागरिकों से कहा- जल्द से जल्द वापस लौटें

दमिश्क, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम (एचटीएस) और उसके सहयोगियों ने तीसरे शहर 'दारा' पर भी कब्जा कर लिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक विद्रोही गुटों ने यहां मौजूद सेना के साथ समझौता कर लिया है।

2011 में दारा शहर से ही असद सरकार के खिलाफ क्रांति की शुरुआत हुई थी। रॉयटर्स के मुताबिक सेना ने खुद विद्रोहियों को दमिश्क तक जाने का सुरक्षित रास्ता दे दिया। दारा शहर सीरिया के दक्षिणी इलाके में है और जॉर्डन से सटा हुआ है। इस पर कब्जा होने के बाद राजधानी दमिश्क दोनों तरफ से घिर गई है।

सीरिया में 27 नवंबर को सेना और विद्रोही गुटों के बीच संघर्ष शुरू हुआ था। इसके बाद 1 दिसंबर को विद्रोहियों ने उत्तरी शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। इसके 4 दिन बाद विद्रोही गुटों ने एक और बड़े शहर हमा पर भी कब्जा कर लिया।

विद्रोहियों ने दक्षिणी शहर दारा पर कब्जा करने के बाद राजधानी दमिश्क को दो दिशाओं से घेर लिया है। दारा और राजधानी दमिश्क के बीच सिर्फ 90 किमी की दूरी है। इस बीच ईरान ने अपने लोगों को सीरिया से बाहर निकालना शुरू कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात सीरिया की यात्रा और वहां रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ईरान ने शुक्रवार से सीरिया से अपने सैन्य कमांडरों, रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़े लोगों, राजनयिक कर्मचारियों और उनके परिवारों को निकालना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि ईरान पहले की तरह असद सरकार का साथ देने में असमर्थ है। अधिकारी ने बताया कि दमिश्क में रह रहे विशेष कर्मचारियों को विमानों से तेहरान लाया जा रहा है। जबकि बाकियों को जमीनी रास्ते से लताकिया बंदरगाह जा रहे हैं जहां से वे ईरान पहुंचेंगे। ईरानी मामले के जानकारी मेहदी रहमती ने एनवाईटी से कहा कि ईरान ने अपनी अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों को निकालना शुरू किया है, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि सीरिया की सेना विद्रोहियों का मुकाबला नहीं कर पाएगी।

दारा शहर पर कब्जे के बाद सीरिया का झंडा लहराते विद्रोही लड़ाके

ईरानी संसद के सदस्य अहमद नादेरी ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि सीरिया पतन के कगार पर है और हम शांति से यह सब देख रहे हैं। अगर दमिश्क गिर गया तो ईरान, इराक और लेबनान में अपना असर खो देगा। मुझे समझ नहीं आता कि हमारी सरकार इस पर चुप क्यों है। यह हमारे देश के लिए अच्छा नहीं है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस सप्ताह दमिश्क की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने सीरिया की सुरक्षा करने का वचन दिया था। हालांकि, शुक्रवार को उन्होंने बगदाद में इससे अलग बयान दिया। उन्होंने कहा- हम भविष्य नहीं बता सकते। अल्लाह की जो भी इच्छा होगी वही होगा। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने असद को सैन्य और राजनीतिक समर्थन दिया था, लेकिन इस बार के संकट में रूस का असद को बचाने कोई इरादा नहीं है। शुरुआत में रूसी वायुसेना ने अलेप्पो में विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी लेकिन ये मदद कम होती जा रही है। इस बीच दमिश्क में रूसी दूतावास ने अपने नागरिकों को देश छोड़ने की सलाह दी है।

पाकिस्तानियों को अब बिना सिक्योरिटी क्लीयरेंस बांग्लादेश में एंट्री

भारतीयों को वीजा देने में कटौती बांग्लादेशी फॉरेन एडवाइजर बोले- भारत से हमारे रिश्ते बदल गए

ढाका, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी नागरिक अब बिना सिक्योरिटी क्लीयरेंस के भी बांग्लादेश में एंट्री कर सकेंगे। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा अप्लाई करने से पहले सिक्योरिटी क्लीयरेंस की शर्त को खत्म कर दिया है। लोकल मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश के गृह मंत्रालय के सिक्योरिटी सर्विसेज डिवीजन (एसएसडी) ने विदेश मंत्रालय को इस बारे में जानकारी दी। पाकिस्तानी नागरिकों को साल 2019 से बांग्लादेशी वीजा अप्लाई करने से पहले एसएसडी से नॉन ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना जरूरी था। वहीं भारतीय नागरिकों को बांग्लादेश का वीजा देने में कटौती की जा रही है। ढाका ने इसे लेकर बांग्लादेश के कोलकाता मिशन को आदेश भेजा है। मोहम्मद युनूस की सरकार लगातार पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही है। पिछले महीने ही पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सीधे समुद्री संपर्क की शुरुआत हुई थी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर सांसद कृष्णमूर्ति चिंतित

कहा- लक्षित हिंसा को तुरंत रोका जाए

वॉशिंगटन, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कुछ दिनों पहले हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। इस पूरे मामले पर अमेरिकी सांसद ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि बांग्लादेश को हिंदू विरोधी हिंसा को समाप्त करना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए। अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने चिन्मय दास की गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश में हाल ही में फैली अशांति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बांग्लादेशी सरकार से मानवाधिकारों को बनाए रखने, कानूनी सुरक्षा की गारंटी देने और हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ लक्षित हिंसा को समाप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य के खिलाफ जारी हिंसा स्वीकार नहीं की जा सकती है। इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। मैं बांग्लादेश सरकार से शांतिपूर्वक तनाव कम करने के लिए निर्णायक कदम उठाने का आग्रह करता हूं।' इलिनोइस के सांसद ने शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों की सुरक्षा के लिए बांग्लादेश की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और यह सुनिश्चित किया कि गिरफ्तार व्यक्तियों को उचित कानूनी प्रतिनिधित्व मिले। उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश सरकार को शांतिपूर्ण विरोध तथा उचित कानूनी प्रतिनिधित्व के अधिकारों सहित मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बनाए रखना व उनकी रक्षा करनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि मौजूदा तनाव को कम करने के लिए इस तरह के उपाय महत्वपूर्ण हैं।'

गौरतलब है कि 26 नवंबर को हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत याचिका खारिज होने के बाद उनके समर्थकों ने जेल ले जा रहे जेल वैन को रोक दिया था। इस घटना के दौरान एक सरकारी वकील की मौत हो गई थी। दास को देशद्रोह के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था, जिससे राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

अन्य घटनाक्रमों में बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में अदालत परिसर में अफरातफरी नजर आई, जबकि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के कई नेताओं और करीबी सहयोगियों पर पुलिस सुरक्षा के बावजूद अदालत में पेशी के दौरान भीड़ ने हमला किया।

नाटो के दरवाजे पर रूस के परमाणु हथियार

पुतिन बेलारूस में तैनात करेंगे हाइपरसोनिक मिसाइल, पश्चिम की बढ़ी टेंशन!

मॉस्को, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस एक बेहद अहम समझौते के तहत अपने करीबी सहयोगी बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करने जा रहा है। इसे नाटो देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी की तरह देखा जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और बेलारूस के प्रेसीडेंट अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने शुक्रवार (6 दिसंबर) को एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते में बेलारूस में रूसी सामरिक परमाणु हथियारों की तैनाती की बात है। पुतिन ने बेलारूस में ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइलों को भी तैनात करने पर सहमति जताई है। ये मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं।

रूस और बेलारूस के बीच नया सुरक्षा समझौता दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करेगा। ये समझौता रूस के परमाणु सिद्धांत में हालिया संशोधन के बाद हुआ है। इस संशोधन ने पहली बार बेलारूस को रूसी परमाणु सुरक्षा के दायरे में लाया है। इसका मतलब है कि अगर बेलारूस पर हमला होता है तो रूस अपनी परमाणु शक्ति का इस्तेमाल कर सकता है। यह समझौता लुकाशेंको को बेलारूस में तैनात रूसी सामरिक परमाणु हथियारों के संभावित इस्तेमाल पर एक हद तक नियंत्रण भी देता है। पुतिन ने इस समझौते के बाद कहा कि यह संधि रूस और बेलारूस की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। वहीं लुकाशेंको ने पुतिन से ओरेशिनक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम) को बेलारूस में तैनात करने का अनुरोध करते हुए कहा, 'मैं आपसे सार्वजनिक रूप से नए हथियार प्रणालियों, मुख्य रूप से ओरेशिनक को बेलारूस में तैनात करने के लिए कह रहा हूं।

यह कुछ लोगों के सिर को ठंडा करने में मदद करेगा।' पुतिन का कहना है कि नई विकसित मिसाइलें अगले साल तक बेलारूस में तैनात की जाएंगी।

20 साल बाद मसूद अजहर के स्पीच देने का दावा

कहा- मोदी कमजोर, नेतन्याहू चूहा, क्या 300 लोग नहीं जो मेरी बाबरी वापस दिला सकें

कराची, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद चीफ मसूद अजहर के स्पीच देने का दावा किया गया है। बताया जा रहा है कि उसने बहावलपुर की मस्जिद में अपने समर्थकों के बीच भारत और पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ स्पीच दी। बाबरी मस्जिद का भी जिक्र किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजहर ने तुर्की में 1924 में खिलाफत के खत्म होने के 100 साल पूरे होने पर भाषण दिया है। यह भाषण 3 दिसंबर को जैश के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुआ। इसमें मसूद ने भारत, पीएम मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू के खिलाफ बातें कही हैं।

जैश-ए-मोहम्मद ने यह नहीं बताया है अजहर ने अपना भाषण किस तारीख को और कहां पर दिया। हालांकि, जैश से जुड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पहले भी मसूद अजहर के पुराने भाषण जारी किए जाते रहे हैं, लेकिन यह पहला ऐसा भाषण है जिसके

बारे में कहा जा सकता है कि यह नया है, क्योंकि इस भाषण में गाजा जंग का जिक्र किया गया है। भारत के खुफिया अधिकारी ने द प्रिंट से कहा कि मसूद अजहर का यह भाषण शायद पिछले महीने के आखिर में पाकिस्तान के बहावलपुर के बाहर 1000 एकड़ में फैले उम्म-उल-कुरा मदरसा और मस्जिद परिसर में हुआ था।

यह वही जगह है जिसे 2019 में पाकिस्तानी सरकार ने अपने कब्जे में लेने का दावा किया था, लेकिन स्थानीय निवासियों के अनुसार, वहां आज भी जैश-ए-मोहम्मद का कब्जा है और सुरक्षा के लिए हथियारबंद गार्ड तैनात हैं। 2022 में पाकिस्तान के तब के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा था कि अजहर अफगानिस्तान भाग गया है।

अजहर भारत में एक नहीं बल्कि कई आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार है। संसद हमले के अलावा मसूद 2016 में हुए पठानकोट हमले का भी मास्टरमाइंड है। इस मामले में दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के मुताबिक, मसूद ने भारत पर हमलों के लिए जैश-ए-मोहम्मद के कैडर का इस्तेमाल किया था। उसने 2005 में अयोध्या में राम जन्मभूमि और 2019 में पुलवामा में सीआरपीएफ के जवानों पर भी हमला करवाया था। इसके अलावा मसूद 2016 में उरी हमले और अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ में भारतीय कॉन्सुलेट पर अटैक का भी जिम्मेदार है। अजहर अल-कायदा चीफ ओसामा बिन लादेन और तालिबान फाउंडर मुल्ला उमर का खास था। मसूद अजहर पहली बार 29 जनवरी, 1994 को बांग्लादेश से विमान में सवार होकर ढाका से दिल्ली पहुंचा था। 1994 में अजहर फर्जी पहचान बनाकर श्रीनगर में दाखिल हुआ था। उसका मकसद हरकत-उल-जिहाद अल-इस्लामी और हरकत-उल-मुजाहिदीन गुटों के बीच तनाव कम करना था।

सिख विरोधी हिंसा को नरसंहार बताने वाला प्रस्ताव खारिज

ओटावा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा के सांसद चंद्रा आर्य ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को नरसंहार करार देने वाले प्रस्ताव के खिलाफ अपना कड़ा रुख साझा किया। उन्होंने कहा कि वह हाउस ऑफ कॉमन्स में मौजूद एकमात्र सांसद थे, जिन्होंने प्रस्ताव का विरोध किया। साथ ही इसके पारित होने में बाधा पैदा की। कनाडाई सांसद ने हिंदू-कनाडाई समुदाय की चिंताओं को आवाज देने के कारण उन पर जारी खतरों और दबाव को भी उजागर किया। साथ ही चेतावनी दी कि राजनीतिक रूप से शक्तिशाली खालिस्तानी लॉबी संभवतः इस प्रस्ताव को फिर से आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी।

आर्य ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज, सरे-न्यूटन के सांसद ने संसद से सिखों के खिलाफ भारत में 1984 के दंगों को नरसंहार घोषित करने का प्रयास किया। उन्होंने अपने प्रस्ताव को पारित करने के लिए हाउस ऑफ कॉमन्स में सभी सदस्यों से सर्वसम्मति मांगी। मैं सदन में मौजूद एकमात्र सदस्य था, जिसने न कहा और मेरी एक आपत्ति इस प्रस्ताव को स्वीकार होने से रोकने के लिए काफी थी।' उन्होंने कहा, 'इसके तुरंत बाद, मुझे संसद भवन के अंदर खड़े होने और न कहने के लिए धमकी दी गई। संसद के भीतर और बाहर मुझे हिंदू-कनाडाई लोगों की चिंताओं को स्वतंत्र रूप से और सार्वजनिक रूप से रखने से रोकने के लिए कई कोशिश की गई। मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने आज इस विभाजनकारी एजेंडे को सफल होने से रोक दिया है, लेकिन हम आत्मसंतुष्ट होने का जोखिम नहीं उठा सकते। अगली बार, हम उतने भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि खालिस्तान प्रस्ताव को फिर से लाने की कोशिश कर सकता है। राजनीतिक रूप से शक्तिशाली खालिस्तानी लॉबी निस्संदेह 1984 के दंगों को नरसंहार करार देने के लिए संसद पर फिर से दबाव बनाने की कोशिश करेगी।

इजरायली हमलों में 20 लोगों की मौत

गाजा में युद्धविराम की आस में कतर

गाजा, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। हमास और इजरायल के बीच बीते साल सात अक्तूबर को शुरू हुई जंग के थमने के आसार हाल फिलहाल नजर नहीं आ रहे। अहर खत्म होते दिन के साथ यह जंग और बढ़ती ही जा रही है। इजरायल ने हमास को जड़ से नेस्तनाबूद करने की कसम खाई है, इसका खामियाजा गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। यह शहर मलबों के ढेर में तब्दील हो गया है। इस बीच, गाजा में शनिवार को हुए इस्राइली हमलों में 20 लोग मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। वहीं, दूसरी ओर कतर ने इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम समझौते के लिए कोशिशों में नई उम्मीद जताई है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि गाजा के स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, इजरायली सेना द्वारा शनिवार को किए गए हमलों में 20 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में कम से कम आठ नागरिक थे। हालांकि बाकी लोगों के बारे में यह साफ नहीं है कि वे लड़ाके थे या नहीं। इजरायली सेना ने गाजा सिटी और राफा में कथित हमलों पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है। फ़िलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, शनिवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक फ़िलिस्तीनी व्यक्ति को इजरायली सेना ने एक चेकपॉइंट पर गोली मार दी। पुलिस ने कहा कि ऐसा तब किया गया जब उसने वहां सुरक्षा बलों पर पटाखे फेंके थे और उसके पास एक चाकू भी मिला था। इस बीच, कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने हमास और इस्राइल के बीच युद्ध विराम को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी चुनाव के बाद संघर्ष विराम वार्ता को नई गति मिल सकती है। इस दिशा में कतर ट्रम्प प्रशासन के साथ बातचीत कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप के मध्य पूर्व दूत ने युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई से जुड़े समझौते के लिए अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के कूटनीतिक प्रयास को गति देने के लिए कतर और इजरायल की यात्रा की है। गौरतलब है कि 7 अक्तूबर को हमास ने इजरायल पर एक आतंकी हमला किया था।

रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर के नतीजे को अदालत ने पलटा

बुकारेस्ट, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर के नतीजे को सर्वोच्च अदालत ने पलट दिया। अदालत ने अपने फैसले में बताया कि प्रक्रिया को फिर से शुरू किया जाना चाहिए। उन्हें इस नतीजे में रूस के शामिल होने का संदेह है, जिसके कारण राजनेता कैलिन जॉर्जेस्कू सबसे आगे निकले। अदालत का यह फैसला राष्ट्रपति क्लॉस इओहानिस के खुफिया जानकारी का खुलासा करने के बाद आया। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान रोमानिया रूसी हमलों का लक्ष्य बन गया था। इस अभियान में कई सोशल मीडिया प्रोफाइल शामिल थे, जो टिकटॉक और टेलीग्राम जैसे प्लेटफार्मों पर जॉर्जेस्कू का समर्थन करते थे। शुक्रवार के फैसले में अदालत ने राष्ट्रपति के चुनाव के लिए पूरी चुनावी प्रक्रिया को रद्द करने का फैसला किया। अगालत ने अपने बयान में कहा, राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह से दोबारा शुरू की जाएगी, और सरकार आवश्यक कदमों के लिए एक नई तारीख तय करेगी। बता दें कि जॉर्जेस्कू अपने यूरोपीय संघ विरोधी और नाटो विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं। 25 नवंबर को रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में सबसे आगे चल रहे थे। 62 वर्षीय कैलिन जॉर्जेस्कु के पास लगभग 23 प्रतिशत वोट थे। प्रधानमंत्री मार्सेल सिओलाकु 20 प्रतिशत वोट के साथ दूसरे स्थान पर थे।

ब्रिटिश राजघराने ने वापस लिया सम्मान तो भड़के भारतवंशी सांसद

लंदन, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटिश संसद के उच्च सदन 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' के भारतीय मूल के सदस्य रमिंदर सिंह रेंजर ने ब्रिटिश राजघराने की तरफ से दिए गए सम्मान को वापस लिए जाने के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। शुक्रवार को उन्हें कमांडर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर का सम्मान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन पर सम्मान प्रणाली को बदनाम करने का आरोप है। इस पर रमिंदर ने कहा है कि वह मामले में कानूनी कार्रवाई का सहारा लेंगे। कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य और ब्रिटेन स्थित एफएमसीजी कंपनी सन मार्क लिमिटेड के संस्थापक रमिंदर सिंह रेंजर को दिया सम्मान ब्रिटिश राजघराने के प्रमुख किंग चार्ल्स तृतीय की तरफ से रद्द और निरस्त कर दिया गया। रमिंदर को लॉर्ड रमी रेंजर के नाम से भी जाना जाता है। ब्रिटिश मंत्रिमंडल कार्यालय की जब्ती समिति ने हालांकि ऐसी सिफारिशों के पीछे के कारणों को स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन यह कदम पिछले साल लॉर्ड्स की जांच के बाद उठाया गया है, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया था कि रेंजर ने धमकाने और उत्पीड़न से संबंधित संसदीय आचार संहिता का उल्लंघन किया था। लॉर्ड रेंजर को 31 दिसंबर, 2015 को 'कमांडर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर' के रूप में नियुक्ति दी गई थी। इस पूरे घटनाक्रम के बाद लॉर्ड रमी रेंजर की तरफ से आधिकारिक बयान में कहा गया, मुझे ब्रिटिश राजघराने से मिला सम्मान वापस ले लिया गया, क्योंकि मैंने भारत को तोड़ने का इरादा रखने वाले खालिस्तान समर्थकों और बीबीसी का विरोध किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बीबीसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक दो एपिसोड की डॉक्यूमेंट्री बनाई है, जिसमें यह इशारा किया गया है कि 20 वर्ष पहले पीएम मोदी गुजरात दंगों में शामिल थे, भारत की शीर्ष अदालत उन्हें इस मामले में बरी कर चुकी है। पारदर्शिता की कमी और गोपनीयता के उच्च स्तर पर गंभीर चिंताएं जताईं और कहा कि वह अनुचित निर्णय को चुनौती देने पर विचार कर रहे हैं।

नेपाल आधिकारिक तौर पर चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट में शामिल

इसके जरिए नेपाल के इन्फ्रास्ट्रक्चर में इन्वेस्ट करेगा चीन, पीएम ओली ने गेम चेंजर बताया

बीजिंग, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने हाल ही में चीन की पांच दिवसीय यात्रा की है। इस दौरान नेपाल आधिकारिक तौर पर चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) फ्रेमवर्क एग्रीमेंट में शामिल हो गया। इस एग्रीमेंट का मकसद ट्रांस-हिमालयन मल्टी-डायमेंशनल कनेक्टिविटी नेटवर्क तैयार करना है। जिसके जरिए नेपाल को बिजनेस और कनेक्टिविटी के एक रीजनल सेंटर में बदलना है। इंडिया टुडे के मुताबिक, इस प्लान में कई जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना जैसे हाईवे, रेलवे और एनर्जी नेटवर्क शामिल है। यह नेपाल की चीन और एशिया के दूसरे देशों से कनेक्टिविटी बढ़ाकर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का वादा करता है।

केपी ओली ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मीटिंग में बीआरआई को नेपाल के लिए गेम चेंजर बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह नेपाल में डेवलपमेंट के नए मौके लेकर आएगा। बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर से बिजनेस, टूरिज्म, एग्रीकल्चर और हाइड्रोपावर के लिए नए रास्ते खुलेंगे। नेपाल का औपचारिक तौर पर चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट में शामिल होना उसकी विदेश नीति में बड़े बदलाव की तरफ इशारा करता है। ऐतिहासिक रूप से, नेपाल के भारत के साथ काफी दोस्ताना रिश्ते रहे हैं। हालांकि, पिछले कुछ वक्त से नेपाल भारत पर निर्भरता कम करने के लिए चीन के साथ नए आर्थिक अवसरों की तलाश कर रहा है। चीन ने बीआरआई प्रोजेक्ट के जरिए नेपाल के इन्फ्रास्ट्रक्चर में बदलाव के कई वादे किए हैं, लेकिन इसे चीन की डेट ट्रैप डिप्लोमेसी (ऋण-जाल कूटनीति) के तौर पर भी देखा जा रहा है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जो भी देश बीआरआई का कर्ज चुकाने में नाकाम हो जाते हैं, उनकी स्ट्रेटेजिक प्रॉपर्टी पर चीन का कब्जा हो जाता है।

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति को हटाने के लिए महाभियोग शुरू

इमरजेंसी लगाने पर विपक्ष का एक्शन, सत्ताधारी पार्टी से 8 वोटों की जरूरत

सियोल, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून सुक-योल को हटाने के लिए महाभियोग पर वोटिंग शुरू हो गई है। राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर को विपक्षी पार्टी पर नॉर्थ कोरिया से सांठगांठ करने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाकर देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। इसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए विपक्ष उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लेकर आया था। राष्ट्रपति यून को पद से हटाने के लिए 200 वोटों की जरूरत होगी।

विपक्षी पार्टियों के पास 192 सांसद हैं यानी कि सत्ताधारी पार्टी से भी 8 वोट चाहिए। हालांकि शनिवार को महाभियोग पर वोटिंग से पहले सत्ताधारी पार्टी के 108 सांसदों में से 107 ने सदन से वॉकआउट कर दिया। इनमें से 3 सांसद वापस आ गए हैं। दूसरी तरफ संसद के बाहर भीड़ सत्ताधारी पार्टी के सांसदों को वापस सदन में जाने के लिए नारे लगा रही है। सदन में वोटिंग की प्रोसेस को थोड़ा धीमा कर दिया गया है। दरअसल, स्पीकर को उम्मीद है कि राष्ट्रपति के खिलाफ वोट देने के लिए सत्ताधारी पार्टी के कुछ और सांसद लौट सकते हैं। इस बीच विपक्षी नेताओं ने कहा है कि अगर आज महाभियोग प्रस्ताव फेल हो जाता है, तो वे बुधवार को इसे फिर से पेश करेंगे। वहीं राष्ट्रपति यून सुक-योल ने मार्शल लॉ लगाने के लिए देश से माफी मांगी है। उन्होंने लाइव टीवी पर सिर झुकाकर जनता के सामने

मार्शल लॉ लगाए जाने को गलत कहा। हालांकि उन्होंने इस्तीफे की घोषणा नहीं की। अगर यून मई 2027 में अपने पांच साल का कार्यकाल खत्म होने से पहले पद छोड़ते हैं, तो संविधान के मुताबिक, 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराना जरूरी होगा। संसद में महाभियोग प्रस्ताव पास होने पर यून के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा चलाया जाएगा। जहां 9 में से 6 के जजों के वोट से प्रस्ताव साबित हो जाएगा। फिलहाल साउथ कोरिया की कोर्ट में सिर्फ 6 जज हैं, इस वजह से यह साफ नहीं है कि 7 जजों के बिना ये मुकदमा चलेगा या नहीं। साउथ कोरिया में राजनीतिक संकट तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति ने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की। इसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन होने लगे थे और अराजकता की स्थिति पैदा हो गई। इसी बीच देश की नेशनल असेंबली में मौजूद 190 सांसदों ने सर्वसम्मति से इस फैसले पलट दिया, जिसके बाद राष्ट्रपति मार्शल लॉ को हटाने का वादा किया था।

पेपर लीक-डमी कैंडिडेट मामले में एसओजी का बड़ा एक्शन

दो सरकारी कर्मचारियों सहित तीन अरेस्ट

जयपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। पेपरलीक मामले में एसओजी ने शुक्रवार को अनुचित साधनों का उपयोग करने वाले दो राजकीय कर्मचारी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसओजी एडीजी वी.के सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सूरजाराम जाट (27) निवासी बीकानेर, विमला विश्नोई (24) निवासी बाड़मेर और विप्लेश कुमार (26) निवासी फलौदी शामिल हैं।

ईओ आरओ परीक्षा में आरोपी सूरजाराम, तुलछाराम कालेर का निकटतम सहयोगी था और पेपर पढ़ाने में विशेष सहयोग किया था। वह वर्तमान में कार्यालय अतिरिक्त कलक्टर व सचिव मंडी विकास समिति बीकानेर में वरिष्ठ सहायक है।

बता दें कि एसओजी लगातार पेपर लीक मामले में कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

आरोपी विमला पर 5 लाख का इनाम

आरोपी विमला विश्नोई की गिरफ्तारी के लिए पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। विमला के स्थान पर दोनों पारियों में अलग-अलग डमी अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। इस मामले में अब तक 15 लोग गिरफ्तार किए जा चुके है।

डमी अभ्यर्थी बिठाकर बना टीचर

वहीं, विप्लेश कुमार रीट-लेवल प्रथम परीक्षा में अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी बिठाकर चयनित हुआ है और वर्तमान में राजकीय प्राथमिक विद्यालय जन्मसागर फलौदी में पदस्थापित है।

मंत्री किरोड़ी लाल के खिलाफ दर्ज मामले में

डीसीपी आनंद का बड़ा खुलासा, बोले- 'रिपोर्ट में बातचीत का जिक्र'

जयपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीना और सीआई कविता शर्मा के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। सीआई कविता शर्मा ने पुलिस के रोजनामचे में एसआई परीक्षार्थियों के घर देर रात कार्रवाई का जिक्र करते हुए मंत्री किरोड़ी लाल के खिलाफ राजकार्य में बाधा की रिपोर्ट लिखी। जिसे लेकर मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने प्रेसवार्ता की। जिसके बाद अब डीसीपी दिगंत आनंद ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

'सरकार मेरी है तो क्या अन्याय सहन कर लूं'- किरोड़ी लाल

वहीं, कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने पत्रकारों से बातचीत में अपनी ही सरकार पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मेरी सरकार में मेरे खिलाफ ही मुकदमे दर्ज हो रहे हैं, सरकार मेरी है तो क्या अन्याय सहन कर लूं।' गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म से बात की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

किरोड़ी ने महेश नगर थानाधिकारी कविता शर्मा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि, वे इतनी असरदार है कि कांग्रेस शासनकाल में उनका बाल बांका नहीं हुआ और अब भी उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

उन्होंने कहा कि, 3 दिसंबर को कविता शर्मा देर रात मंजू शर्मा और ममता गुर्जर को जबरन उठाने पहुंचीं।

उनके परिवार के विरोध के बावजूद वह घर में घुस गईं। इस घटना से मंजू शर्मा की दादी दहशत में आ गईं और सदमे से उनकी मौत हो गई।

उन्होंने इसे कविता शर्मा की जिम्मेदारी बताया और सख्त कार्रवाई की मांग की।

किरोड़ी ने कहा कि मुझसे गलती हुई कि वह मौके पर पहुंच गए, आगे से ऐसा नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि, उनके खिलाफ जो रिपोर्ट दर्ज हुई, उसके बारे में मुख्यमंत्री बता सकते हैं।

ऊर्जा मंत्री और कांग्रेस विधायक के बीच तीखी बहस

भ्रष्टाचार और बिजली संकट को लेकर लगाए आरोप

सवाई माधोपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के जिला परिषद सभागार में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर द्वारा बुलाई गई समीक्षा बैठक हंगामे की भेंट चढ़ गई। बैठक में बामनवास विधायक इंदिरा मीणा और खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बिजली आपूर्ति और अवैध बजरी खनन जैसे मुद्दों पर चर्चा के दौरान माहौल गरमा गया। बैठक के दौरान कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में ट्रांसफॉर्मर और बिजली आपूर्ति में भारी गड़बड़ियां हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर ट्रांसफॉर्मर नहीं मिल रहे हैं और ठेकेदारों व दलालों का बोलबाला है। सरकार इन मुद्दों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

विधायक के आरोपों का जवाब देते हुए ऊर्जामंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि इन सभी समस्याओं की जड़ पूर्ववर्ती सरकार की नीतियां हैं। उन्होंने कहा कि जो भ्रष्टाचार पहले था, उसे हम सुधार रहे हैं। ठेकेदारी प्रथा को खत्म किया जा रहा है। अशोक गहलोत सरकार और आपके (इंदिरा मीणा) कार्यकाल की देन को हम ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री के इस जवाब से नाराज होकर इंदिरा मीणा ने बैठक का एजेंडा फाड़ दिया और जोरदार विरोध करते हुए बैठक छोड़ दी। उन्होंने कहा- आप हमें बैठक में बुलाकर अपमानित कर रहे हैं। समस्याओं का समाधान करने की बजाय आप उल्टे आरोप लगा रहे हैं। बैठक के दौरान अवैध बजरी खनन का मुद्दा भी उठाया गया। इंदिरा मीणा ने कहा कि रोज हजारों ट्रैक्टर बजरी ले जा रहे हैं और पुलिस उगाही कर रही है। अगर आपमें दम है तो इसे रोककर दिखाइए। वहीं, खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार समस्याओं के समाधान के लिए काम कर रही है और ऐसे आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं।

किरोड़ी लाल मीना के समर्थन में उतरे हनुमान बेनीवाल

भजनलाल सरकार से पूछे कड़े सवाल

जयपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग उठा रहे छात्रों के पक्ष में खड़े कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीना का हनुमान बेनीवाल साथ देते नजर आ रहे है। बेनीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर किरोड़ी का समर्थन करते हुए सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने लिखा कि जयपुर के महेश नगर थाने के रोजनामचे में राजस्थान सरकार के वरिष्ठ मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल के खिलाफ राजकार्य में बाधा का प्रकरण किसके कहने से दर्ज हुआ ?

बता दें कि एसआई परीक्षार्थियों के घर सीआई कविता शर्मा देर रात पाबंद करने के लिए पहुंची। उसी वक्त सूचना पर मंत्री किरोड़ी लाल भी पहुंच गए। मंत्री ने सीआई से देर रात कार्रवाई को लेकर विरोध जताया। जिसे लेकर सीआई कविता शर्मा ने पुलिस के रोजनामचा किरोड़ी लाल के खिलाफ राजकार्य में बाधा की रिपोर्ट लिखी। जिसे लेकर मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने प्रेसवार्ता की।

'किसके कहने से दर्ज हुआ प्रकरण'

हनुमान बेनीवाल ने किरोड़ी लाल के समर्थन में सरकार का विरोध जताते हुए लिखा कि 'मेरा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सवाल है कि जयपुर के महेश नगर थाने के रोजनामचे में राजस्थान सरकार के वरिष्ठ मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल के खिलाफ राजकार्य में बाधा का प्रकरण किसके कहने से दर्ज हुआ ? राजस्थान में SI भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने का प्रमाण राज्य की सबसे बड़ी जांच एजेंसी SOG

दे चुकी है। ऐसे में राजस्थान सरकार के वरिष्ठ मंत्री किरोड़ी लाल द्वारा इस भर्ती को रद्द करवाने की मांग को लेकर आंदोलित छात्रा को पुलिस द्वारा घर से जबरन उठाने के मामले में पुलिस से जानकारी लेने से जुड़े मामले में कौनसा राजकार्य बाधित हुआ ?'

'बेरोजगारों के मुद्दे पर भाजपा दोगलापन कर रही है'

उन्होंने आगे लिखा कि 'प्रदेश सरकार के एक मंत्री द्वारा कहना की सरकार मेरी है तो क्या मैं अन्याय सहन करूंगा ? मंत्री जी का यह वक्तव्य इस बात का प्रमाण है कि राजस्थान की भाजपा सरकार संवेदनशील नहीं है और बेरोजगारों के मुद्दे पर भाजपा दोगलापन कर रही है ऐसे में यह भी स्पष्ट है कि भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है क्योंकि SOG, पुलिस मुख्यालय तथा एडवोकेट जनरल भी इस भर्ती को रद्द करने की सिफारिश कर चुके है बावजूद इसके सरकार चुप है।'

किसकी मेहरबानी से बची हुई है?

कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने प्रेसवार्ता में पीएम मोदी का एक वीडियो सुनाते हुए बुधवार को पुलिस की दबिश पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलिस परिजनों को बिना बताए हिरासत में नहीं ले सकती। आगे किरोड़ी लाल मीना ने कहा इस दबिश की दहशत के बाद युवती की दादी की मौत हो गई। मैंने पुलिस के उच्च अधिकारियों को रात में कार्रवाई करने से मना किया लेकिन वो नहीं रुकी। जिसकी वजह से मुझे मौके पर जाना पड़ा।

उन्होंने कहा कि इस मामले में मैंने पुलिस के उच्च अधिकारियों तक ये बात पहुंचाई है। इस दौरान BNS का हवाला देकर कहा कि रात में युवती की अवैध गिरफ्तारी एक तरह से अपहरण है। उन्होंने कहा कि पुलिस के अधिकारी कविता शर्मा के विरुद्ध निलंबन की अनुशंसा कर चुके, फिर किसकी मेहरबानी से बची हुई हैं।

भारी गंदगी के बीच बन रहे थे बेकरी प्रोडक्ट्स

विधायक ने निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए

जयपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। हवामहल विधानसभा क्षेत्र के शास्त्री नगर में जनसुनवाई के दौरान विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य को व्यास कॉलोनी के रहवासियों द्वारा कॉलोनी के घर में चल रही अवैध बेकरी व ब्रेड की फैक्ट्री चलाए जाने की शिकायत पर विधायक ने खुद जाकर फैक्ट्री का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री में सफाई का बिल्कुल अभाव और भारी गंदगी पाई गई। फैक्ट्री में नकली घी का उपयोग कर खाद्य पदार्थ तैयार किए जा रहे थे। इसके साथ ही खुले में और टॉयलेट के पास खाद्य पदार्थ रखे गए थे, जो कि स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक हैं।

विधायक ने मौके पर पाई गई गंभीर शिकायतों पर खाद्य विभाग के अधिकारियों को फूड सेफ्टी नियमों के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी अनियमित गतिविधियां जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हैं और बीमारियों का कारण बनती हैं। इस तरह के अवैध और अस्वच्छ कार्यों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि जनता की सेहत और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

चोरी के शक में जानलेवा हमला करने वाले 5 गिरफ्तार

पिस्टल और वाहन भी बरामद किए

अजमेर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर के अलवर गेट थाना क्षेत्र में युवक से मारपीट कर हवाई फायरिंग करने वाले 5 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 2 पिस्टल और घटना में इस्तेमाल किया गया वाहन भी बरामद किया है।

बीती 25 नवंबर को अलवर गेट थाने में इस मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने जिला स्पेशल टीम और साइबर सेल के साथ मिलकर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने चोरी के शक में एक युवक से मारपीट की और उसके बाद हवाई फायरिंग की थी।

आरोपियों की पहचान दीपक गुर्जर, सुरेश गुर्जर, फरहान खान, दीपक गुर्जर और काव्य भडाणा के रूप में हुई है। ये सभी आरोपी अजमेर और आसपास के इलाकों से हैं। एसपी वंदिता राणा ने बताया कि 24 नवंबर की रात मुख्य आरोपी दीपक गुर्जर अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल हुआ था।

शादी समारोह के दौरान चोरी की अफवाह फैलने पर आरोपियों ने एक युवक को पकड़कर उससे मारपीट की। इस दौरान भीड़ जमा हो गई, जिसे देखकर आरोपियों ने हवाई फायरिंग की और मौके से फरार हो गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 पिस्टल और वारदात में इस्तेमाल वाहन भी बरामद किए हैं। पुलिस अब आरोपियों से हथियारों के संबंध में और पूछताछ कर रही है।

गृहमंत्री अमित शाह जोधपुर में आज

बीएसएफ स्थापना दिवस परेड में होंगे शामिल

जोधपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज दो दिवसीय दौरे पर जोधपुर आएंगे। एसटीसी बीएसएफ ट्रेनिंग सेंटर में स्थापना दिवस परेड में हिस्सा लेंगे। हालांकि बीएसएफ का स्थापना दिवस कार्यक्रम 1 दिसंबर को होता है लेकिन इस दौरान डीजीपी कांफ्रेंस और महाराष्ट्र में नए मुख्यमंत्री के चयन के कार्यक्रम के चलते यह कार्यक्रम 8 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा।

गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर संभागीय आयुक्त, कलेक्टर और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें शाह के पूरे प्रोग्राम की तैयारियों को लेकर समीक्षा की गई।रविवार को होने वाली मुख्य परेड में स्वदेशी हेलिकॉप्टर ध्रुव व एमआई 17 शामिल होंगे, जो राष्ट्रीय ध्वज और सुरक्षा बलों के ध्वज के साथ परेड ग्राउंड के ऊपर से सलामी देते हुए गरजेंगे। रिहर्सल के दौरान स्टेडियम में एक श्वान आंखों पर पट्टी बांधकर पुल को पार करता नजर आया। शाह रविवार को जोधपुर के बीएसएफ कैंपस में परेड में शिरकत करने के बाद सीधे सर्किट हाउस पहुंचेंगे और सरदार वल्लभ भाई पटेल की 11 फीट ऊंची मूर्ति का अनावरण करेंगे।

बीमा क्लेम लेने के लिए दी भिखारी की बलि

जिंदा होकर खुद को बता रहा था मरा

बांसवाड़ा. 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले की सल्लोपाट थाना क्षेत्र में झेर पुलिस चौकी के नजदीक 1 दिसंबर को क्षत विक्षत हालत में युवक का शव मिला। इसके पास कुछ डॉक्यूमेंट मिले जो अजमेर के गुरवाड़ी निवासी नरेंद्र सिंह के थे। पुलिस ने जब डॉक्यूमेंट के आधार पर परिजनों को बुलाया तो उन्होंने शव पहचानने से भी इंकार कर दिया। इसके बाद नरेंद्र के मोबाइल नंबर के आधार पर इन्वेस्टिगेशन शुरू किया तो सामने आया कि नरेंद्र का भैरूलाल नाम के आदमी से लगातार कांटेक्ट है। पुलिस ने सबसे पहले भैरूलाल से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह रामदेवरा में भीख मांगने का काम करता था। यहां उसकी पहचान नरेंद्र से हुई। नरेंद्र ने भैरू को बताया कि उसने कुछ बीमा करवाया हुआ है जिसका वह क्लेम लेना चाहता है इसलिए वह खुद की ही हत्या का षड्यंत्र रचना चाहता है। इसके बाद दोनों ने कचरा उठाने वाले तोफ़ान सिंह को अपने साथ लिया। पहले तो उसे दो बार शराब पार्टी कार्रवाई। इसके बाद ट्रक ड्राइवर इब्राहिम को अपने साथ साजिश में शामिल कर लिया।

लेपर्ड के हमले में तीन लोग घायल

विद्याधर नगर इलाके में 4 घंटे तक दशहत में रहे लोग

जयपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)।राजस्थान की राजधानी जयपुर में शनिवार शाम लेपर्ड के आने से काफी देर तक लोग दहशत में रहे. जयपुर के विद्याधर नगर इलाके में एक लेपर्ड करीब 4 घंटे तक लोगों को डराता रहा. इस दौरान लेपर्ड के हमले में तीन लोग घायल भी हो गए. हालांकि कड़ी मशक्कत के बाद शनिवार शाम वन विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस ने लेपर्ड को काबू में लिया. जिसके बाद विद्याधर नगर इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली. सोशल मीडिया पर विद्याधर नगर इलाके में लेपर्ड के हमले और उसकी मौजूदगी के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं.

एक वीडियो में लेपर्ड सड़क से गुजर रहे एक युवक पर हमला करता भी नजर आ रहा है. स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार शाम जयपुर के विद्याधर नगर सेक्टर-2 में अचानक कहीं से एक लेपर्ड आ गया. सेक्टर-2 स्थित एक सरकारी गेस्ट हाउस में लेपर्ड दिखा था. जिसके बाद वो आस-पास के इलाकों में काफी देर तक दौड़ता-भागता रहा.

लेपर्ड जिधर जाता उधर उसे लोगों की भीड़ नजर आती. जो जानवर को देखते ही चीखते-चिल्लाते भाग रहे थे. ऐसे में लेपर्ड और बड़ी तेजी से सुरक्षित स्थान की तलाश में इधर-उधर भटकता रहा. इसी दौरान तीन लोग उसके पंजे के शिकार भी बने. एक युवक के हाथ पर लेपर्ड के हमले से गहरा जख्म भी आ गया. मामले में डिप्टी कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट जगदीश गुप्ता ने बताया कि हमें विद्याधर नगर में लेपर्ड के मूवमेंट की जानकारी मिली थी. जिसके बाद हमारी टीम लेपर्ड का रेस्क्यू करने के लिए रवाना हुई.

भीषण सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत

3 लोग हुए घायल, ट्रक के भगत तलाई की नाल में गिरने से हुआ हादसा

राजसमंद, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। राजसमंद जिले के चारभुजा थाना क्षेत्र के धोला की ओड़ गांव के पास गत रात एक सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रक चालक समेत तीन अन्य घायल हो गए. जिनको इलाज के लिए केलवाड़ा हॉस्पिटल पहुंचाया. अब जानकार इस सड़क हादसे के लिए निर्माणाधीन चारभुजा भटेवर स्टेट हाईवे 162 में तकनीकी खामी को बता रहे हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पर नया डामर डालने के बाद अब तक एक दर्जन से अधिक सड़क हादसे हो चुके हैं.

पुलिस के मुताबिक राशन का गेहूं लेकर आ रहा ट्रक धोला की ओड के पास ढलान उतरते समय बेकाबू होकर रोड से करीब 30 फीट नीचे खाई में पलटी खा गया. इसकी सूचना पर थानाधिकारी गोवर्धनसिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंचे. ट्रक में आईएफसी के गेहूं के कट्टे भरे हुए थे. ट्रक पलटने से पीछे बैठे 3 मजदूरों की कट्टों के नीचे दबने से मौत हो गई. जिनकी लाश चारभूजा हॉस्पीटल की मोर्चरी में रखवाई गई.

मृतकों की पहचान सलूंबर जिला निवासी लालु मीणा, हिरा मीणा और प्रकाश मीणा के रूप में हुई.जबकि ट्रक चालक और केबिन में बैठे दो मजदूर घायल हो गए जिनको इलाज के लिए कैलवाडा हॉस्पीटल में भर्ती करवाया. स्थानी लोगों का आरोपी की निर्माण दिन स्टेट हाईवे पर तीखे मोड़ और विकेट ढलान होने से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं.

फिर चर्चाओं में आया गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई

जोधपुर कोर्ट में पुलिस पर ही लगा दिया गंभीर आरोप

जोधपुर, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। रंगदारी के एक मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के शनिवार को जोधपुर कोर्ट में बयान दर्ज हुए हैं। लॉरेंस बिश्नोई वीसी के जरिए कोर्ट में पेश हुआ और जज के सभी सवालों का जवाब दिया। दरअसल यह मामला जोधपुर के ट्रेवल्स व्यवसायी मनीष जैन से रंगदारी वसूलने से जुड़ा है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई इस वक्त साबरमती जेल में बंद है। जोधपुर में मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट संख्या 7 में मजिस्ट्रेट हर्षित हाड़ा की कोर्ट में लॉरेंस बिश्नोई ने सभी आरोपों को नकार दिया। लॉरेंस ने पूरे प्रकरण को झूठा बताते हुए पुलिस पर फर्जी कार्रवाई करते हुए फंसाने का आरोप लगाया। उसने कहा कि मैं उस वक्त जेल में बंद था। ऐसे में किसी को मोबाइल पर धमकाना संभव नहीं है। बता दें कि अधिवक्ता संजय बिश्नोई ने लॉरेंस का पक्ष रखा था।

आपको बता दें कि यह प्रकरण करीब 7 साल पुराना है। उस वक्त ट्रेवल्स व्यवसायी मनीष जैन को कथित रूप से लॉरेंस बिश्नोई ने फोन पर धमकाया और रंगदारी मांगी। इसके बाद दो आरोपियों ने मनीष जैन के कल्पतरु स्थित ऑफिस में घुसकर फायरिंग का भी प्रयास किया था। हालांकि उस दौरान रिवॉल्वर में गोली फंस जाने के कारण फायरिंग नहीं हो पाई थी। इसके बाद मनीष जैन के घर पर फायरिंग की गई थी। वहीं मनीष जैन की कार को भी आग के हवाले कर दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने मण्डोर थाने के हिस्ट्रीशीटर पवन सोलंकी को जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस बैसाखियों पर खड़ी है, कभी भी गिर सकती है : नड्डा

तेलंगाना के लोगों का भविष्य भाजपा के साथ

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी को 'परजीवी' करार देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के समर्थन से चुनाव जीत रही है और सत्ता में आने के बाद उन्हें नष्ट कर रही है। शनिवार को राज्य में कांग्रेस सरकार की विफलता को उजागर करने के लिए भाजपा की प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के तहत एक जनसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि कांग्रेस इतनी कमजोर हो गई है कि वह क्षेत्रीय दलों की मदद के बिना चुनाव नहीं जीत सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बैसाखी पर खड़ी है और कभी भी गिर सकती है।

तेलंगाना के लोगों का भविष्य भाजपा के हाथ में होने का दावा करते हुए नड्डा ने दावा किया कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो तेलंगाना का विकास कर सकती है। उन्होंने कहा, जिस भी राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, वहां विकास हुआ है और लोगों को लाभ मिला है। हम तेलंगाना के लोगों को निराश नहीं करेंगे।

केंद्रीय कोयला मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसी भी योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने और विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए छह गारंटियों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य के सभी वर्ग के लोग कांग्रेस सरकार से तंग आ चुके हैं और वे इससे ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस सरकार संक्रांति तक सभी चुनावी वादे पूरे करने में विफल रही तो भाजपा कांग्रेस नेताओं को राज्य में घूमने नहीं देगी और उनसे चुनावी वादों के बारे में सवाल पूछेगी।

काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क के विस्थापितों के लिए इंदिराम्मा घर : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने बताया कि काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क में जमीन खोने वालों को इंदिराम्मा घर आवंटित किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क को सभी पहलुओं में विकसित किया जाएगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि मेगा टेक्सटाइल पार्क के परिसर में बड़ी संख्या में पौधे उगाए जाएंगे, साथ ही अन्य आवश्यक सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा, राज्य सरकार 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 500 रुपये में गैस सिलेंडर और 10 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा कवरेज सहित अधिकांश वादों को लागू कर रही है। राज्य सरकार के खिलाफ जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण प्रचार करने के लिए विपक्षी दलों पर गुस्सा जाहिर करते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना की अर्थव्यवस्था (जो भटक गई है) उसे वापस पटरी पर लाया जा रहा है। पिछली बीआरएस सरकार ने 10 साल में किसी को भी एक भी घर नहीं दिया। लेकिन, मौजूदा कांग्रेस सरकार हर साल प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को 3,500 घर दे रही है।

प्रजा पालन समारोह से दूर रहे कांग्रेसी नेता

पार्टी नेतृत्व से खुश नहीं है कोई भी कार्यकर्ता

खम्मम, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार सत्ता में एक वर्ष पूरा होने पर प्रजा पालना समारोह का आयोजन कर रही है, लेकिन पूर्ववर्ती खम्मम में कोई भी कार्यकर्ता और नेता पार्टी नेतृत्व से खुश नहीं है। पार्टी के असंतुष्ट कार्यकर्ता समारोहों से दूर रहे हैं, जबकि वास्तव में समारोह में कोई खास रौनक नहीं है। समारोह अधिकारियों और कलाकारों तक ही सीमित रह गए हैं, जो यहां-वहां सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, जिसमें जनता की भागीदारी बहुत कम है।

न तो खम्मम जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुववल्ला दुर्गा प्रसाद और न ही कोत्तागुडेम जिला कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व विधायक पोडेम वीरैया ने कार्यकर्ताओं को तैयार करने के लिए उनके साथ बैठकें कीं। जिले के तीन मंत्रियों (भट्टी विक्रमार्क, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और तुम्मला नागेश्वर राव) का भी यही हाल है, जिन्होंने समारोहों में कैडर की भागीदारी की परवाह नहीं की। इससे कार्यकर्ताओं और नेताओं में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई कि उन्हें इस अवसर पर जश्न मनाना चाहिए या नहीं। पार्टी कार्यकर्ताओं में यह आम धारणा है कि पिछले 10 सालों से खम्मम में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए किए गए उनके काम का शीर्ष नेतृत्व के लिए कोई महत्व नहीं है।

खम्मम में पार्टी के एक वरिष्ठ कार्यकर्ता ने बताया कि कांग्रेस के सत्ता में आने से पहले, 10 सालों तक, हमने बहुत त्याग किए हैं और समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ताओं के तौर पर बहुत कुछ सहा है। जब पार्टी सत्ता में आई, तो हमें बहुत खुशी हुई। लेकिन यह खुशी ज़्यादा दिनों तक नहीं टिकी, क्योंकि अव्यवस्था और मेहनती कार्यकर्ताओं को पहचान नहीं मिल पा रही है। तीनों मंत्रियों और विधायकों की अपनी-अपनी मंडली है और वे उन वरिष्ठ नेताओं की जरूरतों की परवाह नहीं करते जो लंबे समय से पार्टी से जुड़े हुए हैं। पार्टी कार्यकर्ता ने कहा कि जब बीआरएस सत्ता में थी, तब भी हम सरकारी दफ़्तरों और बाहर अपना काम करवाते थे। अब हमारी सरकार में हम खुद को अकेला महसूस करते हैं।

एयर शो के मद्देनजर हैदराबाद में यातायात डायवर्जन

आज हुसैन सागर पर भारतीय वायुसेना का प्रदर्शन

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को टैंक बंड पर हुसैन सागर के ऊपर भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एयर शो के सिलसिले में यातायात पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी की है। दोपहर 2 बजे से रात 9 बजे तक यातायात को जरूरत के हिसाब से डायवर्ट किया जाएगा। राजभवन और पंजागुट्टा से आने वाले यातायात को खैरताबाद फ्लाईओवर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और वीवी स्टेच्यू से इसे शादान, निरंकारी, पुराने पीएस सैफाबाद की ओर मोड़ दिया जाएगा। इसी तरह, खैरताबाद फ्लाईओवर से एनटीआर मार्ग की ओर आने वाले यातायात को इंदिरा गांधी प्रतिमा (नेकलेस रोटरी) से पीवीएनआर मार्ग/नेकलेस रोड-प्रसाद आईमैक्स/मिंट कंपाउंड लेन की ओर मोड़ दिया जाएगा। लिबर्टी से ऊपरी टैंक बंड की ओर जाने वाले यातायात को पुराने तेलुगू तल्ली जंक्शन से इकबाल मीनार की ओर मोड़ दिया जाएगा।

निरंकारी जंक्शन से इकबाल मीनार की ओर जाने वाले यातायात को रविंद्र भारती की ओर मोड़ दिया जाएगा। पुराने पीएस सैफाबाद से इकबाल मीनार की ओर आने वाले यातायात को रविंद्र भारती की ओर मोड़ दिया जाएगा। इसी प्रकार, धोबी घाट से चिल्ड्रेंस पार्क/अपर टैंक बंड की ओर आने वाले वाहनों को डीबीआर मिल्स से कवडीगुडा एक्स रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। सीजीओ टावर्स से सेलिंग क्लब की ओर आने वाले यातायात को कावडीगुडा एक्स रोड से

डीबीआर मिल्स और जब्बार कॉम्प्लेक्स की ओर मोड़ दिया जाएगा। रानीगंज से अपर टैंक बंड की ओर आने वाले यातायात को कर्बला मैदान से बाइबल हाउस की ओर मोड़ दिया जाएगा।

आरटीसी बसों का डायवर्जन : सिकंदराबाद से टैंक बंड के रास्ते एमजीबीएस की ओर आने वाली सभी अंतर जिला आरटीसी बसों को स्वीकार- उपकार जंक्शन से संगीथ- मेट्टूगुडा- तारनाका- नल्लाकुंटा- फीवर हॉस्पिटल एक्स रोड्स बरकथपुरा- टूरिस्ट होटल- निंबोली अड्डा चदरघाट- रंगमहल और एमजीबीएस की ओर मोड़ दिया जाएगा। टैंक बंड की ओर आने वाली सिटी बसों को कर्बला मैदान से बाइबल हाउस की ओर मोड़ दिया जाएगा।

वेलमा एसोसिएशन ने विधायक शंकर को विधानसभा से निष्कासित करने की मांग की

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वेलमा समुदाय विकास एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष पी. चोक्का राव ने आज विधानसभा अध्यक्ष से वेलमा जाति पर अनुचित टिप्पणी करने वाले शादनगर विधायक शंकर की सदस्यता रद्द करने की मांग की। आज मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधायक द्वारा अपने समुदाय के बारे में अपशब्द बोलना शिष्टाचार नहीं है। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि विधायक वेलमा समुदाय को अपशब्द कह रहे हैं, क्योंकि वे राजनीतिक रूप से अपने जाति के नेताओं का सामना करने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया इसलिए दे रहे हैं, क्योंकि वे न केवल अंधे हैं, बल्कि स्वाभिमानी व्यक्ति भी हैं। वे इस बात से नाराज हैं कि मुख्यमंत्री और विधायक भी यही टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों को शिष्टाचार सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में चुनाव आयोग से शिकायत की गई है। उन्होंने सवाल किया कि जब आम लोगों के खिलाफ अनुचित टिप्पणी करने पर मामला दर्ज किया जा सकता है, तो क्या विधायक के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया जा सकता? उन्होंने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। इस अवसर पर लक्ष्मा रेड्डी, परमेश और अन्य नेता भी मौजूद थे।

विधायक ने वापस ली वेलमा समुदाय के खिलाफ टिप्पणी

हैदराबाद, 7 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। वेलमा समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उठे विवाद के बाद शादनगर के विधायक वीरलापल्ली शंकर ने शनिवार को अपनी टिप्पणी वापस ले ली। विभिन्न वर्गों की तीखी आलोचना का सामना करते हुए, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने विधायक से स्पष्टीकरण मांगा। हर तरफ से दबाव बढ़ने पर शादनगर विधायक ने अपनी टिप्पणी वापस ले ली। शंकर ने कहा कि मेरा इरादा पूरे वेलमा समुदाय को गाली देना नहीं था, बल्कि कलवकुंतला परिवार के सामाजिक दमन पर आपत्ति जताना था। वेलमा शब्द का इस्तेमाल उस परिवार के लिए किया गया था, पूरे समुदाय के लिए नहीं। हालांकि, मैं अपनी टिप्पणी वापस लेता हूं। वेलमा समुदाय के सदस्यों ने विभिन्न स्थानों पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। विधायक की टिप्पणी की निंदा करते हुए उन्होंने शनिवार शाम तक विधायक से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की, अन्यथा वे अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर देंगे और उनके आवास का घेराव करेंगे।

बाघों के संरक्षण के लिए ठोस प्रयास का आह्वान

कुमराम भीम आसिफाबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) आरएम डोबरियाल ने तेलंगाना और महाराष्ट्र दोनों के जंगलों में बाघों के संरक्षण के लिए अधिकारियों द्वारा ठोस प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया।

हाल ही में एक बाघ द्वारा एक व्यक्ति की हत्या और एक किसान पर हमले के मद्देनजर सिरपुर (टी) मंडल के जक्कापुर और मकोड़ी गांवों के बीच के जंगलों में दोनों राज्यों के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित करते हुए, डोबरियाल ने ताडोबा और टिपेश्वर टाइगर रिजर्व में बाघों के संरक्षण के लिए महाराष्ट्र के वन अधिकारियों द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी ली, कि वे रिजर्व में बाघों की निगरानी और सुरक्षा कैसे कर रहे हैं और साथ ही वे मानव-पशु संघर्ष से कैसे निपट रहे हैं। बाघों द्वारा मनुष्यों की हत्या की स्थिति में उठाए गए कदमों की भी जांच की गई।

बाघ के हमले से बच निकलने में सफल रही एक और गाय

मंचेरियल, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वेमनपल्ली मंडल के ओडुगुडेम गांव के जंगलों में चरते समय शनिवार को एक गाय बाघ के जबड़े से बच निकलने में सफल रही। एक चरवाहे ने बताया कि वह मवेशियों के झुंड को चराने के लिए जंगल के अंदर ले गया था। एक बाघ ने झुंड की एक गाय पर हमला कर दिया। हालांकि, गाय बाघ से बच निकली और गर्दन में चोट लगने के कारण खून बहता हुआ घर पहुंच गई। चरवाहे ने बताया कि अन्य गायें अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग गईं।

स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर वन अधिकारियों ने गाय का निरीक्षण किया और पुष्टि की कि उसे बाघ ने घायल किया है। उन्होंने ग्रामीणों से अनुरोध किया कि वे मवेशियों को चराने के लिए जंगल में न जाएं और जंगली जानवरों से अचानक टकराव से बचें।

उन्होंने ग्रामीणों से फसलों को नुकसान से बचाने के लिए अपने खेतों के चारों ओर बिजली की बाड़ न लगाने का भी अनुरोध किया। अधिकारियों ने बताया कि कुमराम भीम आसिफाबाद जिले का एक बाघ काफी समय से इलाके की तलाश में वेमनपल्ली मंडल के जंगलों में आया हुआ था। उन्होंने बताया कि हो सकता है कि उसने गाय पर हमला किया हो।

इंजीनियरिंग प्रबंधन कोटा प्रवेश ऑनलाइन होगा

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रबंधन सीटों के लिए अत्यधिक शुल्क पर अंकुश लगाने के अलावा पारदर्शिता लाने के लिए, तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) ने अगले शैक्षणिक वर्ष से इन सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया को केंद्रीकृत करने का निर्णय लिया है।

तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजीईएपीसीईटी) के माध्यम से इंजीनियरिंग संयोजक कोटा प्रवेश की तरह, प्रबंधन कोटा में प्रवेश वेब-आधारित परामर्श के माध्यम से आयोजित किया जाएगा, जो वर्तमान प्रणाली का स्थान लेगा जहां प्रत्येक कॉलेज अपने स्वयं के प्रवेश आयोजित करता है।

कई वर्षों से, अभ्यर्थी और छात्र संगठन प्रबंधन कोटे की सीटों के लिए निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा ली जा रही अत्यधिक फीस पर अपनी चिंता व्यक्त करते रहे हैं। इन कॉलेजों द्वारा प्रवेश के लिए योग्यता के आधार पर प्रवेश की अनुमति नहीं दिए जाने के संबंध में भी मुद्दे रहे हैं।

इस लंबे समय से लंबित मुद्दे को हल करने के लिए, टीजीसीएचई जल्द ही कॉलेजों के साथ ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया और फीस संरचना पर चर्चा करने के लिए परामर्श बैठक आयोजित करेगा।

19 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगी अनुबंधित एएनएम

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य स्वास्थ्य विभाग एक बड़े संकट की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि सभी चिकित्सा विभागों में अनुबंध और आउटसोर्सिंग के आधार पर काम कर रही सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) ने शुक्रवार को नोटिस दिया है कि अगर राज्य सरकार बिना किसी लिखित परीक्षा के उनकी नौकरी को नियमित नहीं करती है तो वे 19 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर देंगी।

शुक्रवार को हुई बैठक में सभी चिकित्सा विभागों की एएनएम का प्रतिनिधित्व करने वाली यूनियनों ने कहा कि पिछले 20 सालों से काम कर रही संविदा एएनएम सरकार द्वारा पिछले विरोध प्रदर्शनों के दौरान किए गए वादों को पूरा न करने से नाखुश हैं। नतीजतन, सभी यूनियनों ने एकजुट होकर 19 दिसंबर से एक बड़ी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने का फैसला किया है।

साले को एयर गन से मारी गोली

कोत्तागुडेम, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पलोंचा में एक व्यक्ति ने अपने साले को एयर गन से गोली मार दी, जिससे वह घुटने में घायल हो गया। घायल व्यक्ति का नाम ओल्ड पलोंचा का सिराज अहमद है। उसने शनिवार को मीडिया को बताया कि खम्मम जिले के तिरुमलायापालम मंडल के काकरवई गांव का उसका साला जिलानी (जिसने कुछ समय पहले उसकी बहन से शादी की थी) शराब पीने की लत के कारण उसे रोजाना परेशान करता था। कुछ दिन पहले अहमद अपनी बहन को उसके मायके वापस ले आया। अहमद की हरकतों से परेशान जिलानी शनिवार की सुबह अपने दोस्तों के साथ ओल्ड पलोंचा आया और उस पर हमला कर दिया। जब अहमद भागने की कोशिश कर रहा था, तो जिलानी ने उसे अपनी एयर गन से गोली मार दी और एक धातु का छर्रा उसके घुटने में जा लगा। डॉक्टरों ने अहमद को बताया कि छर्रे निकालने के लिए सर्जरी करनी होगी। उसने जिलानी के खिलाफ पलोंचा शहर की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अहमद ने कहा कि उनके परिवार को जिलानी से खतरा है और वह चाहते हैं कि पुलिस उनके परिवार की सुरक्षा करे। पुलिस ने घटना के सिलसिले में मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

आबकारी अधिकारी के खिलाफ मंत्री से शिकायत

मदनूर, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यटक मंत्री जुपली कृष्णा राव ने इंटीग्रेटेड पाठशाला भूमि पूजन व कृषि बाजार समिति अध्यक्ष व पालक वर्ग के शपथ विधि कार्य क्रम में भाग लिया। इस दौरान बिचकुंडा मंडल शराब दुकान के मालिकों ने मंत्री से बिचकुंडा आबकारी अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि वे अनावश्यक रूप से कारोबारियों पर रिश्वत वसूल करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना कर परेशान करते हैं। इस मामले में जब पत्रकार ने आबकारी अधिकारी सत्यनारायण से फोन पर बात की तो उन्होंने बताया कि शराब दुकान मालिकों से रिश्वत मांगने का सवाल ही नहीं उठता। मैने बिचकुंडा मंडल में चल रहे अवैध शराब की दुकानों को बंद करने के लिए कानूनी कार्रवाई की है, जिससे कुछ लोग परेशान हो कर शिकायतें कर रहे हैं।

मृत छात्रा शैलजा के परिवार को सहायता दी गई

कुमरमभीम आसिफाबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी-उटनूर की परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने एक बयान में जिले के वानकिडी मंडल में आश्रम हाई स्कूल की छात्रा शैलजा की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बीमार पड़ने वाले छात्रों को आसिफाबाद, मंचिरयाला और हैदराबाद के प्रसिद्ध निजी अस्पतालों में चिकित्सा उपचार दिया गया और इस उपचार के लिए जनजातीय कल्याण विभाग और एकीकृत जनजातीय विकास संगठन उत्नूर द्वारा 28 लाख रुपये खर्च किए गए। उन्होंने कहा कि स्कूली छात्रा शैलजा का इलाज हैदराबाद और मंचिरयाला के एक प्रसिद्ध निजी अस्पताल में किया गया था और इस इलाज के लिए मंचिरयाला में 3 लाख रुपये और हैदराबाद में 10 लाख रुपये खर्च किए गए थे। उन्होंने कहा, शैलजा के अंतिम संस्कार के दौरान एकीकृत जनजातीय विकास निगम की ओर से एक लाख रुपये परिवार के सदस्यों को सौंपे गए। उन्होंने कहा कि जिला प्रभारी मंत्री सीतक्का के निर्देशन में शैलजा परिवार को एक इंदिरम्मा घर, एक नौकरी और 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

कांग्रेस पार्टी कार्यालय में पार्टी कार्यकर्त गिरफ्तार

मदनूर, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव के जुक्कल निर्वाचन क्षेत्र के दौरे के मद्देनजर पुलिस ने विरोधी पक्ष के नेताओं के साथ साथ जुक्कल बिचकुंडा, मदनूर मंडल में कांग्रेस नेताओं को भी गिरफ्तारी कर ली। इससे नाराज कांग्रेस पार्टी के नेता व कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस तरह की गिरफ्तारी शर्मनाक है। विधान सभा चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी का प्रचार-प्रसार किया उसका सिला पुलिस ने कार्यकर्ताओं को यह दिया है। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि जब विपक्ष की सरकार थी तब कांग्रेस का झंडा लेकर हम लोगों ने सरकार का विरोध किया और लाठियां खाई। अब अपनी सत्ता होने के बाद भी हमें लाठी और डंडे खाने पड रहे हैं।

सीपी ने एसीपी के स्वास्थ्य की जानकारी ली

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कामिनेनी अस्पताल में इलाज करा रहे एलबी नगर एसीपी कृष्णैया को राचाकोंडा कमिश्नर जी. सुधीर बाबू ने दौरा किया। आयुक्त ने अस्पताल अधिकारियों से चर्चा कर उपचार की प्रगति और कृष्णैया की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जाना।

उन्होंने कृष्णैया और उनके परिवार के सदस्यों को आश्वासन दिया है कि वे इस कठिन परिस्थिति में उनका समर्थन करेंगे। कृष्णैया ने कहा कि वह शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। सीपी के साथ एलबी नगर के डीसीपी प्रवीण कुमार भी थे।

डीजीपी ने साइबर शील्ड लैब का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने शनिवार को आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी (टीजीपीए) में साइबर शील्ड लैब का उद्घाटन किया। साइबर शील्ड लैब का उद्देश्य उभरते साइबर खतरों से निपटने में आवश्यक कौशल प्रदान करना है। प्रशिक्षु अधिकारी डिजिटल परिदृश्य में जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं।

उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए डॉ. जितेन्द्र ने आधुनिक पुलिस व्यवस्था में प्रौद्योगिकी के महत्व पर जोर दिया और अधिकारियों से अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इस नई सुविधा का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक

सुविधा पुलिस अधिकारियों को उन्नत उपकरणों और नवीनतम प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके साइबर अपराध से निपटने के लिए तैयार करने के लिए तैयार की गई है।

साइबर शील्ड लैब के चालू होने के साथ, तेलंगाना पुलिस अपने नागरिकों के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

महबूबाबाद में छात्रों को मिलीं एक्सपायरी दवाएं

महबूबाबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को एक चिकित्सा शिविर के दौरान थोरूर मंडल के चेरलापालेम स्थित समाज कल्याण बालक छात्रावास के छात्रों को कथित तौर पर एक्सपायर हो चुकी दवाएं दे दी गईं। रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग द्वारा समाज कल्याण बालक छात्रावास में एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया था और चिकित्सा जांच के बाद कुछ छात्रों को विभिन्न बीमारियों के लिए दवाइयां दी गईं। हालांकि, छात्रों ने पाया कि उन्हें दी गई कुछ दवाएं एक्सपायरी डेट की थीं। उन्होंने तुरंत स्कूल अधिकारियों को सूचित किया, जिन्होंने छात्रों से उन दवाओं का सेवन न करने को कहा।

स्कूल अधिकारियों ने कथित तौर पर मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी है। ऐसे समय में जब राज्य भर में बड़ी संख्या में आवासीय विद्यालयों में खाद्य विषाक्तता की घटनाएं हो रही हैं, स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा एक्सपायरी दवाइयां उपलब्ध कराने की घटना ने समाज कल्याण आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच चिंता पैदा कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एडिलेड में 4 साल बाद भी कुछ नहीं बदला

फिर हार की कगार पर टीम इंडिया

एडिलेड, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। चार साल पहले भी दिसंबर का ही महीना था, जब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट मैच खेला गया था. ये वही टेस्ट था, जिसकी दूसरी पारी में भारतीय टीम सिर्फ 36 रन पर ऑल आउट हो गई थी और ऑस्ट्रेलिया ने मैच जीत लिया था. अब दिसंबर 2024 में भी एडिलेड ओवल ग्राउंड में पिंक बॉल के सामने भारतीय बल्लेबाजी की हालत नहीं बदली. बस इतना जरूर रहा कि भारतीय टीम 36 रन जैसे छोटे स्कोर पर ढेर नहीं हुई लेकिन दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद एक बार फिर वो हार की कगार पर खड़ी है, जहां उसके पास सिर्फ 5 विकेट बचे हैं और वो ऑस्ट्रेलिया से 29 रन पीछे है.

एडिलेड टेस्ट के पहले दिन की तरह दूसरा दिन भी पूरी तरह मेजबान ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा. पर्थ टेस्ट में मिली चौंकाने वाली हार से उबरकर वापसी की कोशिश कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए ये टेस्ट जीतना बेहद जरूरी है और पैट कमिंस की कप्तानी में इस टीम ने शनिवार को इसकी ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया. अब उसकी नजरें जीत पक्की करने पर हैं, जिसके लिए उसे तीसरे दिन यानि रविवार 8 दिसंबर को दूसरी पारी में भारत के बचे हुए 5 विकेट हासिल करने होंगे.

पहली पारी में सिर्फ 180 रन पर ढेर होने वाली टीम इंडिया के लिए दूसरी पारी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही. ऑस्ट्रेलिया को 337 रन पर आउट करने के बाद भारतीय टीम 157 रन पीछे थी. ऐसे में मेजबान टीम को बड़ा लक्ष्य देने के लिए उसे पहले खुद इस बड़ी लीड को खत्म करना था लेकिन एक बार फिर उसकी ओपनिंग जोड़ी इस मैच में फेल हो गई. इस शुरुआत कमिंस ने केएल राहुल का विकेट लेकर की, जबकि इसी टेस्ट में जगह बनाने वाले स्कॉट बोलैंड ने अपनी पहली ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल का विकेट झटक लिया और फिर कुछ ही देर में विराट कोहली को भी सस्ते में निपटा दिया.

अंडर-19 एशिया कप : फाइनल की टीमें तय

वैभव पर होंगी निगाहें, आज होगा मैच

दुबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप के फाइनल के लिए दोनों टीमें तय हो गई हैं। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में श्रीलंका को हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया था। हालांकि फैंस को उस समय बड़ा झटका लगा था, जब दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद फैंस का फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच देखें का सपना टूट गया। भारत का मुकाबला अब बांग्लादेश से होना है।

बांग्लादेश ने लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। अब उसकी नजर लगातार दूसरी बार खिताब जीतने पर होगी। 2023 में बांग्लादेश ने यूएई को हराकर अन्डर19 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। ऐसे में टीम इंडिया को भी बांग्लादेश के खिलाफ सतर्क रहने की जरूरत है।

वैभव सूर्यवंशी पर टिकी सभी की निगाह

एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप में सभी की निगाह वैभव सूर्यवंशी पर टिकी हुई है। श्रीलंका के खिलाफ सेमीफाइनल में 13 साल के वैभव सूर्यवंशी ने धमाल मचा दिया था। उनकी तूफानी पारी की वजह से भारत ने लक्ष्य को 170 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया था। उन्होंने केवल 36 गेंदों पर 67 रनों की तूफानी पारी खेली थी। इस मैच में उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों में ही फिफ्टी बना दी थी। इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 5 छक्के लगाए थे।

सेमीफाइनल में श्रीलंका की टीम 47 ओवर में 173 रनों पर सिमट गई थी। इसके बाद टीम इंडिया ने 3 विकेट खोकर सिर्फ 23।2 ओवर में 174 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया था।गौरतलब है कि आईपीएल मेगा ऑक्शन में वैभव को राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसके बाद वो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शामिल होने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं।

कहां और कैसे देखें सकते हैं सेमीफाइनल मुकाबला

एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप का फाइनल मुकाबला 8 दिसंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। भारतीय समयानुसार ये मैच सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर होगा। इस मुकाबले का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा। वहीं फैंस सोनी लिव एप और वेबसाइट पर भी इस मैच को देख सकते हैं। वहीं, टीम इंडिया की निगाह 9वीं बार खिताब पर कब्जा करने की होगी।

वेलिंग्टन टेस्ट- इंग्लैंड की बढ़त 500 पार

दूसरे दिन स्कोर 378/5, रूट 73 रन पर नाबाद; एटकिंसन की हैट्रिक से न्यूजीलैंड 125 पर सिमटा

वेलिंग्टन, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने वेलिंग्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 5 विकेट के नुकसान पर 378 रन बना लिए हैं। इसके साथ ही इंग्लैंड ने 533 रन की बढ़त ले लिए हैं। जो रूट 73 रन ओर बेन स्टोक्स 35 रन बना कर नाबाद हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड 125 रन पर ऑल आउट हो गई थी। इंग्लैंड के लिए पहली पारी में गस एटिंकसन और ब्राइडन केस ने 4-4 विकेट लिए।

दूसरे दिन न्यूजीलैंड 39 रन पर गंवा दिए आखिरी 5 विकेट

कीवी टीम ने पहले दिन के 86/5 के स्कोर से आगे खेलते हुए दूसरे दिन सिर्फ 39 रन रही जोड़ पाई। टीम के लिए केन विलियमसन ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 3 चौकों की मदद से 37 रन बनाए।

एटिंकसन बने हैट्रिक लेने वाले इंग्लैंड के 14वें खिलाड़ी

गस एटिंकसन इंग्लैंड के लिए टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले 14वें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने नाथन स्मिथ, मैट हेनरी और टिम साऊदी को आउट कर अपनी हैट्रिक पूरी की। इंग्लिश पेसर ने पारी में हैट्रिक सहित चार विकेट लिए

यह टेस्ट क्रिकेट में करीब तीन साल के अंदर पहली हैट्रिक रही। इससे पहले टेस्ट क्रिकेट में पिछली हैट्रिक 2021 में ली गई थी, जिसे दक्षिण अफ्रीका के स्टार स्पिनर केशव महाराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पूरा किया था।

दूसरी पारी में इंग्लैंड के चार खिलाड़ी अर्धशतक जड़े

इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में चार खिलाड़ी अर्धशतक जड़े। ओपनर बेन डकेट ने 112 गेंदों पर 92 रन और उसके बाद जैकब बेथवेल ने 118 गेंदों पर 96 रन बनाए। इनके अलावा हैरीबुक ने 61 गेंद पर 55 रन बनाए। वहीं जो रूट 106 गेंदों पर 73 रन बनाकर नाबाद हैं।

सीरीज में 1-0 से आगे है इंग्लैंड

गौरतलब है कि तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 1-0 से आगे है. हेगले ओवल में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में इंग्लिश टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। मुकाबले में इंग्लैंड के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया था। कार्स ने मुकाबले में कुल 10 विकेट झटके थे।

कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में चमके दिल्ली के प्रणय

व्यक्तिगत में दो और टीम स्पर्धा में एक स्वर्ण जीता

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के डरबन में कराटे कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में प्रणय शर्मा ने तीन स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने दो पदक व्यक्तिगत और एक टीम स्पर्धा में जीता है।

75 किलो भारवर्ग के फाइनल में शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर जीत हासिल की। इससे पहले उन्होंने बोत्सवाना और दक्षिण अफ्रीका के प्रतिभागियों को मात दी।

प्रणय जनकपुरी के रहने वाले हैं। उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया, बोत्सवाना के खिलाड़ियों को हराया है। विश्वस्तर पर कराटे चैंपियनशिप में इससे पहले उन्होंने कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप 2022 में भी सिल्वर मेडल जीता था।

चैंपियंस ट्रॉफी पर आया युसूफ पठान का बड़ा बयान

बोले- अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा सबसे अहम

मुंबई, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युसूफ पठान का चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। पठान का कहना है कि बीसीसीआई ने जो भी फैसला लिया है वो एकदम ठीक है। उन्होंने टीम इंडिया के पाकिस्तान ना जाने के फैसले को एकदम सही ठहराया। पूर्व क्रिकेटर के मुताबिक, अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा सबसे अहम है और बीसीसीआई इस बात को बहुत अच्छे से समझता है।

अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर बीसीसीआई और पीसीबी के बीच जमकर तनातनी चल रही है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने साफ कर दिया है कि वह टीम इंडिया को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान नहीं भेजेगा। वहीं, पीसीबी हाइब्रिड मॉडल के लिए तो तैयार हो गया है, लेकिन उन्होंने आईसीसी के सामने कुछ शर्तें रख दी हैं, जिनसे इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल भी खुश नहीं है।

जो बोल नहीं सकती, उसकी हुनर की गूंज पूरे देश ने सुनी

बरेली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली की मूक-बधिर बेटी भले ही बोल और सुन नहीं सकती, लेकिन आज उसकी सफलता की गूंज पूरे देश में है। पैरा एथलीट रिदम शर्मा ने एक दिसंबर से मलयेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में चल रही 10वीं एशियन पैसिफिक डेफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो स्वर्ण व एक रजत पदक जीतकर नाम रोशन किया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को 400 मीटर मिक्स रिले व 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक हासिल जीते। 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया।

रिदम ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ डेफ के महासचिव सुरेश, डेफ स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ यूपी, कोच अजय कश्यप आदि को दिया है। दो माह बाद होने वाली वर्ल्ड डेफ एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए भी उनका चयन हो चुका है। इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने पर उनका चयन डेफलिंपिक्स के लिए भी हो सकता है।

बड़ा बाजार निवासी रिदम (17) ने इससे पहले इंदौर में हुई 35वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 200 मीटर दौड़, 100 व 400 मीटर बाधा दौड़ में तीन पदक हासिल किए थे। बंगलूरू में आयोजित ट्रायल में शानदार प्रर्दशन के दम पर उनका चयन बीते साल ब्राजील में आयोजित वर्ल्ड डेफ एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए हुआ था, लेकिन कुछ समस्याओं के कारण वह इसमें प्रतिभाग नहीं कर सकी थीं।

माता-पिता के समझाने पर उन्होंने दोबारा अभ्यास शुरू किया और आज दुनिया के फलक पर छा गईं। उनकी मां पूनम शर्मा गृहिणी और पिता अनुकाम शर्मा प्राइवेट जॉब करते हैं। उन्होंने बताया कि बेटी को आगे बढ़ाने के लिए वह हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

रिदम लिप रीडिंग तकनीक के सहारे लोगों की बात समझ लेती है। उसने 12 साल की उम्र में ही एथलेटिक्स में अपना भविष्य बनाने का फैसला कर लिया था। मूक-बधिर होने के कारण कोच प्रशिक्षण देने से पीछे हटे तो उन्होंने रेलवे स्टेडियम के कोच अजय कश्यप से संपर्क किया। कोच अजय ने प्रशिक्षण में मदद की और बेटी ने सफलता का शिखर छू लिया।

डीएम रविंद्र कुमार ने मिशन शक्ति फेज-5 के तहत आयोजित हक की बात, जिलाधिकारी के साथ और वीरांगना सम्मान समारोह में कई खिलाड़ियों, बालिकाओं व महिलाओं को पुरस्कृत किया। रिदम के मलयेशिया में होने की वजह से 20 हजार रुपये की धनराशि और प्रशस्तिपत्र उनके प्रतिनिधि को दिया गया। शतरंज की राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल पाने वाली प्रियांशी को भी पुरस्कृत किया गया। कक्षा-12 में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए रिया गंगवार को सम्मान मिला। 10 अन्य महिलाओं और बालिकाओं को भी पुरस्कृत किया गया। आयोजन में शामिल मैथोडिस्ट इंटर कॉलेज की बालिकाओं ने डीएम से आईएएस बनने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। डीएम ने बालिकाओं से मिलीं शिकायतों को निस्तारित करने के निर्देश दिए।

मोटर मैकेनिक के बेटे ने हॉकी से दूर की परिवार की तंगी

एशिया कप के बाद एचआईएल में लगाएंगे जोर

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। अपने आदर्श मनप्रीत सिंह को खेलते हुए देखने के लिए 10 किलोमीटर से ज्यादा पैदल चलने वाले आमिर अली भारतीय टीम के पूर्व कप्तान के साथ हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में एक साथ खेलने को लेकर रोमांचित हैं। आमिर के पिता मोटरसाइकिल मैकेनिक है और उन्हें अपने अब तक के सफर में वित्तीय मामले में काफी संघर्षों करना पड़ा है। आमिर हॉकी के जरिये अपने परिवार की इस समस्या को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

परिवार से मिली प्रेरणा

एचआईएल 2024-25 नीलामी में टीम गोनासिका द्वारा 34 लाख रुपये में खरीदे गए आमिर ने कहा, अपनी किशोरावस्था के दौरान, मुझे अपने पिता की बाइक मैकेनिक की नौकरी से शर्मिंदगी महसूस होती थी क्योंकि मैं इतना परिपक्व नहीं था कि यह महसूस कर सकूं कि कोई भी काम महत्वहीन नहीं है। उन्होंने कहा, यह हमारे परिवार का संघर्ष ही था जिसने मुझे हॉकी में अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। मैं अपनी वित्तीय परेशानी से बाहर निकलने के साथ अपने परिवार और देश को गौरवान्वित करना चाहता था।

हॉकी लीग में गोनासिका टीम के साथ जुड़े

इस 20 साल के खिलाड़ी की अगुवाई में भारत ने हाल ही रिकॉर्ड पांचवीं बार जूनियर एशिया कप का खिताब जीता है। जूनियर एशिया कप में जीत के बाद आत्मविश्वास से लबरेज आमिर एचआईएल में अपनी लय को जारी रखना चाहते है। उनका सपना हालांकि भारत की मुख्य टीम के लिए खेलना है। उन्होंने कहा, जूनियर एशिया कप जीतने से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है मैं उस लय को एचआईएल में जारी रखना चाहता हूं। मेरा लक्ष्य अपना शत प्रतिशत देकर टीम को चैंपियन बनाने में योगदान देना होगा।

अपने आदर्श मनप्रीत के साथ एक ही टीम में खेलेंगे आमिर

भारतीय जूनियर टीम के कप्तान आमिर टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कप्तान के साथ एचआईएल में टीम गोनासिका का प्रतिनिधित्व करेंगे। आमिर ने कहा, यह सोचना कि मैं एक बार एचआईएल मैच देखने गया था और अब मैं उसका हिस्सा हूं, एक बहुत ही खास एहसास है। उन्होंने कहा, मैं अपने आदर्श मनप्रीत सिंह के साथ खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं उनसे सीखने और उनके मार्गदर्शन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का इंतजार कर रहा हूं।

एडिलेड में गरमाया माहौल

बीच मैदान पर भिड़े सिराज और ट्रेविस हेड, गुस्से में किया ये काम

एडिलेड, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। एडिलेड में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे पिंक बॉल टेस्ट के दूसरे दिन मोहम्मद सिराज और ट्रेविस हेड भिड़ गए. बीच मैदान पर सरेआम दोनों में जुबानी जंग देखने को मिली. सवाल है क्यों? बेशक भारत-ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले में ऐसी तस्वीरों का दिखना आम है. लेकिन, एडिलेड में वो वजह क्या रही जिससे सिराज और हेड एक दूसरे पर लाल-पीले होते दिखे. दरअसल, इसके तार ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 82वें ओवर से जुड़ा है. सिराज के इस ओवर की 4 गेंदों पर जो हुआ, वही उनके और हेड के आमने-सामने होने की वजह बनी. ऑस्ट्रेलियाई पारी का 82वां ओवर डालने आए सिराज की पहली गेंद पर ट्रेविस हेड ने चौका लगाया. इसके बाद दूसरी गेंद पर हेड रन नहीं बना पाए. सिराज के इस ओवर की तीसरी गेंद पर हेड ने छक्का लगा दिया. फिर चौथी गेंद पर सिराज ने हेड की गिल्लियां बिखेर दी. अब छक्का खाने के बाद कोई गेंदबाज किसी बल्लेबाज की अगर गिल्ली बिखेर दे तो उसके एग्रेसन को समझा जा सकता है. कुछ ऐसा ही नजारा एडिलेड में ही देखने को मिला, जहां वो दोनों खिलाड़ी एक दूसरे को आंखें दिखाकर एग्रेसन जताते दिखे.

तीन स्वर्ण के साथ अक्षय का कॉमनवेल्थ कराटे में दबदबा

व्यक्तिगत के बाद टीम इवेंट भी जीता

नई दिल्ली, 7 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के डरबन में आयोजित कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में अमर उजाला में कार्यरत अक्षय महारा भूषणम का गोल्डन हैट्रिक के साथ दबदबा रहा। उन्होंने 84 किग्रा भारवर्ग में खिताब जीता। कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में अक्षय ने व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में कुल तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

अक्षय ने नाइजीरिया, स्कॉटलैंड बोत्सवाना और इंग्लैंड के प्रतिद्वंद्वियों पर दबदबा बनाया और फाइनल में 10-0 की जीत के साथ श्रेष्ठता साबित की। हर मुकाबले में उनकी जीत का अंतराल कम से कम 8 अंक का रहा। प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने महज एक अंक गंवाया। अक्षय ने कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पहला पदक 2018 में जूनियर वर्ग (76 किग्रा) में और दूसरा 2022 में सीनियर वर्ग में जीता था।

1 लाख करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण से महिलाओं का सशक्तिकरण : भट्टी

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को सालाना 20,000 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करके आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए कदम उठा रही है, जिससे वे अपने व्यवसाय स्थापित करने और विस्तार करने में सक्षम होंगी।

शनिवार को यहां टूरिज्म प्लाजा में तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी में बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पहलों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पांच साल की अवधि में, राज्य सरकार का लक्ष्य महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों के लिए 1 लाख करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा प्रदान करना है, ताकि उन्हें सफल उद्यमी और उद्योगपति बनाया जा सके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत राज मंत्री सीतक्का इन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की देखरेख कर रहे हैं और प्रगति की समीक्षा करने तथा समर्थन प्रदान करने के लिए जिलों में महिला समूहों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की पहल इस विश्वास पर आधारित है कि महिलाएं समृद्धि या "महालक्ष्मी" की सच्ची प्रतिमूर्ति हैं और उनकी वित्तीय स्वतंत्रता राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा, अगले पांच वर्षों में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करके, हम चाहते हैं कि तेलंगाना की प्रत्येक महिला इन पहलों से लाभान्वित हो, वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करे और यहां तक कि करोड़पति का दर्जा भी प्राप्त करे। कांग्रेस सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर, हैदराबाद के टैंक बंड स्थित नेकलेस रोड पर तीन दिनों के लिए भव्य समारोह की योजना बनाई गई है। इस कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा उत्पादित वस्तुओं के प्रदर्शन वाले स्टॉल, खाद्य स्टॉल और महिला उद्यमियों के लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के अवसर शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री ने महिलाओं को अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए इन मंचों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री सीतक्का, वित्त के विशेष मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, निगम अध्यक्ष बंदरू शोभारानी और तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की अध्यक्ष माधवी भी कार्यक्रम में मौजूद थीं।

केसीआर से मिले मंत्री पोन्नम

तेलुगू तल्ली प्रतिमा अनावरण के लिए दिया निमंत्रण

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 9 दिसंबर को डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय भवन में तेलुगू तल्ली प्रतिमा के अनावरण की तैयारी में, बीसी कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शनिवार को राज्य के पहले मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को निमंत्रण दिया। मंत्री ने प्रोटोकॉल अधिकारियों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री से एर्रावेली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और सरकार की ओर से उन्हें इस कार्यक्रम के लिए निमंत्रण दिया। पूर्व सांसद जोगिनपल्ली संतोष कुमार, पूर्व विधायक जीवन रेड्डी और वामशीधर राव सहित बीआरएस नेताओं ने मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

बीआरएस अध्यक्ष ने मंत्री के लिए अपने आवास पर दोपहर के भोजन का आयोजन किया।

अपनी बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने तेलंगाना आंदोलन की अपनी यादें ताजा कीं, विशेष रूप से राज्य के लिए लड़ाई के दौरान दिल्ली में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं को याद किया।

मंत्री के साथ सरकारी प्रोटोकॉल और जनसंपर्क सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल और प्रोटोकॉल विभाग के निदेशक वेंकट राव भी मौजूद थे।

अस्पताल भवन को लेकर केंद्र की आयुष और तेलंगाना सरकार में टकराव

भूपालपल्ली, 7 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासन द्वारा नवनिर्मित आयुष अस्पताल भवन पर सरकारी नर्सिंग कॉलेज का बोर्ड लगाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। आयुष विभाग ने जिला प्रशासन की इस कार्रवाई के खिलाफ राज्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सचिव के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है।

आयुष अधिकारियों ने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन ने उनकी जानकारी के बिना आयुष अस्पताल की इमारत पर सरकारी नर्सिंग कॉलेज का बोर्ड लगा दिया। केंद्र ने राज्य के भूपलपल्ली, सिद्दीपेट और विकाराबाद जिलों में 50-50 बिस्तरों वाले आयुष अस्पताल स्वीकृत किए। केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने अस्पताल की स्थापना के लिए प्रत्येक को 15 करोड़ रुपये आवंटित किए और इसमें से 10 करोड़ रुपये इमारतों के निर्माण और 5 करोड़ रुपये उपकरणों और मानव संसाधन की भर्ती के लिए स्वीकृत किए गए।

तेलंगाना राज्य चिकित्सा सेवा एवं अवसंरचना विकास निगम (टीजीएमआईडीसी) को भवन निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। हाल ही में भवन निर्माण का काम पूरा हो गया, लेकिन आयुष विभाग को बिना कोई सूचना दिए भवन पर नर्सिंग कॉलेज बोर्ड स्थापित कर दिया गया, जिससे दोनों सरकारी निकायों के बीच विवाद पैदा हो गया।

जब आयुष विभाग ने नर्सिंग कॉलेज बोर्ड के बारे में संबंधित अधिकारियों से पूछा, तो उन्होंने कथित तौर पर कहा कि वे कलेक्टर के निर्देशों का पालन कर रहे हैं।

आयुष अधिकारी चिंतित हैं क्योंकि एक केंद्रीय टीम पहले ही सिद्दीपेट में बने आयुष अस्पताल का निरीक्षण कर चुकी है और इसे स्थानीय कर्मचारियों को सौंप दिया है और जल्द ही टीम निरीक्षण के लिए भूपलपल्ली का दौरा करेगी और अगर तब तक नर्सिंग कॉलेज बोर्ड को नहीं हटाया गया, तो समस्या होगी क्योंकि भवन का निर्माण केंद्रीय निधि से किया गया था।

हालांकि, टीजीएमआईडीसी के इंजीनियर ने स्पष्ट किया कि भवन का निर्माण आयुष अस्पताल के उद्देश्य से किया गया था और योजना में कोई बदलाव नहीं किया गया है तथा इसे जल्द ही आयुष विभाग को सौंप दिया जाएगा।

पूर्व मंत्री ने की राज्य सरकार की आलोचना

श्रीनिवास ने होमगार्डों को निराश करने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने होमगार्ड्स दिवस के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा होमगार्ड्स के वेतन में की गई निराशाजनक वृद्धि की घोषणा पर आश्चर्य व्यक्त किया। शनिवार को तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार से होमगार्डों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन इससे वे चिंतित हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने 79 रुपये वेतन वृद्धि की घोषणा की, लेकिन दावा किया कि यह 1,000 रुपये है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि होमगार्ड की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह मामूली वृद्धि अपर्याप्त है। उन्होंने याद दिलाया कि उनके कार्यकाल के दौरान, बीआरएस सरकार ने होमगार्ड के लिए बीमा सुविधाएं प्रदान कीं और उनके वेतन को 9,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये कर दिया, जबकि अतिरिक्त 30 प्रतिशत पीआरसी वृद्धि भी की। उन्होंने बताया कि बीआरएस सरकार ने यातायात पुलिस स्टेशनों में काम करने वालों के लिए 30 प्रतिशत जोखिम भत्ता शुरू किया है तथा ड्रेस भत्ते और विशेष अवकाश की व्यवस्था की है। उन्होंने याद दिलाया कि होमगार्डों को नियमित करने के लिए राजीव त्रिवेदी के नेतृत्व में एक समिति गठित की गई थी और उम्मीद थी कि वर्तमान सरकार उन्हें विशेष पुलिस सहायक के रूप में नियुक्त करेगी।

उन्होंने मांग की कि सरकार होमगार्डों को स्थायी कर्मचारी बनाने का अपना वादा पूरा करे। उन्होंने मृतक होमगार्डों के परिवारों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की मांग की।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सेवानिवृत्त होमगार्डों को भी पुलिस अधिकारियों को मिलने वाले लाभ मिलने चाहिए।

सीमेंट निर्माता को जमीन सौंपने का विरोध

मंचेरियल, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासियों ने शनिवार को कासिपेट मंडल के रोट्टापल्ली गांव में ओरिएंट सीमेंट कंपनी के प्रबंधन को उसके चौथे संयंत्र के लिए वन विभाग द्वारा भूमि सौंपे जाने का विरोध किया है। आदिवासियों ने अधिकारियों पर आपत्ति जताई जिन्होंने सीमेंट कंपनी द्वारा गत्रोपेल्ली गांव में खरीदी गई राजस्व भूमि के बदले सीमेंट निर्माता को भूमि सौंपने का फैसला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी भूमि पर आदिवासियों के अधिकारों के संरक्षण के लिए बनाए गए मानदंडों का उल्लंघन करके भूमि दे रहे थे।

उन्होंने जिला वन अधिकारी शिव आशीष सिंह को लिखित प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध किया कि वे सीमेंट निर्माता को जमीन सौंपने की प्रक्रिया को रोकने के लिए कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि अगर जमीन सीमेंट कंपनी को दी गई तो वे आंदोलन करेंगे। निवासियों के विरोध के बाद अधिकारियों ने भूमि का निरीक्षण बंद कर दिया है।

केटीआर ने सीएम रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण को बताया गलत

हैदराबाद, 7 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। वर्तमान कांग्रेस शासन और अतीत में बीआरएस शासन के दौरान कृषक समुदाय की स्थिति के बीच तीखी तुलना करते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने रेवंत रेड्डी सरकार पर तीखा हमला किया और रैतु भरोसा योजना और किसानों के लिए ऋण माफी के संचालन की आलोचना की। उनकी टिप्पणी कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के हालिया बयानों के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने वर्तमान सरकार द्वारा किसान हितैषी पहलों के भाग्य और निरंतरता के बारे में बार-बार पूछे जाने वाले सवालों को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने कृषि सहायता के लिए कांग्रेस सरकार के दृष्टिकोण में कई मुद्दों को उजागर किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केसीआर सरकार के तहत किसानों को बिना मांगें सहायता मिलती थी, जिसमें रैतु बंधु और रैतु बीमा योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि किसानों को बिना किसी अनुरोध के सिंचाई और 24 घंटे मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई गई। सरकार ने फसल की आखिरी रत्ती तक खरीद सुनिश्चित की, जिससे किसानों को सुरक्षा कवच मिला। कांग्रेस सरकार के रिकॉर्ड के साथ इन उपलब्धियों की तुलना करते हुए बीआरएस नेता ने उन पर कृषि क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि अविभाजित राज्य में दशकों के कांग्रेस शासन ने कृषि क्षेत्र को बदहाल कर दिया है, जिससे किसानों को जीवनयापन के लिए पलायन करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने झूठे वादे किए थे, जैसे कि रैतु भरोसा योजना, जिसे लागू नहीं किया गया। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि वह कर्जमाफी के अपने वादों को पूरा करने में विफल रही, जिससे किसान वित्तीय संकट में फंस गए।

सीएम रेवंत के दौरे से पहले नलगोंडा में बीआरएस नेता गिरफ्तार

नलगोंडा, 7 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के दौरे से पहले पुलिस ने शनिवार को नलगोंडा जिले में कई बीआरएस नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारियां आधी रात को शुरू हुईं और सुबह तक जारी रहीं। नलगोंडा के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सैदी रेड्डी के साथ-साथ पार्टी के कई अन्य नगर इकाई के नेताओं को गिरफ्तार कर नलगोंडा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया। बीआरएस नलगोंडा मंडल इकाई के अध्यक्ष देवी वेंकट रेड्डी और विभिन्न पीएसीएस के सदस्यों को भी हिरासत में लिया गया और ग्रामीण पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में कनागल के पूर्व एमपीपी करीम पाशा और अन्य नेता भी शामिल हैं। गिरफ्तारियों से बीआरएस नेताओं में आक्रोश फैल गया, जिन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई 'आपातकाल' की याद दिलाती है। बड़े पैमाने पर हुई गिरफ्तारियों की पृष्ठभूमि में नलगोंडा जिले में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन अजय दाशरथी की टीम ने हैदराबाद में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार मुलाकात की।

पिटाई से आहत छात्र ने की आत्महत्या की कोशिश

महबूबाबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद जिले के गुडूर स्थित आश्रम (एसटी बॉयज) स्कूल में पढ़ने वाले एक कक्षा के छात्र ने स्कूल में वरिष्ठ छात्रों द्वारा पिटाई के बाद कथित तौर पर त्वचा रोगों के इलाज के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले टॉनिक का सेवन करके आत्महत्या का प्रयास किया। 11 वर्षीय छात्र ईसाम रुधविक को शनिवार दोपहर स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद महबूबाबाद के सरकारी सामान्य अस्पताल ले जाया गया। वह जिले के कोथागुडा मंडल के तिरुमलागंडी गांव का रहने वाला है।

उन्होंने शिकायत की कि कक्षा 10 के छात्र उन्हें प्रतिदिन पीटते हैं, शनिवार को दोपहर के भोजन के समय भी उन्हें पीटा गया और यातना सहन न कर पाने के कारण उन्होंने टॉनिक पी लिया। उन्होंने बताया कि मामला वार्डन और शिक्षकों के संज्ञान में लाया गया, लेकिन उन्होंने वरिष्ठ छात्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। महबूबाबाद अस्पताल में रुधविक का इलाज करने वाले डॉ. जगदीश ने मीडिया को बताया कि छात्र ने बोतल के ढक्कन में बेंज़िल बेंजोएट लिया और उसका आधा हिस्सा पी लिया। छात्र की स्थिति जानने के लिए सीटी स्कैन और अन्य परीक्षण किए गए, तथा उसे अब चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

एम्बुलेंस लेकर भागा चोर, 150 किमी तक पुलिस ने किया पीछा

एएसआई को रौंदा, हालत गंभीर

नलगोंडा, 7 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक वाहन चोर द्वारा हयातनगर से चुराई गई 108 एम्बुलेंस को लेकर भागने के मामले में पुलिस को शनिवार की सुबह 2 घंटे तक 150 किमी से अधिक दूरी तक पीछा करना पड़ा।

चोर चोरी की गई एम्बुलेंस को सायरन बजाते हुए हयातनगर से भाग गया, जिससे हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। हाईवे के किनारे स्थित सभी पुलिस थानों को अलर्ट कर दिया गया। चोर कई बार भागने में सफल रहा, यहां तक कि उसने चित्याला में एएसआई जॉन रेड्डी को भी कुचल दिया, जिससे वह घायल हो गया। जॉन रेड्डी को तुरंत इलाज के लिए हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। चोर भागने की कोशिश में कोरलापहाड़ टोल गेट के गेट को तोड़कर भाग निकला। उसका पीछा करते हुए पुलिस ने सूर्यपेट मंडल के टेकुमतला में हाईवे पर ट्रकों की कतार लगाकर नाकाबंदी कर दी, जहां ढाई घंटे तक चली तलाशी के बाद वाहन चोर को गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि वह कई बड़ी चोरियों में शामिल है।

महबूबनगर में महसूस किए गए भूकंप के हल्के झटके

महबूबनगर, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कौकुंतला मंडल के अंतर्गत दसरापल्ले में शनिवार दोपहर को हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए। गांव के निवासियों ने दोपहर करीब 12.15 बजे भूकंप के झटके महसूस किए। एनजीआरआई के अधिकारियों ने बताया कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3 थी। रिपोर्टों के अनुसार, भूकंप कृष्णा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में महसूस किए गए, जिसमें जुराला परियोजना के ऊपरी और निचले हिस्से भी शामिल थे। राज्य में इस सप्ताह यह दूसरी ऐसी घटना है। बुधवार को मुलुगु में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था और तत्कालीन वारंगल, खम्मम, आदिलाबाद, संगारेड्डी और हैदराबाद के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए थे।

कार झील में गिरने से 5 लोगों की मौत

भोंगिर, 7 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार की सुबह यदाद्री भोंगिर जिले के भूदान पोचमपल्ली मंडल के जलालपुर गांव के पास एक कार के नियंत्रण खोने से झील में गिर जाने से 5 लोगों की मौत हो गई। पीड़ितों की पहचान हर्ष, दिनेश, वामशी, बालू और विनय के रूप में हुई है, जो एलबी नगर के निवासी थे। दुर्घटना तब हुई जब उनकी कार सड़क से उतरकर झील में जा गिरी। वलिगोंडा मंडल के लक्ष्मपुरम गांव का एक युवक भागने में सफल रहा। पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर बचाव कार्य में जुट गई।

खंभे से बाइक टकराई, 2 की मौत

हैदराबाद, 7 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके पेटबशीराबाद में शनिवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कार्तिक रेड्डी (23) और अनिल (23) के रूप में हुई है। यह घटना उस समय घटी जब जिस मोटरसाइकिल पर वे सवार थे वह तेज गति से एक बिजली के खंभे से टकरा गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह करीब 3 बजे गुंडला पोचमपल्ली रोड पर हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। पुलिस को संदेह है कि दोनों तेज गति से गाड़ी चला रहे थे और संभवत: मोटरसाइकिल पर उनका नियंत्रण नहीं रहा, जिसके कारण यह हादसा हुआ। मामला दर्ज कर लिया गया है।

कपड़े सुखाते समय महिला की करंट लगने से मौत

मंचेरियल, 7 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को थंडूर मंडल के मदाराम कस्बे में बिजली के तार से कपड़े सुखाते समय एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ऑटो रिक्शा चालक तिरुपति की पत्नी पुलगाम सुमालता (35) की मौके पर ही मौत हो गई, जब वह तार को छू गई, जो खराब तारों के कारण प्रवाहित हो गया था।

घटना के समय वह अकेली थी। कुछ पड़ोसियों ने उसका शव देखा और उसके परिवार के सदस्यों को सूचित किया, जिन्होंने पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेल्लमपल्ली के सरकारी अस्पताल में भेज दिया है। तिरुपति से मिली शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच शुरू कर दी गई है।

तीसरी कक्षा के छात्र का सिर खंभों के बीच फंसा

नागरकुरनूल, 7 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी स्कूल में कक्षा 3 के एक छात्र का सिर स्कूल के दो खंभों के बीच फंस गया, जिसके बाद अभिभावकों और शिक्षकों ने राहत की सांस ली। छात्र को बिना किसी चोट के बचा लिया गया। यह घटना शुक्रवार को जिले के अचंपेट मंडल के अंतर्गत पुलजाला प्राथमिक विद्यालय में हुई। तीसरी कक्षा की छात्रा सरिता इंटरवल के दौरान खेलते समय गलती से स्कूल परिसर में दो खंभों के बीच फंस गई। उसकी चीख सुनकर अन्य छात्रों ने तुरंत शिक्षकों को सूचित किया और वे उसे बचाने के लिए दौड़े।

सरिता के रोने की आवाज सुनकर उसके माता-पिता और गांव वाले भी स्कूल की ओर दौड़ पड़े। तुरंत ही निर्माण कार्य से जुड़े मजदूरों को मौके पर बुलाया गया और उन्होंने छात्रा को कोई चोट पहुंचाए बिना खंभे का एक छोटा सा हिस्सा गिरा दिया। करीब एक घंटे बाद सरिता को सुरक्षित बचा लिया गया।

अपराधों को रोकने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका : स्नेहा मेहरा

छात्रों को अपराध, नशा आदि पर जागरूक किया गया

हैदराबाद, 7 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेंट मार्क्स बॉयज टाउन हाई स्कूल, काला पत्थर में साउथ ज़ोन के काला पत्थर पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित सेंट मार्क्स बॉयज टाउन हाई स्कूल के छात्रों के लिए शनिवार को एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का ध्यान महिलाओं के खिलाफ अपराध, साइबर अपराध और नशीली दवाओं के दुरूपयोग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में छात्रों को शिक्षित करने पर केंद्रित था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में साउथ ज़ोन की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) स्नेहा मेहरा मौजूद थीं। साउथ ज़ोन के एडिशनल डिप्टी पुलिस कमिश्नर एमडी मजीद, फलकनुमा के सहायक पुलिस आयुक्त एमए जावेद, एसएचई टीम्स की एसीपी प्रसन्ना लक्ष्मी भी मौजूद थीं। जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को साइबर अपराधों के खतरों, महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के महत्व और युवाओं में नशीली दवाओं के दुरूपयोग के बढ़ते खतरे के बारे में सूचित और संवेदनशील बनाना था। विभिन्न निवारक उपायों पर चर्चा की गई और प्रतिभागियों को आपात स्थिति में अधिकारियों से संपर्क करने या उत्पीड़न या साइबर अपराधों की घटनाओं की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अपने भाषण में डीसीपी स्नेहा मेहरा ने ऐसे अपराधों को रोकने में शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया और छात्रों को अपनी ऑनलाइन गतिविधियों में सतर्क रहने की सलाह दी, उनसे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करने का आग्रह किया।

उन्होंने व्यक्तिगत सुरक्षा बनाए रखने और हिंसा के पीड़ितों का समर्थन करने के महत्व पर भी जोर दिया। एडीसीपी एमडी मजीद, एसीपी एमए जावेद और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपराध से निपटने के लिए दक्षिण क्षेत्र पुलिस द्वारा की गई पहलों पर प्रकाश डाला।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए शी टीमों के प्रयासों और उपलब्ध संसाधनों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। साइबर क्राइम एसआई श्रीकांत ने ऑनलाइन सुरक्षित रहने और ऑनलाइन घोटाले, धोखाधड़ी और उत्पीड़न का शिकार होने से बचने के व्यावहारिक सुझाव दिए। उन्होंने छात्रों को सोशल मीडिया और इंटरनेट पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करते समय सतर्क रहने की भी सलाह दी।

कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव सत्र के साथ हुआ, जहां छात्रों ने सवाल पूछे और साइबर खतरों और नशीली दवाओं के दुरूपयोग के खतरों से सुरक्षित रहने के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस पहल को छात्रों और शिक्षकों ने खूब सराहा और उम्मीद है कि इससे युवाओं को अपने समुदाय में इन प्रचलित मुद्दों से निपटने के लिए ज्ञान और उपकरणों से लैस करके एक स्थायी प्रभाव पैदा होगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.